- न्यायधीशों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति से सुप्रीम कोर्ट चिंतित -12

- इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा करेगा ट्राई, परिचर्चा पत्र जारी- 12

- फिलीपींस मे तूफान फंग वोंग से आठ लोगों की मौत, 14 लाख बेघर-13

- इंग्लैंड में खेलने से इन्कार करने पर शमी की वापसी की संभावना पड़ सकती है क्षीण-14

आज का मौसम

25.0⁰ अधिकतम तापमान

12.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.31

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी 11:09 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 11 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 352, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

लाल किला के पास कार में धमाका

8 की मौत, कई राज्यों में हाईअलर्ट

कई कारों में लगी आग, मृतकों में अमरोहा के अशोक कुमार शामिल, 24 लोग घायल

- अमित शाह मौके पर पहुंचे एनआईए ने छानबीन शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास आई-20 कार में सोमवार शाम 6:52 बजे जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। भीड़भाड़ वाले इलाके में व्यस्त समय में हुए विस्फोट से कई वाहनों में आग लग गई, जबकि कई की खिड़कियों के शीशे टूट गए। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा, धमाका यातायात सिग्नल के पास धीमी गति से चल रही एक कार में हुआ। विस्फोट में घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। विस्फोट के बाद यूपी, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा व अन्य राज्यों में हाईअलर्ट जारी किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट स्थल के पास शवों के अंग बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे। मृतकों में हसनपुर (अमरोहा) के अशोक कुमार शामिल हैं। विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारण लगी आग पर देर शाम 7.29 बजे तक काबू पा लिया गया। आग में छह कारें, दो ई-रिक्शा और एक ऑटोरिक्शा जलकर खाक हो गए। एनआईए की एक टीम ने साक्ष्य जुटाए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट से कई मीटर दूर खड़े वाहनों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। चांदनी चौक व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय भार्गव, जिनकी दुकान घटनास्थल से लगभग 800 मीटर दूर है, ने बताया कि विस्फोट से इमारत हिल गई। दिल्ली विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की। गृहमंत्री अमित शाह ने मौके का मुआयना किया।

लालकिला के पास हुए विस्फोट के बाद लगी आग से खाक हुई कारें। दाएं : विस्फोट के बाद कार में लगी आग। ● एजेंसी

यूपी में योगी ने सघन तलाशी के निर्देश दिए

लखनऊ। दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क मोड पर आ गई हैं। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशभर के अफसरों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि को बख्शा न जाए और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। योगी ने प्रमुख सचिव गृह समेत डीजीपी और एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) को निर्देश दिया है कि सभी जिलों में गश्त बढ़ाई जाए और इंटेलिजेंस यूनिट लगातार अलर्ट रहे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, बाजार, धार्मिक स्थलों पर चेकिंग अभियान चले।

आई-20 मालिक सलमान को गुरुग्राम से पकड़ा

नई दिल्ली, जिस आई-20 कार में विस्फोट हुआ था दिल्ली पुलिस ने उस कार के मालिक मोहम्मद सलमान को हरियाणा के गुरुग्राम से हिरासत में लिया है। सलमान ने कार ओखला के एक व्यक्ति को बेची थी। कार उसके नाम पर पंजीकृत थी और उस पर हरियाणा की पंजीकरण संख्या थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को मोहम्मद सलमान को हिरासत में लिया और उससे कार के बारे में पूछताछ कर रही है। उसने इसे ओखला में देवेंद्र नाम के एक व्यक्ति को बेच दिया था। बाद में, गाड़ी फिर से अंबाला में किसी को बेच दी गई और पुलिस उन लोगों का पता लगा रही है।

2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद

तीन डॉक्टर समेत आठ गिरफ्तार

श्रीनगर/फरीदाबाद, एजेंसी

देश के विभिन्न हिस्सों से तीन चिकित्सकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। पुलिस का दावा है कि इन गिरफ्तारियों और जब्ती से जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवातुल हिंद के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। गिरफ्तार आतंकियों में कश्मीर के डॉ. मुजम्मिल गनी और लखनऊ के डॉ. शाहीन शामिल हैं, जिन्हें हिरासत में पूछताछ के लिए श्रीनगर लाया गया। डॉ. शाहीन की कार से एक एके-47 राइफल मिली है।

जम्मू- कश्मीर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस बलों के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का संयुक्त अभियान एक बड़ी सफलता है। जम्मू पुलिस ने बताया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री में अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल हैं, जिसमें फरीदाबाद में गनी के किराए के मकान से बरामद 360 किलोग्राम ज्वलनशील सामग्री शामिल है। इस विस्फोटक सामग्री के अमोनियम नाइट्रेट होने का शक है। विभिन्न स्थानों से की गई बरामदगी में एक चीन की स्टार पिस्तौल, एक बरेटा पिस्तौल, एक एके-56 राइफल, एक एके क्रिंकॉव राइफल, विस्फोटक, रसायन, रिएजेंट्स, ज्वलनशील सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, बैटरियां, तार, रिमोट कंट्रोल, टाइमर और धातु की शीट शामिल हैं। हरियाणा के अल फला विश्वविद्यालय में शिक्षक मुजम्मिल उर्फ गनी श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने के मामले में वांछित था। शैक्षणिक नेटवर्क के जरिए धन जुटाया गया।

पुलिस ने आतंकियों से बरामद किए हथियार।

डॉ. आदिल

- गिरफ्तार लोगों में कश्मीर के डॉ. मुजम्मिल गनी और लखनऊ के डॉ. शाहीन

तीन राज्यों की पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, डॉ. शाहीन की कार से एके-47 राइफल मिली

गिरफ्तार आठ लोगों में से सात कश्मीर से

गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सात कश्मीर से हैं। इनमें श्रीनगर के नौगाम के निवासी अरिफ निजार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद, शोपियां का निवासी मौलवी इरफान अहमद, गंदेरबल के वकुरा का निवासी जमीर अहमद आहंगर उर्फ मुतलशा, पुलवामा के कोइल क्षेत्र का निवासी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी उर्फ मुसैब, कुलगाम के वनपोरा क्षेत्र का रहने वाला डॉ. आदिल और लखनऊ का निवासी डॉ. शाहीन शामिल है।

गनी और आदिल के फोन पर कई पाकिस्तानी नंबर

अधिकारियों ने दावा कि गनी और आदिल के फोन पर कई पाकिस्तानी नंबर पाए गए थे और वे नेटवर्क के संभावित हैंडलर हो सकते हैं। श्रीनगर के बुनपोरा नौगाम क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकाने के लिए 19 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद के कई पोस्टर चिपके हुए पाए गए थे। यह जांच की शुरुआत थी, जिससे अंतर-राज्यीय आतंकवादी नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में एक सफेदपोश आतंकवादी ईकोसिस्टम का पता चला, जिसमें कट्टरपंथी पेशेवर और छात्र पाकिस्तान और अन्य देशों से काम कर रहे विदेशी आकाओं से संपर्क में थे।

न्यूज ब्रीफ

अभिनेता धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

मुंबई। कई दिनों से अस्पताल में भर्ती जानेमाने अभिनेता धर्मेंद्र की हालत गंभीर है। फिल्म जगत के एक सूत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अभिनेता धर्मेंद्र (89) को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई बार भर्ती कराया गया है। नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक अंदरूनी सूत्र ने बताया, धरम जी की हालत अच्छी नहीं है। बेटे सनी देओल के प्रतिनिधि ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि शोले स्टार धर्मेंद्र वेंटिलेटर पर हैं। जनसंपर्क (पीआर) प्रतिनिधि ने बताया, धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है।

ई-कॉमर्स मंच के लिए 'मूल देश' फिल्टर होगा अनिवार्य

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ई-कॉमर्स मंचों के लिए पैकेज वस्तुओं के 'मूल देश' का फिल्टर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इससे उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी करते समय उत्पादों की उत्पत्ति की आसानी से पहचान करने में मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि मसौदा विधिक माप विज्ञान (पैकेज जिंस) (द्वितीय) संशोधन नियम, 2025, मौजूदा 2011 के नियमों में संशोधन करेगा।

मुरादाबाद में मुठभेड़, दो इनामी ढेर

कार्यालय संवाददाता मुरादाबाद

अमृत विचार: विशेष कार्यबल (एसटीएफ) मेरठ और मुरादाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को थाना भोजपुर क्षेत्र में गोट रेलवे स्टेशन मुठभेड़ में दो इनामी बदमाशों को घेर लिया। पुलिस की गोली से दोनों गंभीर घायल हो गए। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृत बदमाशों की पहचान आसिफ उर्फ टिड्डा निवासी रसीद नगर मेरठ और दीनू निवासी ग्राम खिवाई थाना सरुरपुर मेरठ के रूप में हुई। आसिफ पर एक लाख रुपये और दीनू पर पचास हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक स्विफ्ट कार, एक कार्बाइन (30 बोर), तीन पिस्टल (32 बोर), भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, आसिफ उर्फ टिड्डा पर 65 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या, लूट, डकैती, अपहरण और रंगदारी की वारदातें शामिल हैं। वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में सक्रिय रहा है। वर्ष 2005 से अपराध जगत में सक्रिय आसिफ पर हिस्ट्रीशीट संख्या 74-ए थाना ब्रहमपुरी मेरठ में खुली है। वहीं, दीनू पर भी 25 मुकदमे दर्ज हैं। दोनों आरोपी मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, हापुड़ और मुरादाबाद में कई सनसनीखेज वारदातों में वांछित चल रहे थे।

आसिफ

दीनू

- एसटीएफ मेरठ और मुरादाबाद पुलिस की टीम ने की कार्रवाई

हापुड़ में संभल का 50 हजार का इनामी ढेर

संभल/ हापुड़। असमोली थाना क्षेत्र का रहने वाला 50 हजार का इनामी गोतस्कर बदमाश हसीन रविवार देर रात हापुड़ पुलिस के साथ मुठभेड़ में ढेर हो गया। हसीन के खिलाफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में 26 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। कपूरपुर थाना प्रभारी विनोद पांडे बदमाश की गोली से बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, कारतूस और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। पुलिस को रविवार रात डायल 112 पर सूचना मिली थी कि कपूरपुर थाना क्षेत्र में सपनावत के पास कुछ बदमाश हैं जो गोकशी हेतु गोवंश को एकत्र कर ले जाने की फिराक में हैं।

सऊदी से द्विपक्षीय हज समझौता

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने जेद्दा में द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत 2026 में इस यात्रा के लिए भारत का कोटा 1,75,025 होने की पुष्टि की गई है। रीजीजू ने सात से नौ नवंबर तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा के दौरान रविवार को जेद्दा में सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल रबिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें कहा गया कि सुचारू और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बैठक में सुविधाओं, परिवहन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दूसरे चरण में 122 सीटों पर वोटिंग आज

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को 3.70 करोड़ मतदाता 122 सीटों पर 1,302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें नीतीश कुमार मंत्रिमंडल के आधा दर्जन से अधिक मंत्री भी शामिल हैं। दूसरे चरण में जिन जिलों में मतदान होना है, उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल हैं, ये सभी नेपाल की सीमा से सटे हुए जिले हैं। चुनाव के मद्देनजर पूरे राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और चार लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी चुनाव ड्यूटी में तैनात किए गए हैं।

आदेश | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान किया बड़ा एलान

यूपी के स्कूलों में वंदेमातरम् अनिवार्य होगा : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। हम प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में इसका गायन अनिवार्य करेंगे। योगी ने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले तत्वों की पहचान करना हमारा कर्तव्य है। कहा कि अब यूपी के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' का नियमित और जरूरी गायन किया जाएगा। यह कदम नागरिकों में भारत माता और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और गौरव की भावना को प्रेरित करेगा।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में गोरखपुर शहर सोमवार को अपूर्व और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। अवसर था भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निकाली गई एकता यात्रा का। प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 25 नवंबर तक निकलने वाली एकता यात्रा का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने अपने गृह विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर शहर से किया।

'एकता यात्रा' व 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन कार्यक्रम में सम्मिलित मुख्यमंत्री योगी।

भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर बड़ा बयान दिया। साथ ही सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे। कहा कि अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है तो हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए
https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर
99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

दबंगों ने जोड़ने नहीं दिया बिजली का तार

तिलहर, अमृत विचार : नगर से गांव शिवदासपुर गैसरा रोड पर तार टूट कर गिर गया। इसके बाद तार जोड़ने आए बिजली कर्मियों को दबंगों तार नहीं जोड़ने दिया।जिसके चलते 18 घंटे बिजली ठप रही। रविवार को मोहल्ला निजामगंज में शिवदासपुर गैसरा मार्ग पर शाम 4 बजे 11 हजार विद्युत लाइन का तार टूट गया।जिसके चलते लाइट गुल हो गई।जिसके बाद विद्युत कर्मचारियों द्वारा तार जोड़ने वाली टीम आई। जिसको दबंगों ने तार नहीं जोड़ने दिया। विद्युत विभाग की टीम ने पुलिस को सूचना दी।जिसके बाद आई पुलिस टीम भी दबंगों के आगे बेबस नजर आई। जिसके चलते 400 घरों में 18 घंटे तक अंधेरा छाया रहा और लोग पानी के लिए परेशान हुए ।

बिना रसीद दिए विद्युत मीटर लगाकर की ठगी

कलान, अमृत विचार : नगर पंचायत के मोहल्ला दुर्गा नगर निवासी शीतल गुप्ता ने बताया उनके घर पर एक व्यक्ति आया और कहा कि विद्युत मीटर लगवा लो, नहीं तो बिल ज्यादा आएगा। उसने बिना रसीद दिए 872 रुपये लेकर 11 सितंबर को मीटर लगा दिया। अक्टूबर में जब शीतल गुप्ता के पति विमलेश विद्युत विभाग में 332 रुपये का बिल जमा करने पहुंचे तो वहां मौजूद एसडीओ और कर्मचारियों ने एक माह का बिल व मीटर शुल्क समेत 1224 रुपये जमा करने को कहा। शिकायतकर्ता ने बताया मीटर के पैसे पहले ही दिए जा चुके हैं, इस पर अधिकारी ने शाहजहांपुर जाकर बात करने को कहा। इससे बिल जमा नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि विद्युत मीटर लगाने के नाम पर लोगों से ठगी की जा रही है। शिकायत करने पर अधिकारी मीटर लगाने वाले को पकड़ने की बात कहकर मामले को टालते रहे। पीड़ितों ने विद्युत विभाग पर कार्रवाई की मांग की है

व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष का होगा स्वागत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल के शाहजहांपुर आगमन को लेकर व्यापारियों में उत्साह है। प्रांतीय अध्यक्ष मंगलवार शाम 4:30 बजे बहादुरगंज स्थित एक होटल में पहुंचेंगे। उनके स्वागत की तैयारी व्यापार मंडल की ओर से की गई है। महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने बताया सभी बाजारों के अध्यक्ष, महामंत्री और क्विक एक्शन कमेटी के पदाधिकारी समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन व्यापारियों की कोई समस्या या सुझाव हैं, वे अपने-अपने बाजार के लेटर पैड पर लिखित रूप में लेकर आएं ताकि उन्हें प्रांतीय अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

रियासतों के एकीकरण से सरदार पटेल ने अखंड भारत बनाया

लौहपुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली यूनिटी मार्च, शामिल हुए वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, सांसद अरुण सिंह और डीएम-एसपी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: लौहपुरुष और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को महानगर में सरदार एक भारत, आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत भव्य यूनिटी मार्च निकाला गया। मेरा युवा भारत शाहजहांपुर द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के बैनर तले जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से आयोजित इस आयोजन में हजारों की संख्या में लोग, छात्र और युवा शामिल हुए। खिरनीबाग में एकत्र सभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि रियासतों के एकीकरण से सरदार पटेल ने अखंड भारत बनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ खिरनी बाग रामलीला मैदान से हुआ, जहां मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, लोकसभा सांसद अरुण कुमार सागर, जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, महापौर अर्चना वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, तत्पश्चात सरदार पटेल और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। मुख्य अतिथि सुरेश खन्ना ने कहा कि सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय नेता थे। उन्होंने रियासतों के एकीकरण के माध्यम से भारत को अखंड बनाने का कार्य किया। उनका जीवन समाज में एकता, अनुशासन और राष्ट्र प्रेम का प्रतीक है। सांसद अरुण सागर ने कहा कि आजादी के समय देश विभाजित स्थिति में था, लेकिन सरदार पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प और कूटनीति से 500 से अधिक रियासतों को जोड़कर अखंड भारत का निर्माण किया।

जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया ने बताया कि यह आयोजन युवाओं में राष्ट्रीय एकता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को जाग्रत करने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर वित्त मंत्री और सांसद को यूनिटी मार्च का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने कहा कि सरदार पटेल ने देशवासियों को एकजुट कर ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकता की अलख जगाई थी। जिलाध्यक्ष के.सी. मिश्रा ने कहा कि पटेल जी की दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण भारत आज एकजुट है। पदयात्रा खिरनी बाग से प्रारंभ होकर अंटा चौराहा, अनजान चौकी, घंटाघर, बहादुरगंज, सदर बाजार, टाउनहाल, बस अड्डा, महिला थाना के सामने से बजरिया, जलालनगर होते हुए गदियाना में विशाल जनसभा के साथ संपन्न हुई।

कार्यक्रम के दौरान डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सरदार पटेल के बिना आज का अखंड भारत संभव नहीं होता। उन्होंने रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर देश को एकता के बंधन में बांधा। पदयात्रा के समापन पर ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष अशोक भारती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनएसएस, एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, माय भारत के स्वयंसेवक, खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग, विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं और सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत, नशामुक्त भारत और राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही स्वदेशी मेले के तहत प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक और "एक पेड़ माँ के नाम" पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेश चंद्र मिश्रा ने किया।

जनसभा के लिए खिरनीबाग में एकत्र जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी व अन्य। ● अमृत विचार

यूनिटी मार्च में शामिल मंत्री सुरेश खन्ना व सांसद अरुण सागर। ● अमृत विचार

- यूनिटी मार्च में छात्र- छात्राओं और सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर की भागीदारी

खेत में गोवंशीय पशु के अवशेष मिलने से हड़कंप

संवाददाता, खुटार

- पुलिस ने घटना को छिपाने की कोशिश की, सोशल मीडिया पर मामला हुआ उजागर

अमृत विचार : खुटार के गांव तुलापुर में राम विनोद शुक्ला के खेत में गोवंश की निर्मम हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह गांव बेला निवासी नवनीत मिश्रा सिंचाई करने खेत पर पहुंचे तो घटना की जानकारी हो पाई। इस बीच सोमवार दिन में करीब 11:30 बजे हल्का सिपाही पहुंच गए और घटना को छुपाने का प्रयास किया। लेकिन गोकशी की सूचना पर तमाम गांव के लोग पहुंच गए। जहां खेत व पत्तो पर खून के धब्बे मिले। इसके अलावा तुलापुर-बेला के बीच निकली नहर में गोवंश का निकला चारा मिला। जबकि कुत्ता और कोए अवशेषों को खा रहे थे। लोगों ने यह देख हड़कंप मच गया।

आसपास तलाश करने के बाद गांव तुलापुर के रहने वाले विजय के गन्ने के खेत में गोवंश का सिर कटा मिला। साथ ही रस्सी, खाल व कुछ अवशेष बरामद हुए। लोगों की माने तो, रविवार रात को हत्यारों ने गोवंश को पकड़कर खेत में ले गए। जहां रस्सी से हाथ-पैर बांधकर किसी धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी गई। बाद में मांस लेकर चले गए और कटा हुआ सिर व कुछ अवशेष वहीं पर छोड़ गए। इस मामले में सोशल मीडिया पर फोटो डालकर वायरल कर दिया गया। तो गोकशी से हड़कंप मच गया। उधर, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की। बाद में पुलिस ने किस गोवंश का सिर व अवशेष है। इसे जानने की कोशिश और पोस्टमार्टम कराने की जरूरत नहीं समझी और दफनवा दिया। पुलिस का कहना है कि अवशेष पुराने हैं। जबकि खेत में मिले खून के धब्बे, गोबर, खाल, सिर और गोवंश के खुर के निशान रविवार-सोमवार की मध्य रात की घटना की ओर इशारा कर रहे है।

रामलीला मेले का विधायक ने किया उदघाटन

जैतीपुर, अमृत विचार: कस्बे में श्रीराम जानकी रामलीला मेले का शुभारंभ हर्षोल्लास से हुई। रविवार देर शाम विधायक डॉ. वीर विक्रम सिंह प्रिंस ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया और गणेश पूजन कर भगवान श्रीराम से आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक ने कहा भगवान श्रीराम की लीलाएं केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवन के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने लोगों से भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करने की अपील की। उद्घाटन के बाद मंच पर कलाकारों ने 'नारद मोह लीला' का भव्य मंचन प्रस्तुत किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर रविंद्र गुप्ता, बलराम सिंह, मदन पाल सिंह, नन्हे सिंह, प्रमोद सिंह चौहान, उत्तम सिंह, प्रदीप सिंह, राम भरोसे श्रीवास्तव और सत्येंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

सबके लिए न्याय और समान अवसर : न्यायाधीश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर सोमवार को स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बैनर तले विधिक जागरूकता रैली और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "सबके लिए न्याय और समान अवसर" के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया गया।

सुबह 10 बजे शुरू हुई विधिक जागरूकता रैली में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जय शंकर ओझा, कुलानुशासक डॉ. अमित कुमार यादव, विधिक सहायता केंद्र के सह-संयोजक प्रदीप कुमार सिंह, प्राध्यापक डॉ. मृदुल शुक्ला, अरविंद कुमार सहित अनेक शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए।

रैली के दौरान छात्रों ने नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और 15100 टोल फ्री नंबर के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया। रैली के बाद परिसर में विधिक जागरूकता शिविर और संगोष्ठी हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश मिश्र रहे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव प्रो. अवनीश मिश्र ने की। मुख्य अतिथि ने विधिक सेवा प्राधिकरण की संरचना, अधिनियम के प्रावधानों और उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कमजोर, निर्धन और असहाय लोगों को विधिक सहायता प्रदान करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने वैकल्पिक विवाद निपटान प्रणाली (ADR) और लोक अदालतों के महत्व पर चर्चा की तथा 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया। प्रो. अवनीश मिश्र ने विधि छात्रों से कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता देकर वे न केवल अनुभव प्राप्त कर सकते हैं बल्कि विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़कर समाज के हित में कार्य कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि दिनेश मिश्रा ने एलएडीसीएस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी और कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़ने से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। विवेक शर्मा ने कहा कि यदि हर विद्यार्थी अपने जीवन में केवल एक व्यक्ति की कानूनी सहायता कर दे, तो ऐसे संस्थानों की आवश्यकता ही न रहे। इस दौरान रंजना खंडेलवाल, डॉ. दीप्ति, डॉ. पवन, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. अमित यादव, डॉ. दीप्ति समेत अन्य मौजूद रहे।

विधिक सेवा दिवस पर जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी एवं न्यायिक अधिकारी। ● अमृत विचार

- विधिक सेवा दिवस पर निकाली गई जागरुकता रैली और हुई संगोष्ठी

फसल अवशेष प्रबंधन पर छात्रों को मिली नई सीख

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कृषि विज्ञान केंद्र शाहजहांपुर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत सोमवार को कर्नल एकेडमी ग्लोबल, पुवायां रोड में छात्रों के लिए एक दिवसीय मोबिलाइजेशन ऑफ स्कूल स्टूडेंट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पराली प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। बतौर मुख्य अतिथि विद्यालय निदेशक और प्रधानाचार्य पूनम चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि वह परिजनों को प्रेरित करे कि पराली जलाने के बजाय उसे खेत में मिलाए जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी और प्रदूषण भी रुकेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. एनपी गुप्ता ने छात्रों को मल्चर, रोटावेटर, एमबी प्लाऊ, हैप्पी सीडर जैसी आधुनिक मशीनों के उपयोग की जानकारी दी।कर्नल एकेडमी ग्लोबल की अध्यक्ष नीलम चौधरी ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे फसल अवशेष प्रबंधन की तकनीकी जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि किसान इससे लाभान्वित हो सकें। इस दौरान डॉ. विमल कुमार सिंह डॉ. विद्या गुप्ता ने पराली जलाने से निकलने वाली हानिकारक गैसों के दुष्प्रभाव और उनके मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक असर के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आदित्य प्रताप सिंह और सृष्टि वर्मा प्रथम, जबकि आयुष राठौर, शिवाय वर्मा और वैष्णवी द्वितीय रहे। निबंध प्रतियोगिता में अभिनव द्विवेदी और आर्यन सक्सेना ने प्रथम तथा दिव्यांश पाल, दीपांशु त्रिपाठी और आशिता सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करतीं पूनम चौधरी। ● अमृत विचार

- फसल अवशेष प्रबंधन पर हुई प्रतियोगिताएं, विजेताओं को मिला सम्मान

भाजपा विधायक की गाड़ी से ई रिक्शा की टक्कर

खुटार, अमृत विचार: पीलीभीत के विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के भाजपा विधायक बाबूराम पासवान की गाड़ी ई रिक्शा से टकरा जाने से बैक लाइट टूट गई। सोमवार शाम 6 बजे खुटार तिकुनियां के पास लखीमपुर खीरी के कस्बा मैलानी निवासी छत्रपाल ई- रिक्शा लेकर खड़ा था। उसी समय भाजपा विधायक बाबूराम पासवान की गाड़ी अनियंत्रित होकर ई -रिक्शा से टकरा गई। इससे गाड़ी की बैक लाइट टूट गई। जिससे गाड़ी में सवार विधायक नाराज हो गए और ई -रिक्शा चालक पर नाराजगी जताने लगे। यह देख दुकानदारों और राहगीरों की भीड़ जुट गई और गरीब रिक्शा चालक को बचाने का प्रयास किया। लेकिन विधायक नुकसान की भरपाई करने की बात कही। तो ई रिक्शा चालक छत्रपाल ने असमर्थता जताई।

जीवन में कठिनाइयों से डरे नहीं: अतुल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ददरौल में सोमवार को भूतपूर्व चयनित प्रशिक्षुओं के सम्मान में समारोह किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य सोनिया गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल पूर्व प्रशिक्षुओं को एक मंच पर लाते हैं बल्कि प्रशिक्षणरत छात्रों के लिए प्रेरणा और आत्मविश्वास का स्रोत भी बनते हैं। उन्होंने कहा चयनित छात्रों के अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन और ऊर्जा प्रदान करने वाले होते हैं। कार्यक्रम में चयनित भूतपूर्व प्रशिक्षुओं नेहल चौहान (सहायक बैंक प्रबंधक), अनिकेत सिंह (आयकर निरीक्षक), अनुज शुक्ला (केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली), किशन मिश्रा (नवाचारी कृषक), देवेश शर्मा (सीजीएल डाकघर), अजीत सिंह (राजस्व लेखपाल), विश्वास सिंह यादव (ग्राम सचिव), आस्था सक्सेना (एसबीआई बैंक लिपिक), मानसी व प्रिया शर्मा (केवीएस शाहजहांपुर), रीतिका वाजपेई, अंशुमान मिश्रा (डाकघर), चेतराम कटियार (पुलिस विभाग), अपूर्व मिश्रा (नागरिक उड्डयन), पंकज भारती (एचपीसीएल), अभिषेक शुक्ला (अदालत आशुलिपिक), नमिता मिश्रा, प्रिया श्रीवास्तव (बेसिक शिक्षा विभाग) आदि ने भाग लिया।सभी चयनित प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। अंत में प्राचार्य ने चयनित प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

समारोह में चयनित छात्रों को सम्मानित करतीं प्राचार्य सोनिया गुप्ता। ● अमृत विचार

- डायट ददरौल में भूतपूर्व प्रशिक्षु सम्मान समारोह में चयनित छात्रों को मिला सम्मान

वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग से युवा वर्ग कृषि की ओर आकर्षित हो रहा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- गन्ना शोध परिषद में उत्तराखंड से आए 22 अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

अमृत विचार: उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार और देहरादून से आए 22 सदस्यीय गन्ना अधिकारियों के दल ने सोमवार को उप्र गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर में "गन्ना उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकी की विधि" दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक ने कहा आप सभी गन्ना अधिकारी कृषि से जुड़े हुए हैं, जिसका देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। खेती में नवाचार और वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग से आज युवा वर्ग कृषि की ओर आकर्षित हो रहा है और अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने कहा गन्ना शोध परिषद में देश और विदेश से लोग प्रशिक्षण लेने आते हैं, क्योंकि प्रशिक्षण तकनीकी प्रसार का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें और अपने प्रदेश के किसानों को नवीन तकनीकी से अवगत कराएं। गन्ना शोध परिषद के निदेशक एवं अपर गन्ना आयुक्त वीके शुक्ल ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान नियमित रूप से कृषकों और गन्ना विभाग के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिनमें गन्ना उत्पादन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाती है।

उत्तराखण्ड की संयुक्त गन्ना आयुक्त हिमानी पाठक ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होकर निदेशक के प्रति आभार जताया और कहा कि हाल ही में प्रशिक्षण लेकर लौटे दल ने शोध परिषद के प्रशिक्षण की अत्यधिक सराहना की है।कार्यक्रम में जिला गन्ना अधिकारी जितेन्द्र मिश्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल सिंह, डॉ. सुजीत प्रताप सिंह, डॉ. एसपी यादव, डॉ. जीएन गुप्ता, डॉ. अर्चना और लेखाधिकारी उमेश चन्द्र सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

हजरत हातिम अली शाह का सालाना उर्स 16 से

संवाददाता, तिलहर

- दो दिवसीय कार्यक्रम में जलसा कुल शरीफ और कव्वाली होगी

अमृत विचार: सूफी संत हजरत हाजी हाफिज मोहम्मद हातिम अली शाह मियां का 52वां सालाना उर्स शरीफ 16 और 17 नवंबर को मनाया जाएगा।

कार्यक्रम की जानकारी दरगाह के सज्जादा नशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने दी। उन्होंने बताया कि मोहल्ला कच्चा कटरा स्थित दरगाह पर यह उर्स परंपरागत ढंग से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आरंभ 16 को सुबह कुरान खानी से होगा, इसके बाद शाम को जलसा आयोजित किया जाएगा। जलसे में मौलाना फुरकान रजा नूरी बीसलपुर, मौलाना अकील उर रहमान, कारी अली अहमद, हाफिज अब्दुल मतीन, कारी निजामुद्दीन, कारी मखदूम अशरफ बनारसी और मौलाना जुबेर अहमद रजवी सहित कई इस्लामी विद्वान उपस्थित रहेंगे। 17को सुबह 10:30 बजे कुल शरीफ का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद दिन में और रात में कव्वाली का कार्यक्रम होगा। कव्वाली में प्रसिद्ध कव्वाल साहेदीन साबरी, रामपुर अपनी प्रस्तुति देंगे। सज्जादा नशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने लोगों से उर्स में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

श्रीरूद्र महायज्ञ और रास लीला का हुआ आयोजन

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार: गांव कुतुआपुर स्थित देवी मां जालिपा भैरों बाबा मंदिर परिसर में सोमवार को श्रीरूद्र महायज्ञ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यज्ञ के बाद दोपहर में रास आचार्य दुष्यंत शर्मा वृंदावन के निर्देशन में कलाकारों ने राजा दशरथ की पुत्र प्राप्ति के लिए किए गए पुत्रकामेष्टि यज्ञ का मंचन किया।राजा दशरथ जब संतानहीन थे, तब ऋषि-मुनियों की सलाह पर उन्होंने पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया। यज्ञ पूर्ण होने पर उन्हें प्राप्त खीर को तीनों रानियों-कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा- में बांटा गया, जिसके परिणामस्वरूप राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ।

लखनऊ में इलाज के दौरान महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पति ने मौत का कारण जानने पोस्टमार्टम कराने की मांग की

अमृत विचार: एक महिला की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई, वहीं पति ने मौत का कारण जानने के लिए पुलिस से पोस्टमार्टम कराने की मांग की ।

कांट थाना क्षेत्र के मोहल्ला मरहैया निवासी शोभित ने बताया उसकी पत्नी मंशा देवी एक माह से बीमार चल रही थी। उसने प्राइवेट डाक्टरों को दिखाया और ठीक हो गई। कुछ दिन बाद फिर वह बीमार हो गई। डॉक्टर ने पीलिया होने की बात बताई। इसके बाद वह पत्नी को लेकर मेडिकल कॉलेज आया, जहां इलाज करने के बाद डॉक्टर ने रेफर कर दिया। वह पत्नी को लेकर बरेली गया और एक अस्पताल में भर्ती कराया। तीन दिन उपचार कराने के बाद फायदा नहीं होने पर लखनऊ में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार की सुबह उसकी मौत हो गई। परिवार वाले उसका शव लेकर शाम को मेडिकल कॉलेज आए। पुलिस ने अस्पताल की मोर्चरी में शव रखवा दिया। डॉक्टर ने मेमो कांट थाना को भेजा है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। कांट प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

वृद्धा ने बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जैतीपुर, अमृत विचार : गांव बमियाना निवासी बुजुर्ग उषा देवी ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है । वृद्धा ने बताया बेटा उसे काफी परेशान करता है। कई बार वह व उसकी पत्नी मारपीट कर चुके हैं। रविवार को दिन में बेटे ने काफी गालियां दी और शाम 8 बजे मारपीट कर घर से निकाल दिया। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बुजुर्ग महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पति पर दर्ज कराई मारपीट की रिपोर्ट

मिर्जापुर, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरियनपुर में एएनएम के पद पर कार्यरत महिला ने बताया उसकी शादी अनिल निवासी नवादा बदन, थाना हजरतपुर, जिला बदायूं के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति उत्पीड़न करने लगा। गुरुवार को अनिल पत्नी के कमरे पर पहुंचा और गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। आरोपी ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

पूजा करने गई महिला से की मारपीट

परौर, अमृत विचार : रठेली गांव निवासी गुड्डी देवी पत्नी मोरपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उनके खेत में पुराना शंकर भगवान का थान बना हुआ है, जहां रोज पूजा-अर्चना होती है। सोमवार को जब वह पूजा करने गईं तो उनके देवर छोटे सिंह पहुंचे और थान को हटाने के लिए कहने लगे। जब उसने मना किया तो उसने गालियां देते हुए लात-घूसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर बेटा गुरुदीप सिंह और ग्रामीण मौके पर पहुंचे जिन्होंने बीच-बचाव किया। महिला का कहना है, आरोपी पहले भी कई बार गाली-गलौज कर चुका है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में युवक की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

मिर्जापुर, अमृत विचार : सिकंदरपुर कायस्थान निवासी छाया देवी ने बताया 17 अक्टूबर की शाम 6:30 बजे उनके पति गोविंद बाबू बाइक से ग्राम सींगापुर जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरियनपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर बताकर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया और फिर थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बेटी की शादी से पहले ढहा गरीब का मकान

दोपहर 3 बजे हाईकोर्ट से मिला स्टे, तब तक ढहाए जा चुके थे घर, बेबस नजर से देखते रहे ग्रामीण

संवाददाता, जलालाबाद

रौली बौरी गांव में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान मकान तोड़ता बुलडोजर।

सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर मौजूद भारी पुलिस फोर्स। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ग्राम रौली बौरी में सोमवार को प्रशासन ने मरघट (श्मशान) की भूमि पर बने मकानों को अवैध बताते हुए बुलडोजर चलाया, जिससे दो दर्जन से अधिक परिवार बेघर हो गए। इस कार्रवाई के दौरान कई परिवारों की पुश्तैनी छतें मिट्टी में मिल गईं। वहीं, दोपहर 3 बजे इस जमीन पर हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर मिल गया, लेकिन तब तक अधिकांश मकान ध्वस्त हो चुके थे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकारी सिस्टम की लापरवाही के कारण निर्दोष लोगों को सजा भुगतनी पड़ी। गांव के लोगों का कहना है कि उसी मरघट की जमीन पर पहले सरकारी विद्यालय भी बनाया गया था और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कई मकान भी स्वीकृत हुए थे, जिन पर सरकार का लाखों रुपये खर्च हुआ। इतना ही नहीं, इसी भूमि पर 10 पट्टे भी प्रशासन द्वारा जारी किए गए थे। अब उन्हीं लोगों के घरों को अवैध बताते हुए गिरा दिया गया।

जिन लोगों के मकान तोड़े गए, उनमें अल्लाह राखी, रेशमा, परवीन, छोटी बिटिया, नाजिमा, जहूरन, सुरमिना, रिजवाना, पूतना, नसीमा, खुर्शीद बानो, बबलू, नन्ही, मान खान, मेहराज, जहीना बेगम, जनगरी, कबिल्ला, उषा और शेर अहमद समेत कई परिवार शामिल हैं। सभी परिवार अब खुले आसमान के नीचे हैं और उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं बची। इसी दौरान छोटी बिटिया नाम की महिला का दर्द सबको झकझोर गया। उसकी बेटी जीनश की शादी 29 को होनी है। वह लगातार अधिकारियों से गुहार लगाती रही कि उसकी बेटी की शादी तक मकान को न तोड़ा जाए, लेकिन प्रशासन ने कोई सुनवाई नहीं की। छोटी बिटिया के पति का देहांत हो चुका है, जबकि तीन बेटों में से दो बीमार हैं। परिवार का खर्च मजदूरी करने वाला बेटा सद्दाम हुसैन कादरी उठाता है जो अब बहन की शादी को लेकर परेशान है। बुलडोजर चलने से उसका मकान पूरी तरह ढह गया और परिवार के पास अब रहने के लिए कोई जगह नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि मरघट की भूमि पर बने प्रधानमंत्री आवास और इंदिरा आवास को फिलहाल सील किया गया है, उन्हें तोड़ा नहीं गया है। वहीं, वन विभाग की भूमि पर बने अन्य मकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से गांव में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। पहले तो सरकारी पैसे से यहां निर्माण करवाए गए और अब उन्हीं गरीबों पर बुलडोजर चला दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि प्रशासन ने तत्काल पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की, तो ये परिवार सड़कों पर खुले में रहने को मजबूर होंगे।

● मरघट की जमीन पर बना सरकारी विद्यालय और प्रधानमंत्री आवास

एसडीएम कोर्ट में चल रहा है केस

रौली बोरी गांव में श्मशान की भूमि पर पिछले कई वर्षों से कुछ परिवारों ने पक्का निर्माण कर लिया था। इस संबंध में केस एसडीएम जलालाबाद की अदालत में चल रहा था। अदालत के आदेश मिलने के बाद प्रशासन ने टीम गठित कर सोमवार सुबह कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि उनके पास संबंधित जमीन के पट्टे हैं, जिनकी जांच किए बिना ही बुलडोजर चलाया गया। दोपहर तक चले इस अभियान में करीब आधा दर्जन से अधिक बुलडोजर और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया। अधिकारियों का कहना है कि संबंधित लोगों को पूर्व में नोटिस देकर समय दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि में कब्जा नहीं हटाने पर कार्रवाई करनी पड़ी।

बाघ ने सांड़ का किया शिकार, ग्रामीणों में डर

मौके पर पहुंचकर जांच करते वन रक्षक संतोष गौड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

● रास्ते से 50 मीटर दूर गन्ने के खेत में ले जाकर किया शिकार

अमृत विचार: गांव महेशपुर में गन्ने के खेत में सोमवार सुबह खेत मालिक को गोवंशीय पशु का अवशेष मिला। खेत मालिक ने ग्रामीणों को सूचना देकर बुलाया। लोगों ने देखा मृत सांड़ के गर्दन पर दांत के गहरे निशान थे साथ ही पिछले हिस्से का मांस नुचा हुआ था। ग्रामीणों ने आशंका जताई सांड़ का शिकार बाघ ने किया होगा।

ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। खबर लगते ही वनरक्षक संतोष कुमार गौड़ वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। इसके बाद वनरक्षक ने खेत में मिले बाघ के पंजों के निशान को ट्रेस किया। पगचिन्ह बाघ के होने पर वन कर्मियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। गांव के पास बाघ के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वनरक्षक संतोष गौड़ ने डॉक्टर को सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद जेसीबी बुलाकर दफन कर दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ को जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है।

वंदे भारत के नियमित संचालन का इंतजार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रेल प्रशासन ने लखनऊ-सहारनपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन ट्रायल करके कर दिया। अब लोग टिकट घर जाकर किराया और नियमित संचालन की जानकारी कर रहे है, लेकिन अभी तक कोई सूचना अपडेट नहीं की गई।

शनिवार को वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस ट्रेन का यहां पर ठहराव दिया गया है। सीतापुर होकर आने वाली ट्रेन का यहां पर लोगों ने भव्य स्वागत किया था। जनप्रतिनिधियों और एसपी ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर बरेली के लिए रवाना किया था। ट्रेन का स्टापेज होने पर लोगों में काफी उत्साह है। पहले दिन करीब दो सौ लोगों ने सहानपुर तक फ्री यात्रा की थी। कुछ लोगों ने जनप्रतिनिधियों से मांग की थी कि इस ट्रेन को सहारनपुर के स्थान पर हरिद्धार तक चलाया जाए।

पेट्रोल पंप के सेल्समैन से महिला ने की मारपीट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● टूटे पैसे को लेकर हुआ विवाद महिला ने दुष्कर्म के मुकदमे फंसाने की दी धमकी

अमृत विचार: जलालाबाद क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाने के बाद टूटे पैसे को लेकर सेल्समैन से महिला का विवाद हो गया। महिला ने दो सेल्समैनों को लोहे की सरिया मारकर घायल कर दिया और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में बंद कराने की धमकी दी। महिला धमकी देकर चली गई।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव हारगुरैया निवासी विनीत कुमार ने थाने पर दी तहरीर में बताया वह जय अंबे फिलिंग स्टेशन पर सेल्समैन है। 7 नवंबर को सुबह 11 बजे एक महिला पंप पर बाइक लेकर पेट्रोल डलवाने के लिए आई। उसने 195 रुपये का पेट्रोल डलवाया। सेल्समैन ने महिला से कहा कि टूटे पैसे दे। इस बात पर महिला नाराज हो गई और सेल्समैन को गाली देने लगी। आरोप है, महिला ने सेल्समैन का हाथ पकड़ा और घसीटा। महिला ने पंप के पास रखी सरिया उठाकर उसके सिर और पेट पर प्रहार कर दिया। सेल्समैन जान बचाकर भागा तो आरोपी महिला ने उसे फिर पकड़ लिया और सरिया से पिटाई कर दी। अन्य सेल्समैनों ने विनीत को बचाया। महिला ने दूसरे सेल्समैन रामतीरथ को सरिया मारकर घायल कर दिया। महिला ने धमकी दी कि उसे बलात्कार के मुकदमे में फंसा दूंगी। उसने आगे कहा अगर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई तो जान से मार देगी। पुलिस ने घायल सेल्समैनों का मेडिकल कराया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी महिला स्वाती निवासी पठकपुर थाना मिर्जापुर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर सात लोग घायल

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार: ढकिया तिवारी गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पर सवार सात लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पर लाया गया। डाक्टर ने तीन घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। निगोही थाना क्षेत्र के गांव सहेतेपुर निवासी रचित, रेशू, प्रांशू, कपिल, विशाल, अवनीश, कुलदीप रविवार की शाम सात बजे ई-रिक्शा पर सवार होकर कस्बा में रामलीला देखने के लिए जा रहे थे। ढकिया तिवारी गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पर सवार सभी लोग घायल हो गए। सुचना पर निगोही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी पर भेज दिया। घायलों का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में ब्लास्ट के बाद सतर्क हुई पुलिस

संवाददाता, शाहजहांपुर

अड्डे पर चेकिंग अभियान चलाया गया। ● अमृत विचार

● एसपी की मौजूदगी में रेलवे स्टेशन पर की गई चेकिंग

अमृत विचार: दिल्ली ब्लास्ट के बाद शाहजहांपुर पुलिस अलर्ट हो गई है। एसपी राजेश द्विवेदी के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने यात्रियों के बैग चेक किए और संदिग्धों की तलाशी ली गई।

दिल्ली में ब्लास्ट के दौरान ऐसे यूपी में अलर्ट कर दिया गया है। एसपी राजेश द्विवेदी के साथ एसपी ग्रामीण, एसपी सिटी और भारी पुलिस बल ने भीड़ वाले क्षेत्र में गश्त किया। उसके एसपी की मौजूदगी में रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर यात्रियों से पूछताछ की और उनके बैग चेक किए। साथ ली उनकी गहनता से तलाशी भी ली गई। उसके बाद पुलिस बल रोडवेज बस अड्डे पर पहुंचा। वहां भी चेकिंग अभियान चलाया गया। हालांकि इस दौरान कोई संदिग्ध नही मिला और न ही कोई आपत्तिजनक वस्तु मिली। एसपी द्वारा परिसर के प्रत्येक महत्वपूर्ण बिंदु, प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालयों तथा भीड़ वाले क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया गया। चेकिंग के दौरान तैनात पुलिस बल को सतर्कता और गश्त बढ़ाने, हर संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने, तथा आमजन में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए संवेदनशील और व्यवहारिक तरीके से कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, पैदल गश्ती बढ़ाने, तथा भीड़ वाले स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती पर भी विशेष जोर दिया गया। एसपी ने कहा कि शाहजहाँपुर पुलिस हर आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्णतया तैयार है और जनपद में शांति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए निरंतर सतर्क व सक्रिय है।

ट्रेन से फौजी सामान समेत लापता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● दिल्ली से लखनऊ आ रहा था मोबाइल की अंतिम लोकेशन तिलहर स्टेशन की मिली

अमृत विचार: अमृतसर-जयनगर ट्रेन में सफर कर रहा फौजी सामान समेत रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। वह ट्रेन के एसी कोच में सफर कर रहा था। उसका मोबाइल स्वीच ऑफ है और नंबर को सर्विलांस पर लगा दिया गया है। मोबाइल की अंतिम लोकेशन तिलहर रेलवे स्टेशन तक मिली है। फौजी के रिश्तेदार ने लखनऊ जीआरपी में गुमशुदगी दर्ज कराई है।

चंदौली जिले के थाना बुद्धपुर के गांव धानापुर निवासी माधव सिंह (27) दिल्ली में आर्मी इंजीनियर कोर में तैनात है। उसने 7 नवंबर को अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराया था। ट्रेन के एसी कोच बी-6 में दिल्ली से सवार हुए। फौजी अगले दिन लखनऊ नहीं पहुंचे तो परिवार वालों को चिंता हुई।

परिवार वालों ने उनका मोबाइल नंबर कई बार मिलाया तो बंद था। फौजी के रिश्तेदार लखनऊ निवासी गौरव सिंह ने लखनऊ जीआरपी में गुमशुदगी दर्ज कराई। जीआरपी ने साइबर सेल से मोबाइल की लोकेशन निकलवाई तो अंतिम लोकेशन तिलहर रेलवे स्टेशन की मिली है। जीआरपी ने जांच शुरु की और पता किया ट्रेन तिलहर में रुकी थी या नहीं। उसके बाद दिल्ली स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। फौजी दिल्ली में प्लेटफार्म पर कैमरे में दिखाई दे रहा है। जीआरपी कोच के अटेंडेंट और टीटीई से पूछताछ करेंगी। जीआरपी थाना प्रभारी अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि लखनऊ से गुमशुदगी यहां ट्रांसफर होकर आ गई है। लापता फौजी की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई है और प्रत्येक बिन्दु से जांच की जा रही है।

22 नवंबर को फौजी की है शादी

परिवार वालों ने जीआरपी को बताया माधव सिंह की 22 नवंबर को शादी है। उसकी शादी को लेकर तैयारी चल रही है। उसकी शादी के कार्ड भी बांटने की तैयारी चल रही है। रिश्तेदार भी आने वाले है। फौजी के अचानक ट्रेन से गायब हो जाने पर परिवार वाले चिंता में डूबे हुए है। परिवार वाले उसकी रिश्तेदारी आदि में तलाश कर रहे है।

बंद गेट से रेलवे ट्रैक पर बाइक छोड़ भागा युवक

संवाददाता, तिलहर

● निगोही रोड के बंद रेलवे फाटक से मोटरसाइकिल पार करने की कोशिश में हुआ हादसा

अमृत विचार: लखनऊ-मुरादाबाद रेलखंड के निगोही रोड पर रविवार शाम 7 बजे उस समय बड़ा हादसा हो गया जब एक बाइक सवार व्यक्ति बंद रेलवे फाटक से निकलने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान बरेली की ओर से आ रही तेज रफ्तार मालगाड़ी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, उसके परखच्चे उड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रेलवे फाटक पर पिछले महीने से ऊपरगामी सेतु निर्माण कार्य के चलते फाटक बंद है, लेकिन इसके बावजूद लोगों की आवाजाही लगातार जारी है। हादसे के समय मोटरसाइकिल चालक फाटक पार करने का प्रयास कर रहा था कि अचानक मालगाड़ी आ गई और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल कई टुकड़ों में बंट गई और उसका मलबा लगभग 250 मीटर तक रेलवे ट्रैक पर बिखर गया। हादसे के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति शराब के नशे में था और इसी कारण बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सका। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने मौके से मोटरसाइकिल के टुकड़े इकट्ठा कर कब्जे में ले लिए और बाइक मालिक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है, चालक की पहचान होते ही कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग की भूमि पर कब्जे की कोशिश सात पर रिपोर्ट दर्ज

कलान, अमृत विचार: ग्राम छिदकुरी रकवा में वन विभाग की भूमि पर सात लोगों द्वारा कब्जा करने की कोशिश का मामला सामने आया। बताया गया यह भूमि पहले से ही पौधरोपण के लिए चिह्नित है और खाली पड़ी थी। आरोप है कि कुछ लोगों ने इस भूमि पर जुताई कर गेहूं की बुवाई करने की तैयारी कर रहे थे।

ग्राम भैंसार निवासी भोपाल, विमलेश, विकेश और बन्नी निवासी धोबिन नगला के साथ ही बदायूं के थाना उसहैत के ग्राम खेतन नगला निवासी नानकराम, अमित ,अर्जुन और अशोक ने मिलकर वन विभाग की भूमि में ट्रैक्टर से जुताई की। इन लोगों का उद्देश्य भूमि को अपने कब्जे में लेकर गेहूं की बुवाई करना था।

विधवा ने एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● गांव के कुछ लोगों पर जान से मारने की धमकी का आरोप

अमृत विचार: निगोही थाना क्षेत्र की ग्राम बिछौली निवासी विधवा नैना देवी ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसने कहा गांव के कुछ लोग लंबे समय से उसके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्हीं लोगों ने पहले भी उसके साथ मारपीट की थी, उस मामले का थाना निगोही में मुकदमा दर्ज है। महिला ने बताया उसके पति का निधन बीस साल पहले हो चुका है और वह अपनी पुत्रियों के साथ जीवनयापन कर रही है।

महिला के अनुसार, पहले के विवाद के बाद उसे गांव छोड़ना पड़ा था और वह अलीगढ़ में रह रही थी। हाल ही में जब वह कुछ दिनों के लिए गांव वापस लौटी तो शुक्रवार सुबह 8 बजे वे लोग लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और धमकी देने लगे कि "मुकदमे में समझौता नहीं किया तो जान से मार देंगे।" महिला ने बताया कि उसने किसी तरह अपनी जान बचाई और घटना की सूचना पुलिस को दी।

पीड़िता ने कहा आरोपियों के डर से वह अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है। उसने एसपी से अनुरोध किया है कि उसकी और उसकी बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो सके।

किसानों के दो गुटों में विवाद, हुई फायरिंग

संवाददाता, कलान

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के विक्रमपुर और छिदकुरी गांव के किसानों के बीच सोमवार सुबह गेहूं की बुवाई को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने अवैध असलहे निकाल लिए और जमकर हवाई फायरिंग कर दी। गोली चलने के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

विक्रमपुर गांव के कुछ किसानों ने छिदकुरी गांव के लोगों की मदद से छिदकुरी रखवा में कुछ बैनामा धारकों से ढिलाही (कांट्रेक्ट) पर खेती ले रखी थी। वहीं छिदकुरी गांव के कुछ किसानों ने उसी भूमि को अपना बताते हुए फसल बोने का प्रयास किया। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई जो धीरे-धीरे हिंसक रूप ले गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने अवैध हथियार निकाल लिए और तड़के सुबह खेत में जमकर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास के किसान खेतों से भाग खड़े हुए और क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ कर तथ्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस की दबिश से 15 मिनट पहले देह व्यापार का सरगना फरार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● फरार आरोपियों की लोकेशन नैनीताल, पुलिस कर रही तलाश

अमृत विचार : शहर में अनैतिक देह व्यापार के मामले में सिपाही ने दबिश से 15 मिनट पहले गिरोह के सरगना को फोन पर सूचना दी थी। इसलिए सरगना मकान मालकिन और एक महिला के साथ पुलिस की दबिश से पहले निकल गया था। फरार आरोपियों की लोकेशन नैनीताल में मिल रही है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

सीओ सिटी ने अनैतिक देह व्यापार की सूचना पर टीम के साथ गुरुवार शाम टाउनहाल रोड पर स्थित बाइक एजेंसी के पीछे एक मकान में दबिश दी थी। अनैतिक देह व्यापार में शिव कुमार निवासी चिनौर थाना सदर बाजार, बंटी निवासी गदियाना थाना सदर बाजार, अध्ययन प्रताप सिंह निवासी बाबूजई चौक कोतवाली और बंगाल व बिहार की महिलाओं को गिरफ्तार किया था। पुलिस की दबिश से कुछ मिनट पहले दीपक शुक्ला निवासी चिनौर, मकान मालकिन, और एक अन्य महिला फरार हो गई थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों का विभिन्न धाराओं में चालान कर दिया था। गिरोह का सरगना दीपक प्रत्येक व्यक्ति से अधिक पैसा लेता था और महिलाओं को कम पैसे देते थे। सूत्रों के अनुसार एक सिपाही ने दबिश से 15 मिनट पहले आरोपी दीपक को फोन करके कह दिया था कि मकान से निकल जाओ और दबिश पड़ने वाली है। आरोपी दीपक शुक्ला, मकान मालकिन और एक महिला पुलिस की दबिश से पहले निकल गयी थी। बताते है कि तीनों फरार आरोपी नैनीताल में है। पुलिस कई दिन बीत जाने के बाद फरार आरोपियों की गिरफ्तार नहीं कर पाई है। सदर बाजार पुलिस ने दावा किया है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

संवाददाता, खुटार

● राहगीरों ने पीछा कर चालक समेत डीसीएम को पकड़कर पुलिस को सौंपा

अमृत विचार: डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्री और भतीजा घायल हो गया। परिजनों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। राहगीरों ने डीसीएम और चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है।

गांव मोहनपुर निवासी अश्विनी वर्मा सोमवार सुबह 8:45 बजे सात वर्षीय बेटी आख्या पटेल और भतीजे अर्पित पटेल को बाइक से तिकुनियां गोला रोड स्थित गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल छोड़ने जा रहे थे। खुटार-पूरनपुर रोड पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए, जबकि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के समय आसपास में मौजूद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। हादसे के बाद लोगों ने पीछा कर खुटार-मैलानी सीमा पर प्रसादपुर के पास डीसीएम व चालक को पकड़ लिया। बाद में यूपी 112 डायल पुलिस को सूचना देकर सौंप दिया। पुलिस ने वाहन थाने में खड़ा करा लिया है। परिजनों ने घायल अश्वनी पटेल, आख्या पटेल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। गंभीर घायल अर्पित पटेल को परिजन गोला के निजी अस्पताल ले गए हैं।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कैद

शाहजहांपुर, अमृत विचार: हत्या के एक मामले में दोषी पाए गए तीन लोगों को न्यायालय ने आजीवन कारावास और प्रत्येक को 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

थाना कटरा में दर्ज हत्या के मुकदमे में ओमेन्द्र, देवेंद्र और धर्मेंद्र निवासी ग्राम छिकड़ापुर, थाना कटरा, जिला शाहजहांपुर पर वादी के भाई की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या करने का आरोप सिद्ध हुआ। न्यायालय एएसजे/एफटीसी द्वितीय ने साक्ष्यों के आधार पर तीनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने कहा कि यह सफलता पुलिस, अभियोजन विभाग और मॉनिटरिंग सेल के बीच समन्वित प्रयास का परिणाम है। उपलब्धि है।

न्यूज ब्रीफ

बैग चोरी की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला गौहरपुरा निवासी आस्था मेहरोत्रा ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया 20 दिन पहले घर से तनिष्क की दुकान स्थित सिविल लाइन दोपहर 2 बजे आभूषण खरीदने और मिलान करने के लिए जा रही थी। उसके पास एक बैग था, जिसमें सामान और जेवर रखे थे। कमला नर्सिंग होम के सामने ई-रिक्शा पर बेग देखा तो चेन खुली थी और छोटा बैग गायब था। उन्होंने घर आकर कई दिन तक छोटा बैग की तलाश की और नहीं मिला। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

ताला तोड़कर चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला ककराह उदयवीर सिंह ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया उसकी आरा मशीन शाहजहांपुर रोड पर ककराह पुलिया के निकट है। चार दिन पहले शाम 6 बजे आरा मशीन बंद करके घर चला गया। चोरों ने आरा मशीन के कमरे का ताला तोड़ दिया और अल्टीनेटर, पंखा, जंजीर आदि सामान चुराकर ले गए। उनको चोरी की जानकारी सुबह हुई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला खेड़ा निवासी गौरी मिश्रा ने थाना पर दी तहरीर में बताया, उसकी शादी दो साल पहले सोहन मिश्रा निवासी बेझा चौराहा थाना शाहाबाद जिला हरदोई के साथ हुई थी। मायके वालों ने सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था, लेकिन ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वाले एक लाख रुपये और एक प्लाट की मांग करने लगे। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे। एक माह पूर्व ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बाल क्रीड़ा स्पर्धा में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कंपोजिट विद्यालय बिलंदापुर ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप, विजेताओं को मिले इनाम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः भावलखेड़ा की न्याय पंचायत कनेंग कंपोजिट विद्यालय बिलंदापुर में आयोजित बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मीडिया प्रभारी एवं ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार तिवारी रहे, जिन्होंने फीता काटकर और मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता के दौरान प्राथमिक से लेकर जूनियर वर्ग तक के बच्चों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मैदान में बच्चों की दौड़, उत्साह और जीत के जज्बे ने पूरे वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। प्राथमिक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में आरव (पसियानी) प्रथम, सरस (दिलावरपुर देवकाली) द्वितीय और शिवम (कनेंग) तृतीय स्थान पर रहे।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में विजेता बच्चे मेडल के साथ। ● अमृत विचार

बालिका वर्ग में आनंदी (बिलंदापुर) ने प्रथम, रोशनी (ददऊं) ने द्वितीय और इशरा (जैनुद्दीननगर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से शिवम (कनेंग) प्रथम, हुसैन (जैनुद्दीननगर) द्वितीय और अरब (पसियानी) तृतीय रहे। बालिका वर्ग में आनंदी (बिलंदापुर) ने प्रथम, इशता (दिलावरपुर देवकाली) ने द्वितीय और शीबा (जैनुद्दीननगर) ने तृतीय स्थान पाया। जूनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ में योगेंद्र (पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिलंदापुर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शोभित (कनेंग) और आशीष (ददऊं) क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में लक्ष्ता (बिलंदापुर) प्रथम, आंचल सिंह (महोलिया) द्वितीय और अंजलि (ददऊं) तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से योगेंद्र (बिलंदापुर) ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अतुल सिंह (सिढ़रा) और शोभित (कनेंग) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में लक्ष्ता (बिलंदापुर) प्रथम, मुस्कान (महोलिया) द्वितीय और मानसी (ददऊं) तृतीय स्थान पर रहीं। सुलेख प्रतियोगिता में भी बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में लाल जी (दिलावरपुर देवकाली) प्रथम, दिव्यांशु (कंपोजिट कनेंग) द्वितीय और अनमोल (गौंटिया बिलंदापुर) तृतीय रहे। बालिका वर्ग में सलोनी (नवादा) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महिमा भारती (दिलावरपुर) द्वितीय और काजल (जैनुद्दीननगर) तृतीय स्थान पर रहीं। कुल प्रदर्शन के आधार पर कंपोजिट विद्यालय बिलंदापुर के छात्रों ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के संचालन और सफलता में प्रधानाध्यापक उत्तम कुमार की प्रमुख भूमिका रही।

इस अवसर पर यूटा जिलाध्यक्ष विनीत गंगवार, विनोद बिहारी मिश्रा, अखिलेश कुमार, वीरेश कुमार, मनोज कुमार, अमर सिंह, राजेश पाल, प्रशांत आहूजा, राम सिंह, राजेश कुमार, सुशील तिवारी, शोएब राजपूत, संजीव सक्सेना, नितिन कुरील, रवि कुमार, दीपक मिश्रा, सीमा सक्सेना, रितू सक्सेना, दीप्ति तिवारी, रंजना और माया माथुर सहित अनेक शिक्षकों ने प्रतिभाग किया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सैयद फखरे आलम मियां का तीन दिवसीय उर्स संपन्न

संवाददाता, शाहजहांपुर

● कुल की महफिल में कुरआन की आयतें पढ़ी गईं

अमृत विचारः सूफी बुजुर्ग हजरत सैयद फखरे आलम मियां रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स सोमवार को यहां मोहल्ला बाबू जई स्थित दरगाह फखरिया पर अकीदत व मुहब्बत के साथ मनाया गया। कुल शरीफ में देश की तरक्की व खुशहाली की दुआ की गई।

दरगाह के गद्दीनशीन सैयद साजिद मियां की सरपरस्ती में उर्स का आगाज तिलावत ए कुरआन से हुआ। महफिल में हाजरीन को खिताब करते हुए हाफिज मोहम्मद नदीम रजा ने कहा दरगाहों पर हाजिरी देने से दिल को राहत व सुकून मिलता है। औलिया के मजार पर अदब व एहतराम से आना चाहिए। कुल की महफिल में कुरआन की आयतें पढ़ी गईं। हाफ़िज़ मोहम्मद नदीम रजा कादरी ने मुल्क में अमन चैन की दुआ की।अकीदतमंदों ने मजार पर हाजिरी दी और गुलपोशी व चादरपोशी की। साथ ही कदम रसूल की जियारत की। महफ़िल में सैयद हसीन मियां, सैयद फूल मियां, सैयद तैमूर आलम, मीलाद ख्वा बब्बन रजा कादरी समेत तमाम लोग मौजूद रहे। खादिम हकीम सैयद नूर मियां के मकान पर भी कुल शरीफ हुआ। जिसमें हाफिज मोहम्मद नदीम रजा ने कुरआन की आयतें पढ़कर कौम की खुशहाली व सलामती की दुआ की। जायरीन में लंगर बांटा गया। महफिल में वसीम निज़ामी, सैयद अब्दुर्रहमान, मसनून खां, डा. शाहज़ेब, खलील अहमद, हनीफ, अशरफ, नवेद, साजिद, फरदीन, राजिक, आसिफ, राशिद खां, सैयद आहद मियां, आज़म, काशिफ, इम्तियाज हुसैन, सरताज अली, डॉ. अब्दुल हसन, तौसीफ, खालिद मास्टर, अफवान खां, शहजाद, रेहान, मुमताज, कामिल, इमरान, तौफीक अहमद, ग़ुलाम अहमद आदि मौजूद रहे। सैयद नूर मियां ने तमाम जायरीन को उर्स की मुबारकबाद देते हुए शुक्रिया अदा किया।

सभासद और इंस्पेक्टर से किसान परेशान

बरेली,अमृत विचार : सभासद और इंस्पेक्टर से परेशान होकर एक किसान ने अपने मकान और खेती की जमीन बेचने के पोस्टर लगाकर परिवार के समेत पलायन करने की बात कही है। किसान सोमवार से अपने परिवार के साथ दामोदर पार्क में धरने पर बैठा है। किसान का कहना है कि अधिकारियों के आदेश के बाद भी शेरगढ़ इंस्पेक्टर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ऐसे में उसे अपनी जान का खतरा है।

बैंकों की मनमानी से व्यापारी परेशान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बाहरी व्यापारियों द्वारा अस्थाई सेल लगाने से कारोबारियों को नुकसान

अमृत विचारः उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की बैठक सोमवार को बहादुरगंज स्थित कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने की। बैठक में मुख्य रूप से बैंकों द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न और बाहरी व्यापारियों द्वारा लगाई जा रही अस्थायी सेल दुकानों से स्थानीय कारोबारियों को हो रहे नुकसान पर विस्तार से चर्चा हुई।

जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने कहा कि जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजारों में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इस बार व्यापारियों और ग्राहकों में उत्साह है तथा गत वर्ष की तुलना में बिक्री दर बढ़ने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा व्यापारियों पर अनावश्यक शुल्क थोपे जा रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग में गहरी नाराजगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापार मंडल इस तरह के उत्पीड़न का हर स्तर पर विरोध करेगा। महानगर अध्यक्ष मो. सलाउद्दीन अख्तर ने कहा महानगर में बाहरी लोगों द्वारा "सेल" के नाम पर लगाई जा रही अस्थायी दुकानों से स्थानीय दुकानदारों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। यदि प्रशासन ने इस पर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए तो स्थानीय व्यापार चौपट हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ये अस्थायी दुकानें जीएसटी विभाग में पंजीकृत नहीं होतीं, जिससे सरकार के राजस्व को भी हानि पहुंच रही है। बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि व्यापारी संगठन इस मुद्दे को प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाएगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी करेगा। बैठक में प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशांक कौशिक, अनूप गुप्ता, सुशील गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, संजीव गुप्ता, मोहनीस खान, आदिल खान समेत अन्य रहे।

कार का शीशा तोड़ गहने -नकदी चोरी

बरेली,अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में नैनीताल हाईवे स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य शमीना शफीक की कार से चोर ने शीशा तोड़कर पर्स उड़ा दिया। पर्स में करीब 15 लाख रुपये के कीमती गहने और 20 हजार रुपये नकद थे। पुलिस अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

सीतापुर के सिविल लाइंस निवासी राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य शमीना शफीक ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ जयपुर गई थीं। वहां से घूमते हुए नैनीताल पहुंची। वहां से रविवार रात वह सीतापुर लौट रहीं थीं। नैनीताल हाईवे पर इज्जतनगर इलाके में स्थित चस्का रेस्टोरेंट पर परिवार समेत खाना खाने के लिए उन्होंने कार रोकी। उन्होंने कार को लॉक कर पार्किंग में खड़ा किया और सभी रेस्टोरेंट के अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस बाहर आईं तो उनकी कार का शीशा टूटा हुआ था और अंदर रखा बैग गायब था।

एसआईआर में लापरवाही पर होगी सेवा समाप्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● जिलाधिकारी बोले-जिम्मेदारी से करें कार्य, किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं

अमृत विचारः बिस्मिल सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में सभी ईआरओ एवं एईआरओ उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने पुनरीक्षण कार्य की प्रगति रिपोर्ट पर विस्तृत जानकारी ली और खंडवार एईआरओ द्वारा फॉर्म वितरण की स्थिति की समीक्षा की।

डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण और पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा सभी अधिकारी अपने कार्यों को गंभीरता से लेकर निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि सुपरवाइजर एवं बीएलओ से प्रतिदिन संवाद स्थापित किया जाए और जो बीएलओ कार्य नहीं कर रहे हैं, उनका कारण तत्काल स्पष्ट किया जाए। जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में कहा कि पुनरीक्षण कार्य की उपेक्षा या देरी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि जो बीएलओ कार्य पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं, उन पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए। साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज कराने तथा कार्य पर उपस्थित न होने वाले बीएलओ के रूप में नियुक्त सहायक अध्यापकों, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों की सेवा समाप्त करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने यह भी कहा कि अगले दो दिनों में शत-प्रतिशत ईएफएस वितरण कार्य पूर्ण किया जाए ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी या त्रुटि न हो। बैठक के दौरान नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर काम में लापरवाही का आरोप

पुवायां, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद पुवायां के अंतर्गत संचालित कन्या पाठशाला प्राथमिक विद्यालय, मोहल्ला हरदयाल कूंचा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर बच्चों को न पढ़ाने का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता ने जिला प्रशासन से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। आरोप है आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विद्यालय में नियमित रूप से नहीं जातीं और केवल हाजिरी लगाकर स्कूल से लौट आती है। बच्चों को पढ़ाने में भी रुचि नहीं लेतीं,अक्सर अपने निजी मुकदमों की पैरवी के लिए एसडीएम, तहसीलदार व सिविल जज कोर्ट के चक्कर लगाती रहती हैं।

शिकायत में यह भी आरोप है कि सरकार द्वारा बच्चों के लिए भेजे जाने वाले सूखा दूध, दलिया, टूथपेस्ट, रिफाइंड तेल, चीनी आदि खाद्यान्न व सामग्री को नूरजहां बेच देती हैं और उसकी राशि निजी उपयोग में खर्च करती हैं। शिकायतकर्ता ने जांच कराके कार्रवाई की मांग की।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

धान क्रय केंद्र बंद, किसानों की लगी भीड़

संवाददाता, तिलहर

● ग्रामीण केंद्रों के संचालित न होने से किसान फसल लेकर पहुंचे मंडी

● भीड़ बढ़ने पर केंद्र प्रभारी ने की खरीद बंद, प्रशासन ने संभाली स्थिति

अमृत विचारः ग्रामीण क्षेत्रों में धान क्रय केंद्र संचालित न होने से सोमवार को मंडी समिति में किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से धान लेकर किसान मंडी पहुंचे, जिससे सरकारी क्रय केंद्रों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ने पर केंद्र प्रभारी ने खरीद बंद कर दी और अधिकारियों को सूचना दी।

ग्रामीण इलाकों में क्रय केंद्र न खुलने के कारण किसानों ने उपज बेचने के लिए मंडी समिति का रुख किया। सुबह से ही किसानों की लाइनें लग गईं। स्थिति यह रही कि धान उतारने की जगह तक नहीं बची। केंद्र प्रभारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र न चलने से सभी किसान मंडी में आ रहे हैं, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है और किसानों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सूचना पर नायब तहसीलदार अमित कुमार, मंडी सचिव शिवेंद्र प्रताप सिंह और पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

प्रशासन ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए किसानों को उनके गांवों के समीप संचालित क्रय केंद्रों के लिए टोकन जारी कर रवाना किया, जिससे मंडी में भीड़ कुछ हद तक कम हो सकी। इस दौरान कई किसानों ने मंडी में धान खरीद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के क्रय केंद्रों की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए, तो "फर्जी खरीद" का मामला सामने आ सकता है।

किसानों ने धान की भौतिक सत्यापन की मांग की है। मंडी सचिव शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया, "किसानों की सुविधा के लिए ग्रामीण इलाकों में भी जगह-जगह धान क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके बावजूद किसान मंडी समिति में अपना धान ला रहे हैं, जिससे भीड़ बढ़ रही है और किसानों को परेशानी हो रही है।"

सिंधी समाज ने ज्ञापन सौंप जताया आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी अमित बघेल द्वारा सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल के संबंध में दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर शाहजहांपुर के सिंधी समाज में गहरा रोष है। सोमवार को पूज्य सिंधी पंचायत, शाहजहांपुर के पदाधिकारियों ने डीएम के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार अपूर्वा को सौंपकर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि अमित बघेल द्वारा दिया गया वक्तव्य असत्य, आपत्तिजनक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। इस बयान से समाज में आक्रोश और असंतोष है। सिंधी समाज ने कहा कि भगवान झूलेलाल उनके

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारी।

● भगवान झूले पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

आराध्य हैं और उनके प्रति किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है। समाज के सदस्यों ने मांग की कि अमित बघेल के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए, साथ ही उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई जाए ताकि समाज की भावनाओं का सम्मान बना रहे। इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो समाज आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इसके साथ ही उक्त ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भी भेजी गई है ताकि मामले का संज्ञान लेकर देशभर के सिंधी समाज की भावनाओं की रक्षा की जा सके।

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव
प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

दरगाह ताजुश्शरिया पर मनाया गया उर्स ए हामिदी

बरेली, अमृत विचार : 85 वां उर्स ए हामिदी काजी ए हिंदुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में दरगाह ताजुश्शरिया पर भी मनाया गया। देर रात तक उर्स का कार्यक्रम जारी रहा। जिसमें देशभर के उलमा शामिल हुए।

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान हसन खान (सलमान मियां) ने बताया कि उर्स ए हामिदी में बाहर से आए उलमा ने शिरकत की। आसपास के जिलों के अकीदतमंद भी बड़ी संख्या में कुल शरीफ की रस्म में शामिल हुए।

उर्स का आगाज रविवार सुबह कुरानख्वानी से हुआ। रात में 9 बजे के बाद नातो मनकबत और उलमा की तकरीर हुई।

शहर में गैरपंजीकृत मैरिज लॉन पर सख्ती शुरू

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः शहर में बिना पंजीकरण संचालित हो रहे मैरिज लॉन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार के निर्देश पर प्रशासन ने 40 मैरिज लॉन संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। निर्देश दिए गए हैं 21 दिनों में पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी न करने पर संबंधित मैरिज लॉन को सील कर दिया जाएगा।

सराय एक्ट के प्रावधानों के अनुसार, ऐसे सभी स्थान जहां ठहरने की व्यवस्था हो-जैसे मैरिज लॉन, यात्री निवास, धर्मशाला या विश्राम स्थल का पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण के लिए संबंधित संस्थान को बिजली का वैध कनेक्शन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अग्निशमन विभाग की एनओसी, एसडीएम या तहसीलदार की रिपोर्ट तथा विनियमित क्षेत्र से स्वीकृत नक्शा प्रस्तुत करना आवश्यक है। सूत्रों के अनुसार, शहर में करीब 50 से 60 मैरिज लॉन संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से केवल 10 से 12 ही पंजीकृत हैं, जबकि अधिकांश बिना अनुमति के संचालित किए जा रहे हैं। प्रशासन की सख्ती के बाद अब कई संचालक पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने में जुट गए हैं। वर्तमान में शादी का सीजन चल रहा है। मुस्लिम समाज के निकाह समारोहों के साथ-साथ 18 नवंबर से सहालग की शादियों का दौर शुरू होने जा रहा है, ऐसे में इस कार्रवाई से गैरपंजीकृत मैरिज लॉन संचालकों में हड़कंप मच गया है।

ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन की देखरेख कर रहे छात्र

बरेली, अमृत विचारः पेट्रोल की ऊंची कीमत और प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन जितनी तेजी से वाहनों की संख्या बढ़ी है, उसके अनुपात में चार्जिंग स्टेशन की संख्या बहुत कम है।

इस दिशा में कदम उठाते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने एक ई-वाहन और मोबाइल चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करवाया है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पास स्टूडेंट ई-कॉर्नर के पास ई-चार्जिंग स्टेशन शुरू हो गया है। विवि परिसर में पिछले दिनों चार ई-वाहनों को चलाने के लिए लिया गया है। यह ई-वाहन विवि परिसर को प्रदूषण मुक्त रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

रुहेलखंड विवि ने एसएस कॉलेज को हराया

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय और एसएस कॉलेज की टीमों के मध्य हुआ, जिसमें रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा किया।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट खोकर 144 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एसएस कॉलेज की टीम 18.1 ओवर में 122 रन ही बना सकी और रुहेलखंड ने 22 रनों से मैच जीत लिया। मैन आफ द मैच का खिताब पीयूष पटेल, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मो. अलीउद्दीन और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब हर्षित माथुर को दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस बेदी, विशिष्ट अतिथि पूर्व उपाध्यक्ष बीडीए केबी अग्रवाल, महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, क्रीड़ा संयोजक गिरीश चंद्र अग्रवाल, केपी गोयल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी धीरज अग्रवाल और स्पोर्ट्स कमेटी के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर मैच शुरू किया। मैच में रेफरी और अंपायरिंग के रूप में अनुज चैहान, संदीप पाल और विराट यादव का योगदान रहा।

न्यूज ब्रीफ

भाकियू ने उठाया खाद संकट का मुद्दा

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने कस्बा वजीरगंज में मासिक पंचायत कर डीएपी खाद की किल्लत की मुद्दा उठाया। कार्यकर्ताओं ने पांच सूत्रीय ज्ञापन एडीओ पंचायत को सौंपा। ज्ञापन में किसानों को जल्द खाद मुहैया कराने की मांग की गयी है। सोमवार को भाकियू चढ़ूनी ने बजीरगंज में विकास खंड कार्यालय में मासिक पंचायत की। बिसौली तहसील अध्यक्ष रजनेश उपाध्याय ने कहा ग्राम बहटरा में आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा पोषाहार वितरण में धांधली की जा रही है। वितरण कई कई माह बाद किया जाता है। सीडीपीओ से शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जल्द समाधान न हुआ तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने किसानों की माँग को प्रमुखता से उठाते हुए कहा जनपद में किसानों को डीएपी की जरूरत है। समितियों पर डीएपी की किल्लत है। भाकियू ने पांच सूत्रीय ज्ञापन एडीओ पंचायत को सौपा। इस मौके पर शिवम पाठक, रामसिंह, बीईशू दास, बाबू हुसैन, रहीस अहमद मलिक, सर्वेश कुमार, अनुज मिश्रा, अजय सैनी, नूरुद्दीन, आदि किसान उपस्थित रहे।

गाड़ी में मांस लदा देखकर किया हंगामा

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव बल्लिया की घनी बस्ती और देवस्थान से गुजरती एक गाड़ी को ग्रामीणों ने रोक लिया। गाड़ी के भीतर मांस लदा होने पर ग्रामीणों ने हंगामा किया। कहा कि पास के गांव बनेई निवासी लाइसेंस धारक मांस विक्रेता स्वच्छ भारत मिशन, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ लिखी गाड़ी लेकर वहां से गुजरता है। ग्रामीणों को गाड़ी पर शक हुआ कि यह गाड़ी सुबह बनेई जाती और लौट आती है। सोमवार को ग्रामीणों का शक हुआ कि यह गाड़ी मांस लेकर संभल से आती है। ग्रामीणों ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक वर्मा के साथ मिलकर गाड़ी को रोक लिया। गाड़ी खोलकर देखा तो उसमें मांस भरा हुआ था। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। ग्रामीणों का कहना था कि इस गाड़ी से जागरुकता के स्लोगन को मिटाया जाए और रूट बदलें। इस सहमति पर पुलिस ने कागज चेक करके गाड़ी को जाने दिया। थाना प्रभारी राजेश कौशिक ने बताया कि मांस व्यापारी का बिक्री का लाइसेंस है। गाड़ी में भारे मांस का परीक्षण कराया गया है। गाड़ी उस गांव से नहीं गुजरेगी।

जिले में उड़ीसा से तीन दिन में आएगी डीएपी और एनपीके की रैक

डीएपी की 1900 एमटी की आएगी रैक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- साधन सहकारी समितियों पर चक्कर लगाकर किसान परेशान
- घंटों इंतजार के बाद मायूस होकर लौट रहे घर

अमृत विचार : फसलों की बुवाई कर रहे किसानों के लिए खुशखबरी है। उन्हें खाद के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। एक दो दिन में 1900 एमटी डीएपी और एनपीके की रैक जिले में पहुंचने वाली है। इसके बाद 176 एमटी खाद सप्ताह भर बाद आ जाएगी। जिसे समितियों पर भेजा जाएगा। यहां से किसानों के लिए आसानी से खाद उपलब्ध रहेगी।

रबी सीजन में गेहूं, आलू तथा अन्य फसलों की बुवाई चल रही है। किसान यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद के लिए समितियों पर मारा मारा घूम रहा है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी किसान को जरूरत के अनुसार खाद नहीं मिल पा रही है। यह हाल तब है जब हाल के दिनों में सहकारिता विभाग द्वारा शाहजहांपुर से 500 एमटी खाद मंगा कर वितरण कराया गया था, लेकिन किसान की समस्या दूर नहीं हो सकी। इसका निजी दुकानदार लाभ उठा रहे हैं। वह निर्धारित दर से अधिक दाम पर खाद बेच रहे है। विवशता के चलते किसान निजी दुकानदारों से खरीद रहा है, लेकिन अब किसानों को खाद के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। एआर कोऑपरेटिव मुन्नालाल मिश्रा ने बताया कि जिले में दो से तीन दिन में 1900 एमटी खाद आने वाली है। इसमें डीएपी और एनपीके शामिल है। डीएपी और एनपीके की रैक उड़ीसा से आ रही है। वाहन वहां से रवाना हो गए हैं। गुरुवार, शुक्रवार तक खाद जिले में पहुंच जाएगी। एआर कोऑपरेटिव ने बताया कि अभी कुछ दिन पूर्व ही निजी क्षेत्र से पांच सौ एमटी खाद लाकर वितरण कराया था। इसे शाहजहांपुर से मंगाया था। 26 सौ एमटी खाद कृभको और 2500 एमटी खाद इफको से लगाकर वितरण कराई जा चुकी है। इसके अलावा 176 एमटी खाद और मंगाई गई है। इसके लिए डीएम की ओर से पत्र जारी किया गया है। इसके बाद जिले में खाद की किल्लत नहीं रहेगी। किसान आसानी से समितियों से खाद ले सकेगा।

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव सतेती के जंगल में सोमवार की सुबह एक युवक का शव आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला।

गांव सतेती गजा पट्टी निवासी टैनी मौर्य का बेटा राहुल शाक्य (23) सोमवार सुबह छह बजे घर से खेत पर जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने उसका शव गांव की पूर्व दिशा में अमित चौहान के खेत में लगे आम के पेड़ पर लटका देखा। ग्रामीणों ने पुलिस और उनके परिजनों को सूचना दी। सूचना पर निरीक्षक अपराध वीके मौर्य और उपनिरीक्षक टेकचंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। परिवार के लोगों किसी प्रकार की शिकायत न करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। राहुल चार बहन-भाइयों में बड़ी बहन से छोटा था और ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

चार गिरफ्तार, 10 बाइकें बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से बरामद की बाइकें। ● अमृत विचार

संवाददाता, दातागंज

- चेकिंग के दौरान पुलिस ने किया गिरफ्तार, एक निकला नाबालिग

अमृत विचार : दातागंज पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक किशोर है। उनके पास से चोरी की 10 बाइक, एक मोबाइल और एक चाकू बरामद हुआ। पुलिस बाइकों के मालिकों की जानकारी कर रही है।

सोमवार को प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजीव कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक उमेश कुमार, सिपाही सन्नी चौधरी, विश्वजीत, गौरव नागर, दीपक कुमार, पंकज कुमार के साथ कस्बा दातागंज के बरेली तिराहे पर गश्त और संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी। मुखबिर ने सूचना दी कि वाहनों को चोरी करने वाले चार लोग चोरी की बाइकें बेचने के लिए जा रहे हैं, जो तिराहे पर कुछ ही देर में गुजरने वाले हैं। सही से चेकिंग करने पर उन्हें पकड़ा जा सकता है। पुलिस ने तिराहे से गुजरे हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव रासा नगरिया निवासी सूरज, अमन, दातागंज कस्बा के मोहल्ला बड़ा परा निवासी धारा और एक किशोर को पकड़ लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग स्थानों से 10 बाइक चोरी की हैं। दातागंज कोतवाली में बाइक चोरी के तीन मामले दर्ज हैं। बाकी बाइक चोरी के मामले अलग-अलग थानों में चल रहे हैं। किशोर पर साल 2023 में भी चोरी का एक मामला दर्ज हो चुका है। प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी चोरी की बाइकें बेचने के लिए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें से एक आरोपी नाबालिग है।

अवैध होर्डिंग से पटा शहर, नोटिस जारी

तीन माह पूर्व अभियान चलाकर हटवाए थे, होर्डिंग की वजह से यातायात होता है प्रभावित, बना रहता है खतरा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

पुलिस लाइन चौराहे पर लगे होर्डिंग। ● अमृत विचार

रोडवेज जाने वाले रोड पर यूनिक पोल पर लगा होर्डिंग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर के प्रमुख चौराहे और फुटपाथ अवैध होर्डिंग-बैनर से फिर पट गए हैं। इससे शहर की सुंदरता बिगड़ रही है। अवैध रूप से लग रहे अवैध होर्डिंग और बैनर की वजह से नगर पालिका को लाखों रुपये का चूना लग रहा है। प्रत्येक तिराहे, चौराहे पर आठ से दस अवैध होर्डिंग्स लगाए गए हैं। जुलाई में अभियान चलाकर इन्हें हटाया गया था, लेकिन अब फिर से अवैध होर्डिंग और बैनर का कारोबार फलने और फूलने लगा है। इससे न सिर्फ शहर की सुंदरता खराब हो रही है बल्कि खतरा बना हुआ है। जिन लोगों के द्वारा अवैध रूप से होर्डिंग लगाए गए हैं, उनके खिलाफ नगर पालिका ने सख्ती दिखाई है। सभी को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

बरसात के दौरान दूसरे प्रदेशों और शहरों में आंधी तूफान की आने से होर्डिंग और बैनर गिर गए थे। इनकी चपेट में आकर कई लोग घायल हो गए थे। साथ ही कई की मौत भी हो गई थी। इन घटनाओं के चलते शासन के आदेश पर प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर चौराहों और सड़कों के किनारे लगे होर्डिंग को उतरवाया गया था। इनके उतरने से शहर की सुंदरता बढ़ गई थी। अब फिर से शहर के चौराहे और सड़कें अवैध होर्डिंग और बैनर से पट गई हैं। नगर पालिका द्वारा शहर में होर्डिंग, पोस्टर व बैनर लगाने के लिए स्थान चिन्हित किए जाते हैं। इन स्थानों पर प्रचार के इच्छुक लोगों से होर्डिंग आदि लगाने के लिए नगर पालिका बाकायदा शुल्क जमा कराया जाता है। इसके लिए नगर पालिका ने टेंडर निकाला था, लेकिन किसी फर्म ने टेंडर नहीं डाला। इस वजह से टेंडर प्रक्रिया को निरस्त करना पड़ा। बताया जा रहा है कि शहर के सभी चौराहों, तिराहे और सड़कों के किनारे नगर पालिका की अनुमति के बिना ही होर्डिंग और बैनर लगाए जा रहे हैं। इसमें पालिका के कर्मचारियों की मिलीभगत बताई जा रही है। जिसके चलते न केवल नगर पालिका को आर्थिक क्षति हो रही है, बल्कि पूरा शहर अवैध होर्डिंग से पट गया है। शहर के पुलिस लाइन चौराहा, इंद्रा चौक, दातागंज तिराहा, नवादा चौक, लालपुल, मंडी समिति तिराहा कचहरी के साथ-साथ सार्वजनिक स्थल समेत सरकारी भवन, फ्लाईओवर को भी होर्डिंग का अड्डा बना दिया है। बिजली के खंभों पर भी ऐसी ही स्थिति है। शॉपिंग मॉल, बाइक व स्कूटर, स्कूल, होटल आदि देने के पोस्टर एक-एक पोल पर लगा दिए गए हैं। ऐसे में शहर का सौंदर्यीकरण करना तो दूर, जो है उसे भी बदसूरत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

बधाई देने वाले होर्डिंगों की संख्या सबसे अधिक

शहर के सभी चौराहों पर कंपनियों, स्कूल, होटल, वाहन एजेंसियों के साथ राजनैतिक दलों के नेताओं को बधाई देने वाले होर्डिंगों की संख्या अधिक है। हर चौराहे पर बधाई संदेश देने वाले होर्डिंग और दिखाई दे रहे हैं। जिससे शहर की सुंदरता तो खराब हो ही रही है। साथ ही सड़क पर गुजरने वालों के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं।

शहर में होर्डिंग और बैनर लगाने के लिए स्थान चिन्हित हैं। इन स्थानों पर होर्डिंग और बैनर लगाने के लिए टेंडर निकाला था, परंतु किसी भी फर्म ने टेंडर नहीं डाला। जिसकी वजह से टेंडर प्रक्रिया रोक दी गई। जिन लोगों के द्वारा होर्डिंग और बैनर लगे हुए हैं उन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अभियान इन्हें हटाया भी जाएगा।

– विनय कुमार, ईओ नगर पालिका सदर

मुठभेड़ : गोकशी करने के आरोपी के पैर में लगी गोली

संवाददाता, सहसवान

- आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर के दो समेत 10 एफआईआर हैं दर्ज

अमृत विचार : सहसवान पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गोकशी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसके पास से एक तमंचा, दो जिंदा व एक खोखा कारतूस और गोकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए। आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसपर गैंगस्टर के दो समेत 10 मामले दर्ज हैं।

पुलिस को रविवार रात सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो कई बार गोकशी के मामले में जेल जा चुका है वह जेल से छूटकर बाहर आया है। वह छोटे बछड़ों का वध करने के लिए जा रहा है। जल्द पहुंचें तो उसे पकड़ा जा सकता है। सहसवान के प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह पुलिस बल के साथ मुखबिर के बताए स्थान टेढ़ा घाट पुल के पास पहुंचे। जहां उस व्यक्ति को घेर लिया और आत्मसमर्पण करने को कहा। खुद को पुलिस से बचाने के लिए व्यक्ति ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी उसपर फायरिंग की। व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उसने अपना नाम सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव भवानीपुर खैरू निवासी एजाद बताया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि उसपर गोकशी के कई मामले दर्ज हैं। वह जंगल में घूमने वाले गोवंश का वध करके गोमांस बेचता है। वह इसी उद्देश्य से घूम रहा था और पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस से बचने के लिए उसने फायरिंग की थी। पुलिस ने आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि पकड़े गए आरोपी पर पहले से गोकशी के मामले दर्ज हैं। वह गोवंश का वध करते मांस बेचता था। उसने पुलिस पर फायरिंग की थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ उपनिरीक्षक यशपाल सिंह व गिरीश कुमार, सिपाही शीलेंद्र कुमार, विजय कुंडू, देवेंद्र कुमार, रमन अत्री, पवन कुमार, अजीत कुमार व सुमित कुमार रहे।

लैब के लिए बिजली फिटिंग पूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल में लैब की नई बिल्डिंग।

- खून की जांच के लिए दो नई मशीने लगाएगी कंपनी, मरीजों को एक दिन में मिलेगी रिपोर्ट

अमृत विचार : जिला अस्पताल में बनी पैथोलॉजी लैब की बिल्डिंग में बिजली की फिटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। अब मशीनों की फिटिंग शुरू होगी। फिलहाल कुछ दिन तक पुरानी मशीन से ही ब्लड की जांच की जाएगी। कंपनी दो नई मशीन जल्द लगाएगी। लैब में करीब 100 तरह की ब्लड की जांच की जाएगी।

जिला अस्पताल में पैथोलॉजी लैब का विस्तारीकरण किया जाएगा। इसके लिए पिछले 10 माह से पुरानी लैब की जगह पर नई लैब के लिए बड़ी बिल्डिंग तैयार की गई है। 50 लाख से तैयार की बिल्डिंग का निरीक्षण सीएमओ सहित कई अन्य विभागों के अधिशासी अभियंता और जेई कर चुके हैं। निरीक्षण में कुछ कमियां पायी गई थी। बिल्डिंग बनाने वाली कंपनी ने कमियों को ठीक कर दिया। इसके बाद बिल्डिंग सीएमओ ने अस्पताल प्रशासन के सुपुर्द कर दी। जिला अस्पताल प्रशासन को अपनी बिल्डिंग मिलने के बाद पिछले 10 दिन से बिजली की फिटिंग कराई जा रही थी। सोमवार को बिजली की फिटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया। अब नई बिल्डिंग में लैब की मशीनों की फिटिंग की जाएगी। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि फिलहाल पुरानी मशीन ही लगाई जाएगी उससे कुछ दिन तक ब्लड की जांच की जाएगी। कंपनी द्वारा कुछ ही दिनों में दो और नई मशीने लगा दी जाएगी जिसके बाद तीन मशीनों से ब्लड की करीब सौ तरह की जांच यहां पर की जाएगी।

सीएमएस डॉ. अमित वार्ष्णेय ने बताया कि बिल्डिंग में बिजली की फिटिंग की दी गयी है। विंडो बना कर एसी भी लगा दिए गए हैं। नई बिल्डिंग में एक साथ करीब पचास सैंपल की जांच की जाएगी। जिससे मरीजों की भीड़ नहीं लगेगी। बताया कि नई बिल्डिंग मानक के अनुसार तैयार की गयी है। उसमें सभी जरूरी उपकरण भी लगाए गए है। बिल्डिंग का शुभारंभ स्वय सीएमओ करेंगे। उन्होने बताया कि पैथोलॉजी लैब के विस्तारीकरण की प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही थी जो अब पूरी हुई है।

गड्ढे में अनियंत्रित हुई बाइक उछलकर गिरी महिला, मौत

संवाददाता, इस्लामनगर

- इस्लामनगर क्षेत्र के अल्लैहपुर समसपुर के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : बहजोई-इस्लामनगर मार्ग पर बने गहरे गड्ढों की वजह से सोमवार को एक महिला की मौत हो गई। थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव अल्लैहपुर समसपुर के पास बेटे के साथ बाइक से रिश्तेदारी में जा रही महिला गड्ढों की वजह से उछल कर नीचे गिर गई। महिला के सिर में चोट आई। जिससे महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस महिला को रुदायन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव सिरका खुर्द निवासी रामस्नेही (55) अपने बेटे भूरे के साथ बाइक से अपनी रिश्तेदारी में बहजोई जा रही थी। इस्लामनगर क्षेत्र में गांव अल्लैहपुर के पास सड़क के गड्ढे में जाते ही बाइक अनियंत्रित हो गई। रामस्नेही बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरी थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। लोगों का कहना है कि सड़क पर काफी समय से दो गहरे गड्ढे हैं। पुलिस कई बार अस्थायी रूप से मिट्टी या बजरी डालकर भरवा चुकी है लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग ने अब तक स्थायी मरम्मत नहीं कराई। विभाग की इस लापरवाही के कारण आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने मांग की कि सड़क की मरम्मत की जाए।

हाईवे पर हादसा, साले-बहनोई की मौत

संवाददाता, सहसवान

- सोमवार देर शाम मेरठ हाईवे स्थित ढाबा के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव सालिक नगला के पास सोमवार शाम सड़क हादसा हो गया। बदायूं-मेरठ हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार साले-बहनोई को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। हाईवे पर काफी समय तक यातायात प्रभावित रहा। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

हादसा सोमवार देर शाम बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर पहलवान ढाबा के पास हुआ। देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि ढाबा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एक युवक की शिनाख्त थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव गिधौल निवासी अंकित पुत्र राजेंद्र के रूप में हुई। दूसरे के बारे में पता नहीं चल सका।

पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। कुछ समय के बाद अंकित के परिजन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि दूसरे मृतक का नाम नरौरा निवासी भूदेव है। भूदेव पुत्र धर्मपाल अंकित के साले थे। वह दोनों बाइक से कहीं जा रहे थे।

टक्कर मारने वाला वाहन ट्रैक्टर-ट्रॉली बताई जा रही है। मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस उस मार्ग के सीसीटीवी फुटेज चेक करके वाहन की जानकारी कर रही है।

हादसे में घायल युवक की अस्पताल में गई जान

विजय नगला, अमृत विचार : बाइकों की आमने-सामने से हुई भिड़ंत में घायल युवक ने इलाज के दौरान बरेली के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बिनावर थाना क्षेत्र के गांव नन्दौलिया निवासी छोटू (18) पुत्र कल्लू एक दुकान पर वेल्डिंग करके परिवार का पालन पोषण करते थे। एक सप्ताह पहले वह बाइक से बिनावर कस्बा से गांव आ रहे थे। रास्ते में कोहनी जाफराबाद से गुजरने पर रफियाबाद गौशाला के सामने दूसरी बाइक से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उनके परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने उन्हें बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार देर शाम घायल ने दम तोड़ दिया। परिजनों में कोहराम मच गया।

समस्या

रोजाना शहर सहित अन्य तहसीलों में प्रतिदिन 350 प्रॉपर्टी की होती है रजिस्ट्री

चार दिन से सर्वर ठप, नहीं हुई जमीनों की रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

रजिस्ट्री कार्यालय, बदायूं।

- पुराना सर्वर प्रेरणा शासन से किया जा रहा अपडेट, आसानी से हो सकेगी रजिस्ट्री

अमृत विचार : पिछले चार दिनों से रजिस्ट्री कार्यालय का सर्वर ठप पड़ा है। ऐसा होने से जमीनों के बैनामे नहीं हो पा रहे हैं। सर्वर को शासन स्तर से अपडेट किया जा रहा है। जिसे अपडेट होने के बाद एनआईसी के मेघराज क्लाउड सर्वर नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) पर स्थानांतरित हो जाएगा। अपडेट काम खत्म होने के बाद सर्वर के आए दिन ठप रहने की समस्या से निजात मिलेगी। साथ ही स्पीड में भी इजाफा होगा। 12 नवंबर से रजिस्ट्री कार्यालय का सर्वर काम करने लगेगा।

शहर सहित जिले की सभी तहसीलों में रोजाना करीब 250 से अधिक प्रॉपर्टीज की रजिस्ट्री होती है। रजिस्ट्री कार्यालय का सर्वर आए दिन बंद हो जाता था। इस वजह से काम प्रभावित होता था। जमीनों की रजिस्ट्री कराने आने वाले लोगों को परेशानी होती थी। इस समस्या के चलते शासन स्तर से सर्वर प्रेरणा को अपडेट किया जा रहा है।

रजिस्ट्री कार्यालय के सर्वर को अपडेट करने का काम पिछले चार दिनों से चल रहा है।

अधिकारियों के कार्यों पर उठती है उंगली

स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग सदर कार्यालय के सब रजिस्ट्रार सैय्यद नदीम रजा ने बताया कि प्रतिदिन करीब 80 से 90 प्रॉपर्टीज की रजिस्ट्री होती हैं। वहीं चार अन्य तहसीलों में भी रोजाना 150 से अधिक प्रॉपर्टीज की रजिस्ट्री होती थी। सर्वर प्रेरणा अक्सर ठप होता था। साथ ही स्पीड भी कम हो जाती थी। सर्वर ठप होने व स्पीड कम होने के चलते कार्यों पर अंगुली उठती थी। आरोप लगते थे सर्वर जानबूझकर बंद कर दिया जाता है। अब इसके अपडेट होने के बाद काम भी तेजी से होगा। साथ ही पारदर्शिता भी आएगी। सब रजिस्ट्रार ने बताया कि शासन ने स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल मेघराज क्लाउड सर्वर को एनजीसी पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। इसके अपडेट होने का काम 11 नवंबर तक होगा। इसके बाद प्रॉपट्रीज का काम शुरू हो जाएगा।

जिस वजह से प्रॉपर्टीज की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारियों की मानें तो सर्वर के अपडेट होने में अभी एक दिन का समय और लगेगा। 12 नवंबर को सर्वर नए सिरे से अपडेट हो जाएगा। अपडेट होने के बाद एनआईसी का मेघराज क्लाउड सर्वर नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) पर स्थानांतरित हो जाएगा। अपडेट का काम खत्म होने के बाद सर्वर के आए दिन ठप रहने की समस्या से तो निजात मिलेगी ही, साथ ही स्पीड में भी इजाफा होगा।

हादसे में युवक की मौत, दो घायल

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : शादी समारोह में जा रहे युवकों की बाइक गंगा एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। ग्रामीणों के अनुसार हादसा रील बनाने के चक्कर में हुआ था।

बिनावर थाना क्षेत्र के गांव कान्हा नगला निवासी यूनुस अली अपने गांव निवासी तसलीम और तालिब के साथ रविवार शाम थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव बाबट में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे। बिनावर क्षेत्र से गुजर रहे गंगा एक्सप्रेस वे पर चढ़ गए। गांव में चर्चा है कि वह तीनों बाइक पर मोबाइल से रील बना रहे थे। रास्ते में गांव बनकोटा के पास बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। एम्बुलेंस की मदद से तीनों युवकों को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने यूनुस अली को मृत घोषित कर दिया। बाकी दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। मौत की सूचना पर मृतक के परिजनों में चीत्कार मच गई।

कार की टक्कर से युवक की मौत, चाचा घायल

बिल्सी, अमृत विचार : कछला-शाहबाद हाइवे पर गांव दिघौनी के ईंट भट्ठे के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव मुरावन नगला निवासी मोरपाल (20) पुत्र नेकराम अपने चाचा नीर सिंह के साथ बिल्सी क्षेत्र के गांव बेहटा गुंसाई में दावत खाने गए थे। दावत खाने के बाद वह दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। हाइवे स्थित दिघौनी पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। यहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां उपचार के दौरान मोरपाल की मौत हो गई, जबकि नीर सिंह का इलाज जारी है। सोमवार सुबह मृतक के परिवार के लोग मोरपाल का शव को लेकर बिल्सी सरकारी अस्पताल पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्राइम इंस्पेक्टर वीके मौर्य ने बताया कि हादसे में घायल युवक का इलाज चल रहा है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और टक्कर मारने वाली कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

86 कनेक्शन कटे 2.84 लाख वसूले

बिल्सी, अमृत विचार : बिजली विभाग की टीम ने सोमवार को नगर क्षेत्र में मेगा डिसकनेक्शन अभियान चलाया। अभियान के दौरान तीन माह से बिजली बिल जमा न करने वाले 86 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। साथ ही ऐसे उपभोक्ताओं पर भी कार्रवाई की गई, जिन्होंने अब तक एक भी बार बिजली बिल का भुगतान नहीं किया था।

अभियान में बिल्सी, वजीरगंज, सैदपुर और नागरझूना उपकेंद्रों के अवर अभियंता और टीजी-टू कर्मियों की चार टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान कुल 86 बकायेदारों के संयोजन काटे गए। वहीं, 108 उपभोक्ताओं से 2.84 लाख रुपये का राजस्व वसूला गया। अवर अभियंता गजेंद्र पाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ता बिना बिल जमा किए बिजली का प्रयोग करते पाए गए। ऐसे आठ उपभोक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन के लिए शुरू की हेल्प डेस्क

फीता काटते फखरे अहमद शोवी।

सहसवान, अमृत विचार : सहसवान में सोमवार को फखरे अहमद शोबी ने वक्त संपत्ति के रजिस्ट्रेशन के लिए एक हेल्प डेस्क आरंभ की। हेल्प डेस्क मदरसा फैज ए आम के पास खोली गई है। फखरे अहमद शोबी ने बताया कि बोर्ड से संबंधित सभी दस्तावेज दफा 37 रजिस्टर, छह दिसंबर 1986 और 26 फरवरी 1944 का गजट नोटिफिकेशन, नई नियमावली, वामसी पोर्टल की लिस्ट और वक्फ की पूरी डिटेल सहसवान हेल्प डेस्क को दी गई है। वहां पर रजिस्ट्रेशन करा सकते है यह बहुत जरूरी है। इस मौके पर जमाल उद्दीन, मौलाना अब्दुल खालिक, कारी इबादुरहमान, मुफ्ती फहीम अख्तर, शमसुज्जुहा नकवी, हसन जालीस, मुनीर अख्तर, बब्बू नकवी, वसीम अहमद हाफिज़ ज़ोहेब नकवी, आमिर सुल्तानी आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में किया प्रतिभाग

प्रतियोगिता में अंग्रेजी में बोलती छात्रा।

बिल्सी, अमृत विचार : फ्यूचर लीडर्स स्कूल में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता हुई। कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया और इसके प्रभाव पर अपनी धारा प्रवाह अंग्रेजी बोल कर और गहन विचारों से सभी को प्रभावित किया। छात्रों ने सोशल मीडिया के लाभ और हानियों पर प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। एक ओर, कई प्रतिभागियों ने बताया कि सोशल मीडिया कैसे ज्ञान का भंडार है। हमें दुनिया से जोड़ता है और शिक्षा प्राप्त करने में सहायक है। वहीं दूसरी ओर कुछ छात्रों ने इसके दुष्प्रभावों जैसे समय की बर्बादी, मानसिक तनाव, एकाग्रता में कमी और गलत सूचना के प्रसार पर गंभीरता से प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले छात्रों में कक्षा 8 की अनुष्का चौहान, कक्षा 7 की आरुषि शाक्य, कक्षा 6 की सृष्टि सिंह, कक्षा 6 के देव प्रताप सिंह, कक्षा 5 की श्रेया आदि छात्राएं शामिल रहीं। विद्यालय डायरेक्टर, वीपी सिंह, एमडी राहुल कुमार सिंह, प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कक्षा एक से 12 तक के विद्यालयों में बच्चों को किताब पढ़ने के लिए किया जाएगा प्रेरित

बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के लिए स्कूलों में चलेगी मुहिम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम
- कराया जाएगा शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार: आज के नए दौर में अपडेट होती तकनीक ने जिंदगी को बहुत आसान कर दिया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। मोबाइल और टीवी के फायदेमंद होने के साथ साथ नुकसान अधिक हो रहा है। खासकर छोटे बच्चों में इसकी लत लगना काफी खतरनाक हो चुका है। बच्चों में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से कारगर कदम उठाने जा रहा है। मोबाइल के लती बच्चों को इससे दूर करने के लिए गुर सिखाएगा। इसके लिए स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही उन्हें शैक्षिक भ्रमण कराया जाएगा। जिससे बच्चे मोबाइल को छोड़कर शिक्षा की ओर अग्रसर हो सकें।

मोबाइल व्यक्ति के लिए अहद हिस्सा बन चुका है। मोबाइल के बिना उसकी दिनचर्चा अधूरी हो गई है। इसी मोबाइल की वजह से बच्चे अपनों से दूर होने के साथ ही पढ़ाई से भी जी चुराने लगे हैं। बच्चों को मोबाइल की ऐसी लत लग चुकी है कि वह इससे हर समय चिपके रहते हैं। खासकर छोटे बच्चों में इसकी लत लगना काफी खतरनाक हो चुकी है। बच्चों में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। उठते-बैठते, सोते-जागते, खाते-पीते हर समय बच्चे फोन में आंखें जमाए रहते हैं। बच्चे खाना न खाने की जिद न करें, इसलिए अभिभावक भी मोबाइल दे देते हैं। चाहकर भी अभिभावक मोबाइल और टीवी की लत से दूर नहीं कर पा रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत पर भी पड़ रहा है। मोबाइल के लती बन चुके बच्चों की इस समस्या को शासन ने गंभीरता से लिया है। शिक्षा विभाग मोबाइल के लती बच्चों को उससे दूर रहने का गुर सिखाएगा। कक्षा एक से लेकर कक्षा तक के स्कूलों में बच्चों को किताब पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रार्थना सभा में उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने कौन-कौन सी किताबें पढ़ी और उनसे क्या सीखा। जिसके निर्देश अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा ने बीएसए व जिला विद्यालय निरीक्षक को जारी किए हैं। अपर मुख्य सचिव को पत्र मिलने के बाद बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को कार्यक्रम आयोजित कराने के आदेश दिए हैं। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य और संचालकों को मोबाइल से दूर रखने के लिए बच्चों को जागरुकत कार्यक्रम आयोजित कराने को कहा है।

बच्चों में किताबों की आदत विकसित करने के लिए चलाया जाएगा अभियान

मोबाइल से दूर रखने और उससे होने वाले नुकसान के प्रति बच्चों को जागरूक किया जाएगा। बच्चों को फोन पर स्क्रीन टाइम कम करने उनकी वैचारिक व तार्किक समझ व किताब पढ़ने की आदत विकसित की जाएगी। इसके लिए सभी स्कूलों में अभियान चलाया जाएगा। पुस्तकालयों में स्कूलों के बच्चों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। साथ ही उन्हें अनिवार्य रूप से एक किताब पढ़ने को दी जाएगी। इनमें कहानी, उपन्यास, जीवनी आदि की किताबें शामिल होंगी। इन किताबों के माध्यम से बच्चों में स्वतंत्र पाठन की रुचि बढ़ सकेगी।

> बच्चों में मोबाइल की लत खतरनाक होती जा रही है। बच्चे पढ़ाई में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। मोबाइल की लत को दूर करने के लिए शासन द्वारा जो कदम उठाया गया है वह सराहनीय है। स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शासन से पत्र प्राप्त होने के आदेश शिक्षकों और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं।
>
> – **वीरेंद्र कुमार सिंह**, बीएसए

> मोबाइल ने लोगों की जिंदगी आसान कर दी है। लेकिन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है। इससे उनकी सेहत पर विपरीत असर पड़ रहा है। बच्चों में मोबाइल की लत छुड़ाने और किताबों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य और संचालकों को निर्देश जारी कर दिए हैं।
>
> – **लालजी यादव**, जिला विद्यालय निरीक्षक

सोलर संयंत्र लगवाने के लिए शिक्षकों को किया प्रेरित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में पीएम सूर्य घर योजना को लेकर सोमवार को ऑडिटोरियम में जागरुकता कार्यक्रम हुआ। शिक्षकों को सीडीओ केशव कुमार और एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने शिक्षकों को योजना की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही संयंत्र लगवाने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों ने शिक्षकों से कहा कि पीएम सूर्य घर योजना एक लाभकारी योजना है। इससे न सिर्फ बिजली खर्च कम होगा साथ ही बचत भी होगी। कहा कि योजना में जनपद की रैंक प्रदेश में 55 है। यदि समस्त शिक्षक अपने-अपने घरों पर सोलर पावर प्लांट स्थापना करा ले तो जनपद को लक्ष्य की पूर्ति की जा सकती है। अपर जिलाधिकारी ने अध्यापकों को उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराकर स्थापना कराने के लिए प्रेरित किया। परियोजना अधिकारी यूपीनेडा प्रणव पाठक ने बताया कि सोलर पावर प्लांट स्थापना पर प्रति एक वाट पर 60 हजार रुपये का खर्च आता है। केंद्र और राज्य सरकार से 45 हजार रुपये का अनुदान मिलता है। दो किलोवाट संयंत्र की लागत एक लाख 20 हजार रुपये आती है। इस पर 90 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है। तीन किलोवाट संयंत्र की लागत एक लाख 80 हजार रुपये है। इस पर एक लाख आठ हजार रुपये अनुदान दिया जाता है।

कार्यक्रम में सीडीओ व एडीएम प्रशासन।

दो नए बिजली घर होंगे शुरू 200 गांवों को होगा फायदा

ग्राम सैजनी और मौसमपुर मझारा में बिजली घर बनकर तैयार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिजली विभाग के दो नए बिजली घर चार दिन में शुरू हो जाएंगे। इससे करीब 200 गांव को बिजली मिल सकेगी। विभाग जल्द ही दोनों बिजली घरों का आरंभ करने जा रहा है। बिजली घरों तक विभाग ने बिजली सप्लाई देकर निरीक्षण पूरा कर लिया है। उपभोक्ताओं को शेड्यूल के अनुसार बिजली दी जाएगी।

जिले में इस समय 56 बिजली घर हैं, जबकि चार नए बिजली घर बनाए गए हैं। इनमें दातागंज क्षेत्र के ग्राम सैजनी में और मौसमपुर मझारा में बिजली घर पूरी तरह बन कर तैयार हो चुके हैं। इन बिजली घरों की आरंभ तिथि मिलते ही इनको चालू का दिया जाएगा। संभावता चार दिन में दोनों बिजली घर चालू हो जाएंगे। विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि दोनों बिजली घरों तक सप्लाई पहुंचा दी गई है। दोनों को चेक कर लिया गया है। लखनऊ से आरंभ तिथि मिलते ही बिजली घरों को शुरू कर दिया जाएगा।

अधीक्षण अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि सैजनी गांव में बना बिजली घर करीब 110 गांवों को बिजली देगा। दातागंज क्षेत्र में बिजली उपभोक्ता सबसे अधिक हैं। इस खंड में उसावा से बिजली आपूर्ति की जाती है जिससे उपभोक्ताओं को बिजली कटौती और ट्रिपिंग की समस्या से जूझना पड़ रहा था। अब नया बिजली घर बन जाने से कटौती की समस्या नहीं होगी। बिजली विभाग इस क्षेत्र के प्रत्येक गांव में शिविर लगा कर बिजली कनेक्शन देगा जिससे गांव गांव तक बिजली पहुंचाई जा सके। बताया कि इस समय कुछ गांवों में सप्लाई तो दी जाती है, लेकिन कनेक्शन धारक कम हैं इसलिए ग्रामीणों को कनेक्शन देकर उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाई जाएगी।

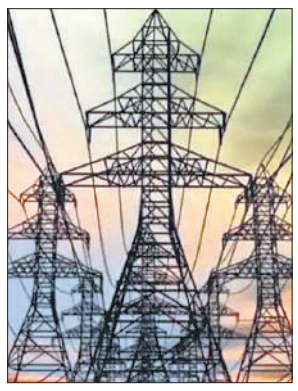

- लखनऊ से आरंभ तिथि होगी घोषित, विभाग ने जारी किया पत्र

नाधा में बिजली आपूर्ति समय से देने की मांग

सहसवान के नाधा क्षेत्र में उपभोक्ताओं को शेड्यूल के अनुसार बिजली नही मिल रही है जिससे किसानों और कनेक्शन धारकों को परेशानी हो रही है। नाधा निवासी रामबाबू का कहना है कि एक सप्ताह से दिन में दो से तीन घंटे बिजली मिल रही है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने सहसवान बिजली घर पर तैनात एसडीओ से मांग की है कि इस क्षेत्र में शेड्यूल के अनुसार बिजली दी जाए। किसानों को ट्यूबवैल चलाने को बिजली नहीं मिल पा रही है। इससे किसान खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मौसमपुर मझारा गांव में बिजली घर बन कर तैयार है। शुरू होने के बाद बिजली सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। इस क्षेत्र के करीब 100 गांवों से अधिक में बिजली आपूर्ति करने का लक्ष्य है। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। दो अन्य बिजली घरों में भी लगभग काम पूरा कर लिया गया है। जल्द ही उन्हें भी शुरू कर दिया जाएगा।

400 मीटर दौड़ में धर्मेश, 200 में विकेश ने बाजी मारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विकास क्षेत्र सहसवान के उच्च प्राथमिक विद्यालय समसपुर बल्लू में खेलकूद प्रतियोगिताएं सोमवार को हुई। परिषदीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने क्षमता का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे से बेहतर करने का प्रयास किया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आरंभ पूर्व एआरपी राजन यादव व खेत शिक्षिका लकी जेम्स ने किया। इसके अंतर्गत सहसवान ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय समसपुर बल्लू में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में 100, 200, 400 मीटर दौड़, कबड्डी, खो खो, लंबी कूद और ऊंची कूद की प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं के महत्व के बारे में अवगत कराया गया। बालक वर्ग में दौड़ में 100 मीटर में रविकांत, 200 मीटर में विकेश और 400 मीटर में धर्मेश ने बाजी मारी। वहीं बालिकाओं में नेहा और शिवांगी ने प्रथम स्थान प्राप्त किए। बालिकाओं की कबड्डी और खो खो बहुत रोमांचकारी रही। गांव के अभिभावकों ने बच्चों के खेलों की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर शिक्षक जितेंद्र कुमार, एसएमसी अध्यक्ष दुर्वेश कुमार व ग्रामीण मौजूद रहे।

दौड़ की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं।

लंबी कूद की प्रतियोगिता में शिरकत करती बच्ची।

- खेलकूद प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाई क्षमता
- सहसवान के उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुई प्रतियोगिताएं

महाविद्यालय में टूर्नामेंट सीजन-5 किया आरंभ

सहसवान, अमृत विचार : प्रमोद संस्कृत महाविद्यालय के मैदान पर तहसील स्तरीय सहसवान प्रीमियर लीग डे टूर्नामेंट सीजन-5 का आरंभ सपा के प्रदेश सचिव शाहिद खान ने किया। मुख्य अतिथि शाहिद खान का एसपीएल कमेटी ने स्वागत किया। प्रतीक चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। शाहिद खान ने कहा ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल युवाओं में खेल भावना को बढ़ाती हैं, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एसपीएल कमेटी के सदस्य शाजेब खान, हसन मुख्तियार, काशिफ अली खान, वसीम खान, कासिद खान, मुनीर बाबू, शादाब, शाज खान, प्यारे मेंबर, जाकिर मेंबर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आंवला रोड पर कूड़ा डालने पर आंदोलन करने की चेतावनी

बदायूं, अमृत विचार : आंवला रोड पर नगर पालिका के सफाई कर्मियों द्वारा डाला जा रहा कूड़ा यदि नहीं हटाया गया तो स्थानीय लोग आंदोलन करेंगे। समाजसेवी अकील इस्माइल से सोमवार को कहा कि आंवला रोड पर पालिका प्रशासन शहर का कूड़ा डाल रहा है। गंदगी का ढेर लगाया जा रहा है। कई बार पालिका प्रशासन से इधर कूड़ा न डालने को कहा गया मगर इस पर ध्यान नही दिया गया। कूड़ा पड़ा होने से गांव के लोग अपने खेतों की ओर नहीं पहुंच पा रहे हैं। गंदगी से बेहद परेशानी हो रही है। उन्होने कहा कि अब नवादा के नागरिकों ने मन बना लिया है कि इस समस्या को लेकर आंदोलन किया जाएगा। किसानों का कहना है कि पालिका प्रशासन को दूसरी जगह पर कूड़ा डालना चाहिए। आंवला रोड पर कूड़े की वजह से छुट्टा पशुओं का झुंड घूमता रहता है जो लोगों पर हमले भी करता है।

बदायूं डायरी

एसडीएम की अध्यक्षता में गठित टीम करेगी विद्यालयों की जांच

बदायूं, अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी में तेजी आ गई है। डीएम ने स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की जांच के लिए एसडीएम की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। यूपी बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम जारी हो गया गया है। परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया के तहत स्कूलों के प्रबंधक व प्रधानाचार्यों द्वारा परिषद की वेबसाइट पर आधारभूत सूचनाएं अपलोड की गई है। इनकी जांच के लिए डीएम ने उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया। समितियां स्कूलों में पहुंचकर 11 से 17 नवम्बर तक जांच कर आख्या उपलब्ध कराएंगी।

एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बताए आय बढ़ाने के उपाय

बदायूं, अमृत विचार : विकासखंड दातागंज सभागार में उसावा, म्याऊं, दातागंज एवं समरेर ब्लॉक के पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को एक दिवसीय ओएसआर स्वयं की आय के स्रोत पर प्रशिक्षण दिया। आरंभ ब्लॉक प्रमुख अतेंद्र विक्रम सिंह ने किया। मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार सक्सेना व सुरेंद्र सिंह ने स्वयं के आय के स्रोत के बारे में विस्तार से चर्चा की। ग्राम पंचायतें अपनी आय कैसे बढ़ा सकती हैं इस पर व्यवहार विज्ञान के सिद्धांत पर चर्चा की गई। एडीओ आईएसबी अरविंद कुमार, सचिव नेम सिंह, मनोज कुमार राम, सूरजभान कश्यप, रजत, सुधीर कुमार सिंह, ग्राम प्रधानों में हुमा बी आदि मौजूद रहे।

शिविर में समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने का दिया संदेश

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में रेंजर-रोवर इकाइयों के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को आरंभ हुआ। पहले दिन प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने स्काउट गाइड का ध्वजारोहण कर सभी रेंजर-रोवर प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा, सहयोग एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। प्रशिक्षक असरार अहमद, रेंजर लीडर शशि प्रभा, डॉ. सरिता, रोवर लीडर डॉ. प्रेमचंद व डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. सारिका, डॉ. रविन्द्र सिंह यादव, डॉ. बबीता यादव आदि उपस्थिति रही।

विधिक सचिव ने सोशल मीडिया के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : सोमवार को शहर के सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विधिक सचिव शिव कुमारी ने छात्राओं को शासन की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया के प्रति जागरूक किया। विधिक सचिव ने छात्राओं से कहा कि उन्हें सोशल मीडिया साइटों का उपयोग उचित दिशा में प्रयोग करना चाहिए। अश्लील सामग्री से दूरी बनाकर रखना चाहिए। 13 नवंबर को होने वाली लोक अदालत के बारे में बताया। इस मौके पर रविकांत पाण्डे, कशिश सक्सेना, छवि वैश्य आदि उपस्थित रहे।

आपूर्ति विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

अधिकारी को ज्ञापन देते किसान नेता केपीएस राठौर व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन असली ने सोमवार को मालवीय आवास गृह पर राशन वितरण प्रणाली में हो रहे घोटाले को लेकर प्रदर्शन किया। आपूर्ति विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

भाकियू असली के जिला अध्यक्ष केपी एस राठौर ने कहा कि तहसील दिवस में आपूर्ति विभाग के कुछ अधिकारियों कर्मचारियों की शिकायत की गई थी।दूसरे विभाग के अधिकारियों से जांच कराने की मांग की गई थी, लेकिन विभाग के कर्मचारियों ने राशन डीलरों से साठगांठ कर मामला रफा दफा कर दिया गया। उनसे मन मुताबिक लिखवा लिया गया। किसान नेता ने बताया कि विकासखंड सलारपुर के एक ग्राम में युवती की शादी 6 साल पहले हो चुकी है। फिर भी उसके नाम से राशन की दुकान चलाई जा रही है। इसी तरह ब्लॉक जगत के एक ग्राम में एक व्यक्ति के नाम से दुकान चलाई जा रही है, जो अवैध है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। आरोप लगाया कि एक अधिकारी हर माह मोटी रकम लेकर राशन की दुकान चलवा रहे हैं। जिलाध्यक्ष केपी एस राठौर ने डीएम को दिए ज्ञापन में मांग की है कि इस भ्रष्टाचार की जांच के लिए कमेटी गठित की जाए और दोषी कर्मचारियों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस मौके पर ज्ञापन में चेतावनी दी गयी है कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा आपूर्ति कार्यालय का घेराव किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में जसवीर सिंह यादव, सूरजपाल सिंह, हरीश पटेल, हरबंस पटेल, मोहम्मद तारिक, कमल गुप्ता, विपिन, महेश पाल सिंह सहित अनेकों किसान मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बहन से की छेड़छाड़ विरोध पर भाई को पीटा

बदायूं, अमृत विचार : उझानी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि 4 नवंबर की सुबह लगभग 11 बजे उनकी बहन खेत पर परिजनों को खाना देर वापस लौट रही थी। रास्ते में अली शेर, आशीष, आर्यन ने उनकी बहन को गन्ने के खेत में खींच लिया और अश्लीलता करते हुए जमीन पर गिरा दिया। बहन ने शोर मचाया। वह मौके पर पहुंच गए। आरोपी मौके से भाग गए। शिकायत करने पर उनके परिजनों ने मारपीट की। पुलिस ने आरोपी आशीष, आर्यन, गौरव, बदन सिंह और राजेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अधिवक्ता की मौत पत्नी पर रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : पत्नी से परेशान होकर दातागंज कोतवाली क्षेत्र के बेहटा माधो निवासी अधिवक्ता दुर्विजय सिंह ने 8 नवंबर को सुबह पांच बजे फंदा लगाकर जान दे दी थी। उनकी जेब से सुसाइड नोट मिला था। जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी पर आरोप लगाए थे। अब मृतक के भाई कृपाल सिंह ने मृतक की पत्नी पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कूटरचित तरीके से कराया बैनामा, रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : मधुवन कॉलोनी निवासी आदित्य कुमार गुप्ता ने शेखपुट्टी निवासी कमला तिवारी और तिलक तिवारी पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी कंचन गुप्ता ने कमला तिवारी से एक जमीन का बैनामा कराया था। जिसके कुछ दिनों के बाद तिलक तिवारी और कमला तिवारी उनके घर पर आए। गांव दौरी नरोतमपुर की जमीन बेचने का प्रस्ताव दिया। 18.82 लाख रुपये में खेत बेचने की सहमति बनी। जिसके बाद कूटरचित तरीके से जमीन का बैनामा करा दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर की आत्महत्या

बदायूं, अमृत विचार : जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव मलिकपुर बिचौला निवासी हरिओम गुप्ता का काफी समय से अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। जिससे परेशान होकर एक दिन वह पास के गांव की बाजार गए थे। जहां से विषाक्त पदार्थ लाकर खा लिया। राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जाम से जूझे लोग, रेंगते रहे वाहन

ऑटो और ई रिक्शा से लग रहा जाम, गांधी ग्राउंड रोड से निकलना हुआ मुश्किल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

गद्दी चौक पर लगे जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : वाहन चालकों के लिए सोमवार का दिन भारी रहा। हर सड़क पर जाम की समस्या से जूझना पड़ा। जाम के चलते वाहन रेंगते हुए आगे निकले। ट्रैफिक व्यवस्था फेल रही जिससे लोगों को जाम के झाम से दो चार होना पड़ा।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। हर चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड की ड्यूटी रहती है। इसके बाद भी बेतरतीब दौड़ने वाले ऑटो और ई रिक्शा परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। सोमवार को सुबह 10 बजे से शहर की अनेक सड़कों पर जाम लगना शुरू हो गया। पुलिस लाइन चौराहे पर दोपहर 12 बजे ऑटो ई रिक्शा दोनो ओर खड़े हो गए जिससे बाहर से आने वाली रोडवेज की बसें जाम में फंस गई। करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। जाम लगने से फर्रुखाबाद रोड से आने वाली रोडवेज बस और प्राइवेट बसें तथा अन्य वाहन जाम में जाम से जूझते रहे। उधर, इंदिरा चौक पर भी दोपहर को करीब आधा घंटे जाम से वाहन चालक परेशान रहे। बरेली को जाने वाले वाहन जाम में फंसे रहे। ट्रैफिक पुलिस ने किसी तरह जाम खुलवाया उसके बाद रोड पर वाहन निकल सके। शहर के बीचो बीच गद्दी चौक पर दोपहर एक बजे जाम ने पूरा यातायात ठप कर दिया। यहां पर ट्रैफिक पुलिस के न होने से चौराहे पर ऑटो और ई रिक्शा चालकों ने इधर-उधर से अपने वाहन घुसा कर रोड पर ब्रेक लगा दिए। जाम की स्थिति यह रही की स्थानीय दुकानदारों ने भी मेहनत कर वाहनों को किसी तरह आगे पीछे करा कर जाम खुलवाया। गद्दी चौक पर जाम लगने से गांधी ग्राउंड रोड पूरी तरह जाम हो गया। उधर, रजी चौक तक वाहनों की कतार लग गई जिससे बाइक चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रोडवेज बस स्टेंड के निकट खड़े ऑटो ई रिक्शा चालकों ने दोनों ओर के रोड जाम कर दिए जिससे रोडवेज की बसें भी जाम की शिकार हो गई। यहां पर रोडवेज के परिचालकों ने डंडा फटकार कर ऑटो चालकों को दौड़ाया जिसके बाद जाम खुल सका।

बस चालकों ने बयां किया दर्द

बस चालकों का कहना है कि रोडवेज बस स्टेंड से लेकर पुलिस लाइन चौराहे तक दिन भर बसों को धीमी गति से चलाना पड़ता है जिससे समय बर्बाद होता है, लेकिन ऑटो चालकों पर कोई अंकुश नहीं है। हर जगह खड़े कर दिए जाते हैं। लालपुल पुलिस चौकी से लेकर मुख्य चौराहे तक पुलिस ने कोई ऑटो खड़ा नहीं होने दिया। इससे इस रोड पर जाम नहीं लगा। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि एसपी के निर्देश पर चौराहे पर अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई है जिससे जाम नहीं लग सके। बताया कि इस रोड पर कहीं पर भी ऑटो और ई रिक्शा खड़ा नहीं करने दिया है जिससे बसें और अन्य वाहन फर्राटा मार कर दौड़ रहे हैं। इसी तरह की व्यवस्था होनी चाहिए। लालपुल से बड़ी जियारत तक पुलिस ने बसों और ऑटो चालकों को कहीं नहीं रुकने दिया। जिससे लोगों ने राहत महसूस की।

दिल्ली में घटना के बाद पुलिस अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहर का जायजा लेते डीएम, एसएसपी, एडीएम प्रशासन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : दिल्ली में कार ब्लास्ट के बाद उत्तर प्रदेश में प्रशासन अलर्ट हो गया है। सोमवार को देर शाम डीएम अवनीश कुमार राय, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन अरुण कुमार शहर में सड़कों को निकले। डिपो चौराहे पर बसों से लेकर रेलवे स्टेशन तक चेकिंग की गई। मेटल डिटेक्टर टीम ने यात्रियों के सामान की तलाशी ली। एसएसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को एलर्ट मोड पर रहने के निर्देशित किया है।

● डीएम और एसएसपी ने मेटल डिटेक्टर टीम से कराई चेकिंग

दिल्ली में हुई घटना के चलते जिला व पुलिस प्रशासन ने सघन अभियान चलाया। डीएम और एसएसपी ने शहर में भ्रमण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से दोनों अधिकारियों ने खुद ही डिपो चौराहा और रेलवे स्टेशन पर अभियान चलाया। यात्रियों से बात की। मेलट डिटेक्टर से चेकिंग करने वाली टीम ने बसों को भीतर से लेकर बाहर तक चेक किया। पुलिसकर्मियों ने बसों के नीचे जाकर भी चेकिंग की। इसके अलावा ढाबा, होटल, सराय और अन्य सार्वजनिक स्थान और भीड़भाड़ वाले स्थानों को भी चेक किया गया। एसएसपी ने सभी अधीनस्थों को कहा कि सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहें। छोटी से छोटी सूचना देते रहें। उन्होंने सभी थानों की पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा है। इसके अलावा लोगों से आह्वान किया है कि किसी भी प्रकार के संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बसों के नीचे चेक करती मेटर डिटेक्टर टीम।

सात बीएलओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश

संवाददाता, बिल्सी

● बीएलओ के कार्य न करने पर एसडीएम ने दिया निर्देश

अमृत विचार : एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने सोमवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर कई बूथों का औचक निरीक्षण किया। मौके पर मिले सभी बीएलओ को घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि एसआईआर के इस अभियान को एक महीने तक चलाया जाएगा। इसी दौरान इन प्रपत्रों का वितरण और जमा करना रहेगा। इसलिए सभी बीएलओ समय-सीमा को ध्यान में रख काम करें। जो भी बीएलओ इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने सोमवार को अंबियापुर के भाग संख्या 71, 72 बूथ संख्या का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ देवेंद्र पाल सिंह, बांकेलाल, खेमपाल, कृष्ण गोपाल, जलधारा देवी, सत्येंद्र सिंह, अंजना देवी द्वारा बीएलओ का कार्य न किए जाने के कारण उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया है। वहीं नायब तहसीलदार बदन सिंह यादव ने बिल्सी विधानसभा क्षेत्र के कस्बा उझानी में नगर पालिका परिषद में बीएलओ के साथ बैठक कर एसआईआर के कार्य की समीक्षा की। साथ ही गणना प्रपत्रों के सही भरने, समय पर रिपोर्ट भेजने और जन जागरूकता अभियान चलाने पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर कई बीएलओ मौजूद रहे।

महिला की मौत मामले में ट्रक चालक पर रिपोर्ट

बहजोई, अमृत विचार: बदायूं के थाना बिल्सी के गांव बेहटा जबी निवासी महेश कुमार अपनी पत्नी हरप्यारी के साथ पिकअप से दिल्ली से घर लौट रहे थे। बहजोई इस्लामनगर मार्केट स्थित गांव मिर्जापुर के निकट सड़क के बीच खड़े ट्रक में उनकी पिकअप टकरा गई थी। जिसमें पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हरप्यारी की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। महिला के देवर बलवीर सिंह ने ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा है कि सड़क के बीचो-बीच ट्रक खड़ा कर दिया गया था। इंडिकेटर नहीं लगाया गया था जिस कारण अंधेरे में पिकअप घुस गई थी। पुलिस ने चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सील किए अस्पताल में मारा छापा

कार्यालय संवाददाता, उझानी

● सील किया वार्ड मिला खुला, भर्ती किए जा रहे थे मरीज

● जवाब नहीं मिलने पर ऑपरेशन थियटर किया सील

अमृत विचार : कस्बे में गर्भपात मामले में सील किए गए आशीवाद अस्पताल के वार्ड को खोलकर मरीज भर्ती किए जा रहे थे। सूचना पर पहुंचे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को छापा मारकर मरीजों को भर्ती कराने से संबंधित पूछताछ और अस्पताल के कागज मांगे। कागज न दिखाने पर टीम ने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) सील कर दिया। संचालक को दो दिन में कागज दिखाने का अल्टीमेटम दिया गया है। कागज न दिखाने पर पूरा अस्पताल सील होगा।

उझानी में अनेकों अवैध अस्पताल संचालित हैं। तीन माह पूर्व एक अस्पताल में महिला का गर्भपात कराया गया था।

भारी हंगामा होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल के एक वार्ड को सील कर दिया था। संचालक ने वार्ड खोल लिया। स्वास्थ्य विभाग को बिना सूचना दिए अस्पताल में मरीजों को भर्ती किया जा रहा था। शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। जब सूचना अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। सोमवार को छापा मारने के लिए टीम में एसीएमओ डॉ. मोहन झा, नितिन व एक अन्य को शामिल किया गया। तीन सदस्यीय टीम सोमवार दोपहर आशीर्वाद अस्पताल पहुंच गई। सील किए गए वार्ड में मरीज भर्ती मिले। टीम ने अस्पताल के कागज मांगे तो संचालक ने दो दिन में कागज दिखाने को कहा। छापे के दौरान कई कमरों में मरीज मिलने पर पूछताछ की गई जिस पर कोई जवाब नहीं दिया गया। एसीएमओ डा. मोहन झा ने दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए अस्पताल के ओटी को ओटी सील कर दिया, जबकि अन्य कमरों में मरीज भर्ती रहे। एसीएमओ ने बताया कि यदि समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं दिखाया गया तो पूरा अस्पताल सील कर दिया जाएगा। इसी तरह कस्बे में कई अन्य अवैध अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। उनके खिलाफ भी कार्यवाही करने की बात कही गयी है। सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने कहा कि अस्पताल की ओटी सील कर दी गयी है। संचालक को दो दिन में जवाब देने को कहा गया है।

क्षेत्र में हैं दर्जन भर अवैध अस्पताल

कस्बा उझानी और कछला मुजरिया सहित सहसवान क्षेत्र में करीब दर्जन भर अवैध अस्पताल संचालित हैं।

13 नवंबर को जिला अस्पताल में लगेगा रक्तदान शिविर

बदायूं, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की बैठक सोमवार को कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई। इसमें रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक में उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज रस्तोगी ने कहा कि वंदे मातरम का अपमान सहन किया जाएगा। हिंदुस्तान बजरंग दल के जिला संयोजक हरिओम पाठक ने कहा कि अधिक से अधिक युवा बजरंग दल के मंच पर आकर त्रिशूल दीक्षा लें। बताया कि 13 नवंबर को जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगेगा। जिसमें से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहकर रक्तदान करें। दान किया गया रक्त किसी भी व्यक्ति की जान बचा सकता है। उज्जवल गुप्ता ने बजरंग दल के रक्तदान एवं त्रिशूल दीक्षा तथा विश्व हिंदू परिषद के बैनर पर वंदे मातरम समारोह सप्ताह का कार्यक्रम की जानकारी उपस्थित कार्यकर्ताओं को दी। इस मौके पर डीएन शर्मा, महेश्वर सिंह, अरविंद गुप्ता, अचल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

RMCH BAREILLY

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये

डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त | भर्ती एवं पलंग मुफ्त | भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त

भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त | डिलीवरी मुफ्त | भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में

भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त | भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/- में

भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर

रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पैनलमेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)

1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4. सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम

इम्पैनलमेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)

1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
9. यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इश्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.

*इनवेजन रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply

हेल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145

इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में

एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

जावेद हबीब और उनके बेटे की गिरफ्तारी पर रोक

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मशहूर हेयरस्टाइलिस्ट और व्यवसायी जावेद हबीब तथा उनके बेटे अनोश हबीब को जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोपों से जुड़े मामलों में अग्रिम जमानत प्रदान करते हुए कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने पारित किया।

संभल में जावेद हबीब और उनके बेटे के खिलाफ कुल 32 मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि दोनों ने अपने सहयोगी सैफुल के साथ मिलकर फॉलिकल ग्लोबल नाम की कंपनी बनाई और लोगों को निवेश पर 70 प्रतिशत तक मुनाफा देने का लालच दिया। कंपनी के जरिए कथित रूप से कॉइन निवेश योजना में निवेशकों से करोड़ों रुपये जमा कराए। बाद में यह पैसा न तो लौटाया गया और न ही कोई लाभांश दिया गया। इस तरह लगभग सात करोड़ रुपये की ठगी की गई। संभल पुलिस ने दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था, जिससे वे देश छोड़कर बाहर न जा सकें।

देश-विदेश के जायरीनों ने लगाई हाजिरी

कॉफ्रेंस में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि हजरत सैयद नजीब हैदर नूरी सज्जादानशीन खानकाहे बरकातिया मारहरा शरीफ व अन्य।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उर्से कादरी का कुल शरीफ की फातहा के साथ समाप्त हो गया। मुल्क में अमन चैन व तरक्की की दुआएं मांगी। देशभर से पहुंचे जायरीनों-अकीदतमंदों ने चादर व गुलपोशी की। काजी ए जिला हजरत अब्दुल गनी मोहम्मद अतीफ मियां कादरी ने कहा कि मुश्किल वक्त में घबराना नहीं चाहिए। हमें कामयाब होने के लिए नमाज और कुरान से रिश्ता मजबूत करना होगा।

विश्व प्रसिद्ध दरगाह आलिया कादरिया पर हजरत शाह ऐनुल हक अब्दुल मजीद कादरी बदायूंनी रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय 184वां सालाना उर्स-ए-कादरी मनाया गया।

मुख्य अतिथि हजरत सैयद नजीब हैदर नूरी सज्जादानशीन खानकाहे बरकातिया मारहरा शरीफ रहे। काजी ए जिला और हजरत मौलाना फजले रसूल मोहम्मद अज्जाम मियां कादरी ने उनका स्वागत किया। रविवार देर रात तक कादरी मजीदी कांफ्रेंस में उलेमाओं ने मजहबी तकरीर पेश की। रूहानी व पाकीजा कलाम पेश किए गए। पूरी रात अरबी, फारसी और उर्दू तकरीरों का दौर चला। सोमवार को फजर की नमाज के बाद कुल शरीफ की फतहा के साथ उर्स का समापन हुआ। मुल्क में अमन चैन व तरक्की की दुआएं मांगी।

उर्स में चादरपोशी के बाद दुआ मांगते पूर्व मंत्री आबिद रजा व अन्य। ● अमृत विचार

दरगाह में चादरपोशी कर पूर्व मंत्री ने मांगी दुआ

बदायूं, अमृत विचार : दरगाह आलिया कादरिया में हजरत शाह ऐनुल हक कादरी के उर्स में पूर्व मंत्री आबिद रजा ने शिरकत की। दरगाह जाकर चादरपोशी और गुलपोशी की। उनकी ओर से उर्स में शिविर लगाया गया। जिसमें लंगर तकसीम किया गया। कौम और मुल्क के की तरक्की के अलावा दुआ मांगी कि जिला और पूरे देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख ईसाई एक दूसरे से मोहब्बत करें। इंसानियत का पैगाम पूरी दुनिया में दें। सोहिल सिद्दीकी, साजिद, फरहत सिद्दीकी, सभासद अनवर खां, छोटा, मुशाहिद सैफी, पूर्व सभासद माजिद खां, अफसर अली खां, कौसर अली खान, समर खां, मोहम्मद मियां, छोटू, बबलू, चुन्नू मियां, वसीम सैफी, शहंशाह गाजी, समीउद्दीन आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9756905552, 8445507002

सम्बन्ध विच्छेद सूचना

मैंने अपने पुत्र कुशल अग्रवाल को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति व सामाजिक रिश्तों से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं होगा। संजय कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. फतेह चन्द निवासी-मोहल्ला बाजार-2, पलियाकलां, खीरी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र राम शंकर मिश्रा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। रोशन लाल पुत्र जानकी प्रसाद निवासी ग्राम शेखापुर थाना भुता तहसील फरीदपुर जिला बरेली।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्रों सुम्मेर लाल, रंजीत व मुनीश पाल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का उनसे कोई वास्ता नहीं होगा। श्याम लाल पुत्र लेखराज निवासी नगीरामपुर तह. फरीदपुर जिला बरेली।

REQUIREMENT

Bushra Convent Inter College Jagatpur Old City, Bareilly required English, Hindi, Maths, Bio, Sanskrit, PTI, Music Teacher for Class VI to XII. Mo. No. / Whatsapp- 9997381145, & mail id bushraconventschool@gmail.com
Manager
Bushra Convent Inter College

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मधुपेश बने साहित्य परिषद के अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय साहित्य परिषद का तीन दिवसीय 17वां राष्ट्रीय अधिवेशन 'आत्मबोध से विश्वबोध' के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। देशभर के एक हजार से अधिक साहित्यकारों, चिंतकों और विद्वानों ने नई कार्यकारिणी का गठन भी किया। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील चंद्र त्रिवेदी 'मधुपेश' और महामंत्री डॉ. पवनपुत्र बादल बनाए गए। यूपी के मीडिया प्रमुख अविनाश चन्द्र मिश्र ने बताया कि अधिवेशन के दौरान पांच सत्रों में विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई और कई ठोस प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन के समापन सत्र में परिषद की नई केंद्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसके अनुसार प्रो. बलवंत भाई जानी और श्रीधर पराड़कर संरक्षक बनाए गए।

स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में यूजी की रिक्त लगभग 206 सीटों पर दाखिले के लिए नीट यूजी की स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग 11 नवम्बर मंगलवार से शुरू होगी। उक्त प्रक्रिया में 17 नवंबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे इसके बाद 18 से 20 नवंबर तक दाखिले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने सोमवार को बताया कि काउंसिलिंग में अभ्यर्थी 11 नवंबर से 14 नवंबर सुबह 11 बजे तक आनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे साथ ही धरोहर धनराशि भी जमा किया जा सकेगा। उसी दिन 14 नवंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 17 नवम्बर तक अपनी पसंद के कॉलेज की प्राथमिकता देनी होगी और उसी दिन सीट आवंटित कर दी जाएंगी।

भारत पर्व में दिखेगी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात में आयोजित होने वाले 'भारत पर्व' में शामिल होने के लिए प्रदेश के विभिन्न अंचलों से चयनित कलाकारों एवं विभाग के कर्मचारियों का दल दो बसों द्वारा रवाना हो गया है। सांस्कृतिक दलों को संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को अपनी शुभकामनाओं के साथ विदा किया। कलाकारों द्वारा लोकसंस्कृतियों की प्रस्तुति से उत्तर प्रदेश की 'उन्नत संस्कृति एवं समग्र विकास' की झलक पूरा देश देखेगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने कहा कि भारत पर्व 2025 में उप्र. का यह सांस्कृतिक दल न केवल अपनी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रदर्शन करेगा, बल्कि ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' की भावना को कला और लोकजीवन के माध्यम से साकार करेगा।

जनजाति भागीदारी उत्सव 13 से

अमृत विचार, लखनऊ : लोकनायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश में 13 से 18 नवंबर तक "राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव" का आयोजन किया जाएगा। "जनजाति गौरव दिवस" के अंतर्गत आयोजित होने वाले भागीदारी उत्सव में सोनभद्र में 15 नवंबर को आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह तथा समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सोमवार को लोकभवन में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले इस उत्सव में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखेगी। वर्ष 2022 से केंद्र सरकार ने बिरसा मुंडा जयंती को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। उन्होंने बताया कि उत्सव में 18 राज्यों के लगभग 600 जनजातीय कलाकार अपने पारंपरिक नृत्य, गीत, और वाद्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता और एकता का संदेश देंगे।

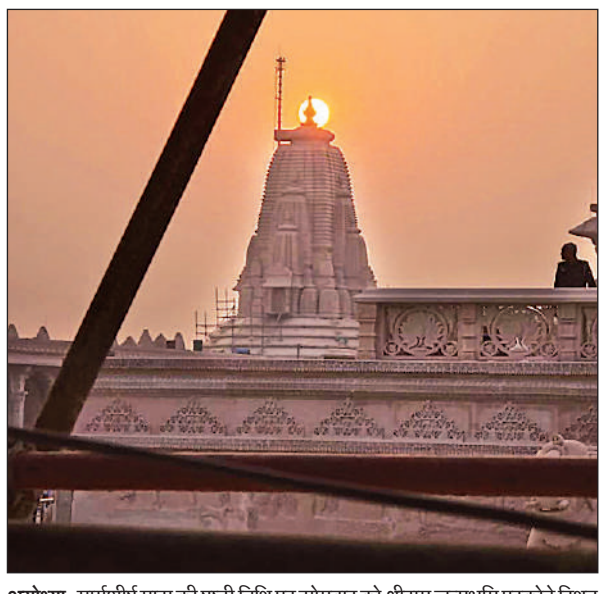

अयोध्या : मार्गशीर्ष मास की षष्ठी तिथि पर सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि परकोटे स्थित सूर्य देव मंदिर में अद्भुत दृश्य देखने को मिला। प्रात :कालीन अरुणिमा के बीच सूर्यदेव की स्वर्णिम किरणों ने मंदिर गर्भगृह में प्रवेश कर स्वयं अभिषेक किया। भक्तों ने इसे दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक माना।

कृत्रिम गर्भाधान में खेल, फंसे चार हजार पशुमैत्री

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- पशुधन विकास परिषद से प्रशिक्षण लेकर निजी कंपनियों को पहुंचा रहे लाभ
- 200 रुपये तक सीमन खरीदकर एक हजार रुपये तक में करते कृत्रिम गर्भाधान

अमृत विचार : प्रदेश में कृत्रिम गर्भाधान (आर्टीफिशयल इनसेमिनेशन) से गाय व भैंस की नस्ल सुधारने के लिए रखे गए करीब चार हजार पशु मैत्रियों की निजी कंपनियों से बड़ी मिलीभगत सामने आई है। जिन्हें गांव-गांव पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करने के लिए उप्र पशुधन विकास परिषद ने प्रशिक्षित कर रखा है, वे प्रशिक्षण लेकर कंपनियों को लाभ पहुंचा रहे हैं। यह लोग विभागीय लक्ष्य पूर्ण न करके निजी कंपनियों से 200 रुपये तक का सीमन खरीदकर पशुपालक से एक हजार रुपये तक की वसूली करते हैं। जबकि योजना के तहत परंपरागत सीमेन निःशुल्क और बछिया वाले का 100 रुपये शुल्क लगता है।

ज्यादातर पशु मैत्रियों ने अपने अधीन तीन से चार लोगों को लगा रखा है। इनके अप्रशिक्षित हाथों से पशुओं के अंदर गर्भाधान का उपकरण डालने से बच्चेदानी तक फट जाती है। यह पशु क्रूरता के तहत आता है। जबकि विभाग की ओर से प्रशिक्षित पशुमैत्री, सरकारी चिकित्सक व पशुधन प्रसार अधिकारी ही करते हैं। इनके अलावा कोई नहीं कर सकता है। सीमेन भी कंपनियां नहीं बेच सकती हैं। इसके बाद भी कंपनियां गांवों में बिक्री प्वाइंट बनाकर वाहनों से सीमेन बेच रही हैं। यह बात सम्बंधित पशु चिकित्सकों से छिपी भी नहीं है। इस खेल में शामिल चार हजार पशु मैत्रियों से परिषद 51 हजार रुपये की किट और तीन माह के प्रशिक्षण में खर्च 30 हजार रुपये वसूलने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

कानपुर में बड़े स्तर पर गोलमाल

पशु मैत्री को टीकाकरण और गर्भाधान के लिए रखा जाता है। एक केस पर योजना के तहत 50 रुपये मिलते हैं और बच्चा होने पर प्रोत्साहन के तौर पर 100 रुपये मिलते हैं। पूरी प्रक्रिया की भारत पशुधन एप पर फीडिंग करनी होती है। लेकिन, निजी स्तर से मैत्री इससे अधिक कमाई करते हैं। इन्हीं कारणों से इस माह पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान की प्रगति काफी धीमी है। 5 नवंबर तक 1.44 करोड़ पशुओं में 31.26 फीसद पूर्ति हुई है। कानपुर में बड़े स्तर पर यह खेल होना बताया जा रहा है। पशुमैत्री के अलावा कई युवा ग्रुप बनाकर पशुओं का उपचार करके जान ले रहे हैं।

सरकारी गैस का हो रहा निजी इस्तेमाल

पशुमैत्री को दी गई किट में एक से तीन लीटर का कंटेनर होता है। इसमें एलएनटू यानी नाइट्रोजन लिक्विड गैस से सीमेन सुरक्षित रहता है। एलएनटू परिषद द्वारा ही उपलब्ध कराई जाती है। किल्लत के कारण बाहर आसानी से नहीं मिलती है। फिर भी पशुमैत्री अस्पतालों से एलएनटू लेकर उनका निजी इस्तेमाल करते हैं।

> ऐसे मामलों में केंद्र के पीसीडीआई अधिनियम के तहत डीएम स्तर से कार्रवाई की जाती है। लेकिन, अब प्रदेश सरकार भी कार्रवाई के लिए प्रजनन अधिनियम बना रही है। इसके बनने से और सख्ती के साथ कार्रवाई होगी। करीब चार हजार पशुमैत्रियों से किट व खर्च वसूला जा रहा है।
>
> – डॉ. पीके सिंह, सीईओ, उप्र पशुधन विकास परिषद

प्रदेश में हाई अलर्ट : धार्मिक स्थलों व सीमावर्ती इलाकों की बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन धमाके के बाद डीजीपी ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस कमिश्नर व एसपी को दिए निर्देश, पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरी पुलिस, चेकिंग शुरू

अमृत विचार : दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके के बाद मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। सभी पुलिस कमिश्नर, एसएसपी, एसपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा है। संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टेशन व बाजारों समेत सभी मॉल में चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। पूरे प्रदेश में पुलिस ने चेकिंग अभियान देर शाम से शुरू कर दिया है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी फील्ड में उपस्थित रहने के साथ ही तथा संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, सार्वजनिक आयोजनों एवं धार्मिक स्थलों का स्वयं भ्रमण, निरीक्षण एवं पेट्रोलिंग करने को कहा है। साथ ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले स्थानों व अन्य संवेदनशील बिंदुओं की सुरक्षा व्यवस्था की पुनः समीक्षा के निर्देश दिए है। इसके अलावा वाहनों की चेकिंग, मेट्रो, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मॉल, सिनेमा हॉल तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन और भीड़भाड़ वाले जगहों पर सघन सतर्कता बरतने को कहा है। इसके अलावा डीजीपी ने एटीएस, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वॉड को तत्पर मोड में रखा जाए तथा फुट पेट्रोलिंग और एरिया डोमिनेशन बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सीसीटीवी फ़ीड्स का रीयल-टाइम विश्लेषण कर तथा स्थानीय खुफिया तंत्र तथा नागरिक सूचना नेटवर्क को सक्रिय कर संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों की तुरंत रिपोर्टिंग करने के लिए कहा है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लावारिस वस्तुओं और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग के भी निर्देश दिए है। वहीं यूपी 112 पीआरवी निरंतर संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण करने और सोशल मीडिया की लगातार निगरानी करते हुए हर इनपुट को गंभीरता से लेते हुए अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए है।

लखनऊ में मल्टी लेवल पार्किंग में डॉग स्क्वॉड के साथ चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी।

दिल्ली में धमाके के बाद राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी। अमृत विचार

> यूपी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। लखनऊ से संवेदनशील इलाकों में गश्त और जांच बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है। –अमिताभ यश, एडीजी कानून-व्यवस्था, उप्र.

लखनऊ से महिला डॉक्टर को किया गिरफ्तार एके-47 बरामद हुई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फरीदाबाद से पकड़े गए आतंकी डॉ. मुजम्मिल की गर्लफ्रेंड है गिरफ्तार महिला डॉक्टर

अमृत विचार : जम्मू कश्मीर पुलिस ने लखनऊ में बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया। उनका कनेक्शन आतंकी गिरोह से था। पुलिस ने शाहीन की कार से एके-47 भी बरामद किया है। गिरफ्तारी के तत्काल बाद आरोपी डॉक्टर को पुलिस जम्मू-कश्मीर लेकर चली गई।

पुलिस के अनुसार डॉक्टर शाहीन फरीदाबाद आतंकी साजिश में गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। मुजम्मिल इस महिला डॉक्टर की कर का इस्तेमाल करता था। शाहीन का पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजवत-उल-हिंद से जुड़े होने के आरोप है। फिलहाल पुलिस महिला डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक गुप्त ऑपरेशन के तहत इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। जांच में सामने आया है कि डॉक्टर शाहीन शाहिद का संपर्क कई संदेश नेटवर्क से था। डॉक्टर शाहीन की डोर पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस का दावा है कि माड्यूल भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को संचालित करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर शाहीन का नाम अलीगढ़ स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तरह का आतंकी फंडिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा था। पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसी शाहीन के डिजिटल डिवाइस बैंक लेनदेन और विदेश के कनेक्शन की जांच कर रही है।

बलात्कार के आरोप में वकील गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी: जिले में एक महिला से बलात्कार करने के आरोप में एक वकील को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एक महिला ने गत सात नवंबर को एकता थाने में दी गई तहरीर में कहा था कि उसका बलात्कार का एक मामला अदालत में चल रहा था। उनके अनुसार, आरोपी पक्ष के वकील जितेंद्र ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करने का प्रस्ताव रखा था जिस पर रजामंदी भी बन गई थी।

उन्होंने बताया कि महिला का आरोप है कि विगत छह नवंबर को जितेंद्र ने उसे समझौते के लिए बुलाया, अपनी कार में बैठा कर धोखे से शराब पिलाई और एक होटल में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया।

पटेल जयंती पर भाजपा की यूनिटी मार्च पदयात्राएं शुरू, दिया गया एकता का संदेश

अमृत विचार, लखनऊ : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी की बहुप्रतीक्षित 'यूनिटी मार्च पदयात्राएं' सोमवार को पूरे जोश के साथ शुरू हो गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर विधानसभा से पदयात्रा का शुभारंभ किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अयोध्या जिले की गोसाईगंज विधानसभा में, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ जिले की बख्शी का तालाब (बीकेटी) विधानसभा में और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कानपुर कैंट विधानसभा में भाग लेकर एकता का संदेश दिया।

जनसमूह से ओतप्रोत पदयात्राओं में मां भारती के जयगान और सरदार पटेल अमर रहें के नारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि देश की एकता और विकास के लिए हर नागरिक सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाए। 11 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी बाराबंकी जिले की कुर्सी विधानसभा में पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रायबरेली जिले की बछरावां विधानसभा में जनता से जुड़ेंगे। इस अवसर पर कई वरिष्ठ मंत्री और संगठन के पदाधिकारी प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदयात्राओं में भाग ले रहे हैं। अभियान के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा महामंत्री संजय राय ने बताया कि मंगलवार को प्रदेशभर में पदयात्राओं का विस्तार होगा। सोमवार को भी विभिन्न जिलों में मंत्री और पदाधिकारी पदयात्राओं में उतरे।

एल्कोहल चोरी में सहायक आबकारी आयुक्त बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बीते साल मे. स्टार लाईट ब्रुकेम लि., नवाबगंज आसवनी, गोंडा से 27610 ली. एल्कोहल चोरी हुआ था। इस मामले में छानबीन के बाद सहायक आबकारी आयुक्त रामप्रीत चौहान को सीधे सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इससे पूर्व दिसंबर 2024 में शासन ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए रामप्रीत चौहान को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए थे।

इस मामले में सहायक आबकारी आयुक्त रामप्रीत चौहान की तरफ से ही एफआईआर दर्ज करायी गयी थी। साथ ही इसकी पूरी रिपोर्ट आबकारी आयुक्त को भेजी थी। बाद में जब आबकारी मंत्री ने विभागीय जांच के आदेश दिए तो जांच अधिकारी की जांच में रामप्रीत चौहान को ही दोषी पाया गया। मालूम हो कि, नवम्बर 2024 में 27,610 लीटर बल्क लीटर ईएनए (एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल) के बह जाने/चोरी हो जाने का प्रकरण प्रकाश में आया था। इसके बाद फैक्ट्री का लाईसेंस रद्द करते हुए उसको सील करा दिया गया था। मामले में फैक्ट्री के चेयरमैन समेत 6 लोगों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इस चोरी के चलते राज्य सरकार को 2.73 करोड़ रुपये के आबकारी राजस्व की हानि हुई।

एसआईआर में 'आधार' मान्य करवाएंगे : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- पार्टी मामले को लेकर जाएगी सुप्रीम कोर्ट

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में पीडीए का एक भी वोट नहीं कटना चाहिए। मतदान एसआईआर में आधार को न मानने के मामले में उन्होंने कहा कि सपा इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी, न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और आधार को मनवाएंगे।

सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अयोध्या में बीएलओ द्वारा उपलब्ध करायी गयी 2003 की मतदाता सूची को दिखाते हुए कहा कि इसमें मोहल्लों के लोगों के नाम ही नहीं हैं, जबकि समय के साथ आबादी बढ़ी है। सरकार अपने ही कागज 'आधार' को नहीं मान रही है।गांजा पकड़े जाने और संबन्धित के यहां करोड़ों की नकदी मिलने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सब चंगा, जहां पकड़ा जाए गांजा। लगता है पूरी भाजपा गांजा के काम में लगी है। खांसी की दवा सिरप का नशे में इस्तेमाल हो रहा है। इस घोटाले में भाजपा भी शामिल है। दस साल में स्मार्ट सिटी के नाम पर शहरों को भाजपा ने बर्बाद कर दिया है। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में कहीं खाद उपलब्ध नहीं है। किसान की आय दुगनी नहीं हुई है।

सपा मुख्यालय पर खजांची का जन्मदिन मनाते अखिलेश यादव, साथ में शिवपाल सिंह।

भाजपा सरकार रहने तक मनाएंगे 'खजांची' का जन्मदिन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक भाजपा की सरकार है, खजांची का हम जन्मदिन इसी तरह हर वर्ष मनाते रहेंगे। सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय पर सोमवार को नोटबंदी के बाद बैंक की लाइन में जन्म लेने वाले बच्चे का जन्मदिन मना रहे थे, जिसका नाम उन्होंने खजांची रखा था, खजांची को सालगिरह पर उसे लड्डू और केक खिलाकर नकद रुपये और उपहार सपा नेताओं की ओर से भेंट किये गये। अखिलेश यादव ने कहा कि नोटबंदी से व्यापार डूब गया। काला धन सफेद हो गया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास दिलाने, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों की शादी और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के उपचार में आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं और पारदर्शिता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करें।

दुर्भाग्यपूर्ण | अफसरों का बड़ा भ्रष्टाचार, सरकार सख्त कार्रवाई की तैयारी में

जल जीवन मिशन में जमीनी हकीकत चौंकाने वाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देश के 15 राज्यों की 85 फीसदी शिकायतें अकेले यूपी से

अमृत विचार : केंद्र और प्रदेश सरकार के संयुक्त निगरानी मिशन 'जल जीवन मिशन' की जमीन पर हकीकत बेहद चौंकाने वाली है। मिशन का उद्देश्य तो हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाना था, लेकिन भ्रष्टाचार, ढिलाई और लापरवाही के चलते इस मिशन की चपेट में यूपी भी आ गया है।

केंद्र सरकार द्वारा कराई गई जांच में 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 16,634 शिकायतों में से 14,264 शिकायतें अकेले उत्तर प्रदेश से दर्ज हुईं, यानी लगभग 85 प्रतिशत शिकायतें सिर्फ यूपी की हिस्सेदारी में आईं। यह आंकड़ा केंद्र और राज्य दोनों के लिए चिंता का विषय है। मिशन के क्रियान्वयन में जहां एक ओर भ्रष्टाचार की गंध मिल रही है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

राज्य डैशबोर्ड पर भी बड़ा खुलासा

उत्तर प्रदेश के आधिकारिक 'जल जीवन मिशन डैशबोर्ड पर भी शिकायतों की तादाद बड़ी संख्या में दर्ज है। ताजा आंकड़ों के अनुसार कुल शिकायतें 26,562 हैं, जबकि निपटाए गए मामलों की संख्या 19,921। ऐसे में अब भी लंबित मामले 6,641 हैं। यह स्पष्ट करता है कि मिशन की पारदर्शिता और जमीनी कार्यों में गंभीर खामियां हैं। कई जिलों में पाइपलाइनें बिछीं, लेकिन पानी अब तक नहीं पहुंचा। कई जगह पानी भरते ही करोड़ों की लागत से बनीं टंकियां भरभराकर ढह गईं।

प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहले ही अफसरों को चेतावनी दे चुके हैं कि यदि किसी क्षेत्र में अधिकारी तैनाती के दौरान शिकायतों के समाधान में लापरवाही करते हैं, तो ट्रांसफर, सस्पेंशन या अभियोजन जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभागीय समीक्षा बैठकों में अब हर जिले के लंबित मामलों की रिपोर्ट प्रतिदिन ली जा रही है। राज्य सरकार ने अब केंद्र के साथ मिलकर एक संयुक्त विजिलेंस मैकेनिज्म तैयार करने की योजना बनाई है ताकि फील्ड स्तर पर जवाबदेही तय की जा सके। हर घर नल का सपना तभी साकार होगा जब अफसरशाही जवाबदेह बने और ठेकेदारी तंत्र में पारदर्शिता आए। यह मिशन में क्लीन गवर्नेंस की सबसे बड़ी परीक्षा है।

फटी पाइपलाइनें

राज्य के लखीमपुर खीरी, बस्ती, प्रतापगढ़, बलिया, हरदोई और फतेहपुर जिलों में ग्रामीणों ने घटिया निर्माण और जल आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन किया है। कई जगह पाइपलाइनें टूट चुकी हैं, जल की गुणवत्ता खराब है और नल सूखे पड़े हैं। शिकायतों के बावजूद विभागीय कार्रवाई धीमी है।

पश्चिम यूपी का गिरोह कर रहा ऑक्सीटोसिन का काला कारोबार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मेरठ व बागपत से लेकर लखनऊ तक फैला है गिरोह का नेटवर्क

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में ऑक्सीटोसिन के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने रविवार को गोमतीनगर के उजरियांव गांव में छापेमारी कर ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया, जो बिना लाइसेंस ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाकर सप्लाई कर रहा था। एसटीएफ ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीसरा सदस्य नौशाद फरार है।

जांच में सामने आया है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गिरोहों ने लखनऊ में ठिकाना बना रखा है और मुस्लिम बस्तियों को आधार बनाकर अवैध कारोबार चला रहे हैं। गिरोह का नेटवर्क मेरठ, बागपत से लेकर लखनऊ तक फैला है। ये लोग बिहार से ऑक्सीटोसिन का पाउडर मंगवाकर इंजेक्शन तैयार करते और बेचते थे। एसटीएफ अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह के मुताबिक, गोमतीनगर के उजरियांव गांव में छापेमारी कर बागपत बड़ौत निवासी कयूम अली और मदेयगंज कदम रसूल निवासी मो. इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया है। तीसरा आरोपी नौशाद, जो लक्ष्मी गार्डन मदीना मस्जिद, इंदिरापुरी थाना लोनी, जिला गाजियाबाद का रहने वाला है, फरार है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके पास किसी प्रकार का लाइसेंस नहीं है। वे बिना बिल और बाउचर के ऑक्सीटोसिन खरीदते और बेचते हैं।

डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी में ऑक्सीटोसिन बनाकर बेचने वाले कई गिरोह सक्रिय हैं। बीते एक वर्ष में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने करोड़ों रुपये के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन जब्त किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

वालीबॉल प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी आज से दिखाएंगे दम

बरेली, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आयोजन में बरेली को राष्ट्रीय स्कूल गेम्स वालीबॉल अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग चैंपियनशिप की मेजबानी लगातार दूसरी बार मिली है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में हो रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 9 बजे मैचों के साथ किया जाएगा। ओपनिंग सेरेमनी में शाम 4 बजे मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री रहेंगे। प्रतियोगिता में देशभर की 70 टीमों के 836 खिलाड़ी मंगलवार से अपने राज्यों की प्रतिभा दिखाने वालीबॉल कोर्ट में उतरेंगे। इसमें बालक वर्ग में राज्यों से 23, केंद्र शासित प्रदेशों से 6 और यूनिट्स से 7 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। वहीं बालिका वर्ग में राज्यों से 22, केंद्र शासित प्रदेशों से 6 और यूनिट्स से भी 6 टीमें शामिल हो रही हैं। दोनों वर्गों की टीमों के साथ 146 टीम मैनेजर और कोच भी सम्मिलित होंगे।

केबी त्रिपाठी बने कांग्रेस के पश्चिमी कॉर्डिनेटर

बरेली, अमृत विचार : कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. केबी त्रिपाठी को हाईकमान ने नई जिम्मेदारी देते हुए पश्चिमी जोन उत्तर प्रदेश का कॉर्डिनेटर बनाया है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष जिया उर रहमान ने बताया कि डॉ. के बी त्रिपाठी की सक्रियता को देखते हुए राहुल गांधी के प्रारंभ किए गए नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम के तहत उन्हें जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. केबी त्रिपाठी ने नई जिम्मेदारी मिलने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

प्रेमिका से रुपये हड़पने का आरोपी गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने एक युवक को प्रेमिका से रुपये हड़पने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहल्ला आजाद नगर नवादा शेखान निवासी कृष्णांशु सिंह के रूप में हुई है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि 7 नवंबर को मंजू गंगवार निवासी सुरेश शर्मा नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनकी बेटी से आरोपी कृष्णांशु सिंह ने दोस्ती कर काफी रुपये हड़प लिए। अब रुपये न देने पर गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी युवती से इंस्ट्राग्राम पर बातचीत शुरू हुई। उसके बाद दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। आरोपी को शेयर मार्केट में रुपये लगाने की लत है। शेयर मार्केट में रुपये डूबने पर उसे रुपयों की जरूरत थी, जिसके कारण उसने युवती से रुपये लिए थे।

सीआरपीएफ कैंप पर हमले में शामिल आरोपी रिहा

2007 में कैंप पर हुआ था आतंकी हमला, सात जवान हुए थे शहीद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जंग बहादुर के साथ सजा काट रहे मुहम्मद शरीफ की रुकी रिहाई

अमृत विचार : हाईकोर्ट के आदेश पर रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर वर्ष 2007 में हुए हमले के आरोप से बरी हुए जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को सोमवार शाम सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। जंगबहादुर अपने परिजनों के साथ घर के लिए रवाना हुआ। जबकि, उसके साथ सजा काट रहे आतंकी मुहम्मद शरीफ को जुर्माना की धनराशि जमा न करने के कारण अभी भी जेल में रहना होगा। जुर्माने के 20 हजार रुपये जमा होने के बाद उसे भी जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर साल 2007 में आतंकी हमला हुआ था। इसमें सात जवान शहीद हो गए थे। जबकि, गेट पर मौजूद एक रिक्शा चालक की भी मौत हुई थी। वहीं, पांच अन्य लोग घायल हुए थे। आतंकवादियों ने कैंप पर गोलीबारी के साथ ग्रेनेड फेंक कर भी हमला किया था। आतंकी हमले में वर्ष 2019 में रामपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने रामपुर निवासी मोहम्मद शरीफ, बिहार के सबाउद्दीन उर्फ सहाबुद्दीन, कश्मीर के इमरान शहजाद और पाकिस्तान के मोहम्मद फारूख को मौत की सजा सुनाई थी। जबकि, मुरादाबाद के जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मोहम्मद कौसर और गुलाब खान को बरी कर दिया गया था। इस आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता लश्कर का आतंकी सैफुल्लाह 18 मई को पाकिस्तान में मारा जा चुका है। बाकी के सभी आरोपी फरवरी 2008 से जेल में ही बंद थे। इसमें से जंगबहादुर व मुहम्मद शरीफ को बरेली सेंट्रल जेल भेजा गया था। बाकी के सभी दोषियों को लखनऊ जेल में बंद किया गया था। इसी साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को निचली अदालत के सुनाए गए फैसले को पलट दिया।

दोषियों की मौत और उम्रकैद की सजा रद्द कर दी थी, लेकिन शस्त्र अधिनियम की धारा 25 में 10 साल की कैद व प्रत्येक को एक लाख रुपये जुर्माने की सजा बरकरार रखी थी। कोर्ट ने सजा को जेल में बंद रहे दिनों से समायोजित करने का निर्णय दिया था। इसके हिसाब से दोषियों को अब रिहा होना था। सेंट्रल जेल में ई-मेल के माध्यम से शनिवार को परवाना भेजा गया। सेंट्रल जेल के जेलर नीरज कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम को जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को रिहा किया गया है। मुहम्मद शरीफ की जुर्माना राशि जमा होने के बाद उसे भी रिहा किया जाएगा।

फर्जी मैसेज भेजकर युवती से 90 हजार रुपये की ठगी

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक युवती को ठग ने रुपये भेजने का फर्जी मेसेज भेज कर अपने रुपये वापस मांगे। युवती ने ठग के झांसे में आकर उसे 90 हजार रुपये भेज दिए। बैंक खाता चेक करने पर पता चला कि उसके खाते में कोई रुपये नहीं आए थे, जिसके बाद ठगी का अहसास हुआ और तीन ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हनुमान गढ़ी मंदिर के पास रहने वाली काजल त्यागी ने बताया कि उनके मोबाइल पर 4 नवंबर को एक अंजान नंबर से मेसेज आया। मेसेज में बताया गया कि काजल के खाते में कुछ रुपये धोखे से आ गए हैं। इसके बाद नंबर से बार-बार काल और मेसेज आए। काजल ने बिना बैलेंस चेक किए पिता के खाते से 50 हजार रुपये किसी मनोज नाम के खाते में ट्रांसफर कर दिए। बहन के खाते से विमला नाम के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। 90 हजार रुपये ट्रांसफर करने के बाद धोखाधड़ी का पता चला। जिसके बाद 1930 पर काजल ने शिकायत दर्ज कराई।

विकास करने में तीसरे पारदर्शिता में बरेली प्रथम

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पारदर्शी कार्यप्रणाली, विकास एवं राजस्व कार्यों में तेजी से कार्य करने के चलते बरेली ने फिर से प्रदेश में मजबूत पहचान दर्ज कराई है। सोमवार को जारी की गई सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में विकास में तीसरे और पारदर्शिता में बरेली की रैंकिंग अव्वल आई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी अक्टूबर की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली जिले को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। बरेली ने न सिर्फ विकास योजनाओं में बल्कि ओवरऑल रैंकिंग में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में जिले ने यह उपलब्धि हासिल की। डीएम ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह रैंकिंग सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। अधिकारी एवं कर्मचारी इसी निष्ठा और गति से काम करते रहें, ताकि बरेली प्रदेश में शीर्ष पर बना रहे। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में चल रही योजनाओं, परियोजनाओं और सेवाओं का प्रतिमाह अनुश्रवण व समीक्षा की जाती है। प्रत्येक माह इंटीग्रेटेड विभागों के अधिकारियों के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। सितंबर माह की अक्टूबर में जारी हुई रैंकिंग में जिला 26 नंबर पर था।

शाहजहांपुर दूसरे बदायूं और पीलीभीत ने भी सुधारी स्थिति

सीएम डैशबोर्ड की अक्टूबर की रैंकिंग के अनुसार शाहजहांपुर पांचवें, बदायूं आठवें और पीलीभीत 18वें स्थान पर रहे। राजस्व कार्यक्रमों में शाहजहांपुर दूसरे पायदान पर पहुंचा, जबकि बरेली सातवें, बदायूं 12 वें और पीलीभीत 17 वें स्थान पर रहे। राजस्व और विकास कार्यों के सम्मिलित मूल्यांकन में बरेली ने तीसरा स्थान हासिल किया।

- राजस्व और विकास कार्यक्रमों में पारदर्शिता और रफ्तार से बढ़ा जिले का प्रदर्शन

थाने के सामने सूखे नाले में मिला युवक का शव

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाने के सामने एक युवक का शव सूखने नाले में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है।

बारादरी थाना प्रभारी धनजंय पांडे ने बताया कि सोमवार को थाने के सामने एक युवक का शव बरामद हुआ। शव की काफी पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन नहीं हो सकी। जिसके बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। 72 घंटे तक अगर शव की पहचान न हो पाई तो शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस अंतिम संस्कार किया जाएगा। उधर घटना स्थल के आस-पास मौजूद लोगों से पूछताछ में सामने आया कि युवक नशेड़ी था। वह स्मैक के नशे में अक्सर गंगापुर से लेकर शहामतगंज तक घूमता रहता था। रविवार की देर रात सूखे नाले के किनारे आग जलाकर बैठा था हो सकता है कि इसी दौरान वह नाले में गिर गया हो और उसकी मौत हो गई हो।

छात्र का अपहरण, कार छोड़ कर भागे बदमाश

संवाददाता, बरेली/फतेहगंज पश्चिमी

- कार मालिक और दोनों आरोपी एमबीबीएस छात्रों को हिरासत में लेकर पुलिस ने शुरू की पूछताछ
- सहपाठियों ने बाहरी बदमाशों संग अगवा छात्र के खाते से रुपये निकलवाने का बनाया दबाव

अमृत विचार : दिल्ली हाईवे पर टोल के पास स्थित मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र गौरव के बैंक खाते में करोड़ रुपये होने की चर्चा के कारण उसकी क्लास के दो साथियों के मन में खोट आ गया। दोनों दोस्तों ने बाहर के दो लोगों के साथ मिलकर रविवार को दिन में घूमने का बहाना बनाते हुए कार में बिठाकर उसे अपने साथ ले गए। इस दौरान चारों ने उसे जंगल में ले जाकर उसे डराना धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उसके बैंक खाते से रुपये निकालने का दबाव बनाया, लेकिन छात्र के खाते में करोड़ नहीं बल्कि, 80 हजार रुपये ही थे। उन्होंने दबाव देकर उसे निकलवाने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल नेटवर्क काम करने के कारण वह रुपये निकल नहीं पाया। इस पर सभी ने अगले दिन रुपये निकलवाने की योजना बनाई। उधर, तीनों छात्र देर रात तक कॉलेज के हॉस्टल में नहीं पहुंचे तो कालेज परिसर में हड़कम मच गया। कॉलेज प्रशासन ने फौरन मामले की सूचना पुलिस को दी। हरकत में आई स्थानीय पुलिस और एसओजी समेत सर्विलांस की टीम भी लगाई गई। छात्रों के मोबाइल की लोकेशन को आधार बना कर जब पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो पकड़े जाने की डर से गौरव को छोड़ कर सभी फरार हो गए। पुलिस ने गौरव से लंबी पूछताछ की। पुलिस ने कुछ देर बाद उसके दोनों साथियों को भी हिरासत में ले लिया। बाहर के दोनों बदमाश गिरफ्तारी की डर से पिथुपुरा रोड पर कार छोड़कर भाग गए।

जादूगर ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

गोला के राजेंद्र गिरि एकेडमी में जादू के करतब दिखाते सम्राट वर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः श्री राजेन्द्र गिरि मेमोरियल अकादमी में मेरठ के ख्यातिलब्ध जादूगर सम्राट वर्मा ने छात्र-छात्राओं को जादू के करतब दिखाकर जहां एक तरफ उनको हतप्रभ कर दिया, तो वहीं दूसरी तरफ अपने कुछ जादू दिखाकर प्रकृति प्रेम और साम्प्रदायिक सद्भाव, एकता का संदेश भी दिया। विद्यालय में जादू के करतब में अखबार फाड़कर उसे पुनः जोड़ देना, अखबार के टुकड़ों को नोटों में बदल देना, रुपये गायब कर देना, 100 रूपये के नोट को 200 और 500 रुपये के नोट में बदल देना, रोप कटिंग म्यूजिक, माइंड रीडिंग मैजिक, थ्रेड एण्ड स्टिक मैजिक, वशीकरण मैजिक, बोतल के जादू, ताश के मैजिक, वाटर आफ इण्डिया आदि करतब देखकर बच्चों ने मनोरंजन किया। विद्यालय निदेशक मोहित पुरी ने कहा कि छात्र छात्राओं के लिए विद्याध्ययन के साथ साथ मनोरंजन भी आवश्यक है। मनोरंजन और हंसने से बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रधानाचार्य आलोक कुमार मिश्र ने जादूगर सम्राट वर्मा का विद्यालय आकर बच्चों का मनोरंजन करने के लिये आभार जताया।

दीक्षांत समारोह : आज आएगी राज्यपाल की टीम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह को सिर्फ दो दिन बचे हैं लेकिन अभी कई काम अधूरे हैं। सोमवार को कुलपति प्रो. केपी सिंह ने समारोह की तैयारियों के लिए कई स्थानों पर पर भ्रमण किया। मंगलवार को राज्यपाल की टीम विश्वविद्यालय में आ जाएगी और सभी जगहों की चेकिंग करेगी और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम भी परखेगी। एक दिन पहले बारादरी थाने की पुलिस ने भी विश्वविद्यालय में जाकर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में तैयारी की।

कुलपति ने एमबीए हाल, कृषि विभाग, स्टेडियम, अटल सभागार, स्वर्ण जयंती द्वार समेत अन्य जगह भ्रमण कर तैयारियां देखीं। अभी स्वर्ण जयंती द्वार, नई सड़क, स्टेडियम का काम अधूरा है। इस पर कुलपति ने नाराजगी जाहिर कर जल्द से जल्द काम पूरा कराने के निर्देश दिए। इन स्थानों का राज्यपाल उद्घाटन करेंगी। वहीं कई समितियों ने काम अधूरे होने की रिपोर्ट कुलपति को दी तो कुलपति ने व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। **आमंत्रण कार्ड बंटना शुरू :** दीक्षांत समारोह के आमंत्रण कार्ड छपकर आ गए हैं और इन्हें बांटने का काम शुरू कर दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार को अति विशिष्ट अतिथि, आईआईटी रोपण के निदेशक प्रो. राजीव अहूजा, विशेष अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी होंगी। वहीं स्वागत समिति के संयोजक ने टीम के साथ बैठक की। इसके बाद सांसद, विधायकों को निमंत्रण देने के साथ फोन कर आमंत्रित किया गया।

चीनी मिल में मनी संस्थापक की जयंती, इंडेंट जारी

चित्र पर माल्यार्पण करते चीनी मिल के हेड ओपी चौहान। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः बजाज हिंदुस्थान शुगर लि. पलियाकलां में बजाज समूह के संस्थापक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जमनालाल बजाज की 136वीं जयंती जहां यूनिट हेड ओपी चौहान ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई, वहीं 14 नवंबर से शुरू हो रहे नवीन पेराई सत्र के लिए पूजन कर आज इंडेंट भी जारी कर दिया गया। बजाज मिल का पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ 14 नवंबर को होगा। सोमवार को गन्ना इंडेन्ट जारी कर दिया गया। इंडेन्ट का पूजन महाप्रबंधक गन्ना राजीव तोमर ने किया। पूजन मिल परिसर में स्थापित मन्दिर के पुजारियों कराया। केन हेड तोमर ने किसानों से अपील की है कि एसएमएस के माध्यम से पर्ची मिल जाने पर गन्ना आपूर्ति करें।

विस्फोट के बाद खीरी में हाई अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः राजधानी दिल्ली में सोमवार की देर शाम लाल किले के पास हुए बम विस्फोट के बाद लखीमपुर खीरी जिले में भी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर आ गई हैं। जिले के नेपाल सीमा क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी गई है। सीमावर्ती इलाकों में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीमों ने देर रात तक सघन चेकिंग अभियान चलाया।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी संकल्प शर्मा ने खुद मोर्चा संभाला। उन्होंने शहर के मुख्य मार्गों पर गश्त की और रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डा सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पहुंचकर सुरक्षा इंतज़ामों का जायजा लिया। इस दौरान यात्रियों से पूछताछ की गई और संदिग्ध व्यक्तियों की जामा तलाशी कराई गई। बताया जा रहा है कि दिल्ली के लाल किले के समीप खड़ी एक कार में बम विस्फोट हुआ, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। विस्फोट के बाद दिल्ली समेत पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

रेलवे स्टेशन पर मौजूद एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

> घटना के बाद जिले के सभी पुलिसकर्मियों को चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और बॉर्डर क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दी जाए।
>
> -संकल्प शर्मा, एसपी।

बस स्टैंड के पास चेकिंग करती पुलिस।

कर्मचारी संघ ने उठाईं चार सूत्रीय मांगें

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ सिंचाई विभाग के पदाधिकारी अपनी चार सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा।

संघ के जिलाध्यक्ष शमीम अहमद व जिला मंत्री सुनील कुमार के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी और कर्मचारी सुबह डीएम कार्यालय पर पहुंचे। डीएम के न मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मौजूद अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश के मृतक आश्रितों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पूर्व की भांति नियुक्ति प्रदान करने, चतुर्थ श्रेणी की भर्ती पर लगी रोक को हटाकर रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती कराने, पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने और विभागों में चल रही निजीकरण प्रक्रिया को समाप्त करने की मांग की गई है। संघ ने कहा कि ये मांगें न केवल कर्मचारियों के हित में हैं बल्कि प्रदेश के सिंचाई कार्यों की सुचारू व्यवस्था के लिए भी आवश्यक हैं। संघ के संरक्षक ओमप्रकाश और वर्तमान मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है, तो संगठन आगे की रणनीति तय करेगा। इस दौरान जिले के विभिन्न सिंचाई खण्डों के कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

- मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा

कार्यालय ग्रा.प. जगतुआ विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक: निविदा/विज्ञप्ति/2025-26 09.11.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जगतुआ विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 14.11.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनु. धनराशि
1.	प्रा.वि में इंटरलॉक, सीसी, गेट निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	प्रा. वि. सैदसराय में इंटरलॉक, सीसी निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
3.	प्राइमरी विद्यालय में इंटरलॉक सीसी व गेट निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
4.	ग्राम पं. जगतुआ में सचिवालय में गेट निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्राम पंचायत पदारथपुर वि.खं. भुता, बरेली

पत्रांक : 28/लेखा/कुटेशन/वर्ष 2025-26 दिनांक : 07.11.2025

अल्पकालिक निविदा आमन्त्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पदारथपुर में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य होना है। सामग्री प्रथम ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, रेता आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रण की जाती है जिस फर्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा ग्राम पंचायत द्वारा उसी को स्वीकार किया जायेगा। समस्त निविदाएं दिनांक 16.11.2025 तक जमा कर सकते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	नासर के घर से कमरूद्दीन के घर तक पक्की नाली निर्माण	2.43 लाख
2.	मूसे खां के घर से जाबिर के घर तक सीसी रोड व नाली	3.82 लाख

ग्राम प्रधान-श्रीमती हसीना सचिव-अनिल कुमार

दूसरे दिन सिंगाही और नानपारा की टीमें जीती

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः कस्बे में रामलीला मेले के साथ आयोजित महारानी सुरथ कुमारी पब्लिक स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन सोमवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में साइनिंग स्टार क्लब सिंगाही ने डीएफएम. सिंगाही को 1-0 से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में नानपारा की टीम ने शाहजहांपुर को 1-0 से मात देकर जीत दर्ज की।

पहले मैच की शुरुआत होते ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। खेल के छठे मिनट में साइनिंग स्टार क्लब के खिलाड़ी हुमेर ने शानदार गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच गेंद पर कब्जे को लेकर जबरदस्त संघर्ष चला, लेकिन कोई टीम अतिरिक्त गोल नहीं कर सकी। अंतत साइनिंग स्टार ने मुकाबला 1-0 से अपने नाम किया। दूसरे मैच में नानपारा और शाहजहांपुर की टीमें आमने-सामने थीं। खेल के पांचवें मिनट में नानपारा के खिलाड़ी अरशद ने निर्णायक गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इस दौरान भाजपा नेता धनीराम मौर्य, सपा नेता अशोक कश्यप, दीप शाह, राकेश जायसवाल, टूर्नामेंट महामंत्री शिखर तिवारी, पराक्रम शाह, अमर गुप्ता, जितेंद्र सिंह, वास्तव गुप्ता, टूर्नामेंट ऑब्जर्वर अयूब शाह, रेफरी प्रदीप गुप्ता, और मनोज मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल हाउस प्रथम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कपूरथला स्थित सिटी मांटेसरी इंटर कॉलेज में आयोजित वार्षिक इंटर हाउस स्पोर्ट्स इवेंट बिगुल 3.0 ए बैटल ऑफ टैलेंट के दूसरे दिन प्रतियोगिता का उत्साह चरम पर रहा। सुबह से ही खेल मैदान विद्यार्थियों की ऊर्जा, जोश और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बच्चों ने खेल भावना और अनुशासन का बेहतरीन परिचय देते हुए विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया।

दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों में बैलून विद टॉफी रेस, स्लो साइकिल रेस, रिंग द बॉल, म्यूजिकल चेयर रेस, ट्रैक द रोलिंग बॉल और लेग रेस आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जूनियर, हायर जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों में विद्यार्थियों ने भाग लिया। हिंदी माध्यम वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सरदार वल्लभभाई पटेल हाउस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गुरु गोविन्द सिंह हाउस को द्वितीय स्थान मिला। वहीं अंग्रेज़ी माध्यम में विज़न हाउस ने शानदार खेल कौशल दिखाते हुए प्रथम स्थान अर्जित किया और वायब्रेंट हाउस ने मजबूत चुनौती पेश करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। इस दौरान एमबी मिश्रा, तनुजा गुप्ता, पारुल श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता, मनीषा, निधि, कंचन, चांदनी, तान्या, कुमकुम आदि का सक्रिय योगदान रहा।

रिंग दि बॉल में गेंद को रिंग में डालती छात्रा। ● अमृत विचार

- बैलून विद टॉफी रेस, स्लो साइकिल रेस, रिंग दि बॉल समेत कई प्रतियोगिताएं हुई आयोजित

सीएचसी से गंभीर हालत में रेफर कर दी प्रसूता, मौत

बरेली, अमृत विचार : आंवला के गांव नगरिया निवासी रमनपाल ने प्रसव पीड़ा होने पर पत्नी नीरज को 9 नवंबर को आंवला सीएचसी में भर्ती कराया। 9 बजे मरीज का सुरक्षित प्रसव हुआ। जच्चा-बच्चा दोनों की हालत स्थिर थी। इस पर परिजनों उसे डिस्चार्ज कराकर दो घंटे बाद ही घर ले गए। 10 नवंबर को सुबह करीब चार बजे उसे रक्तस्राव होने लगा। परिजन दोबारा उसे लेकर सीएचसी पर पहुंचे। स्टाफ ने मरीज की हालत गंभीर देख जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया। सोमवार सुबह करीब 4 बजे मरीज जिला महिला अस्पताल के लेबर रूम में भर्ती किया गया। मरीज को गंभीर रक्तस्राव के साथ उल्टी और दर्द की समस्या थी। आधे घंटे बाद ही मरीज की सांसें थम गईं।

अमृत विचार

मंगलवार, 11 नवंबर 2025

मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर, दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दु:खियों-रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दु:खी हो ही जाता है।

– स्वामी विवेकानंद

आतंक का नया चेहरा

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में उजागर की गई आतंकी साजिश देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस साजिश का निशाना लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय था। यदि यह सत्य सिद्ध होता है, तो यह घटना केवल किसी संगठन पर हमला नहीं, बल्कि देश की वैचारिक और सामाजिक संरचना को अस्थिर करने की कोशिश कही जाएगी। एटीएस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में एक डॉक्टर शामिल है, जिसने चीन से पढ़ाई की और प्रयोगशाला में रिसिन नामक घातक जैविक जहर का परीक्षण भी किया। यह वही जहर है, जिसे लेकर अमेरिका में बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ साजिश रची गई थी। रिसिन का कोई ज्ञात एंटीडोट नहीं है और इसका प्रयोग आतंकवाद के जैविक हथियार के रूप में किया जाता है। देश में इसका निर्माण या प्रयोग हुआ होता, तो यह सबसे भीषण आतंकी घटना का रूप ले सकती थी। एटीएस के शक के मुताबिक यदि इस जहर हो प्रसाद में मिला दिया जाता, तो हजारों मौतें होतीं तथा धार्मिक सौहार्द छिन्न-भिन्न होने के अलावा वर्ग विशेष के प्रति भयानक दहशत फैल जाती। इस खुलासे के बाद लगता है कुछ कट्टरपंथी समूह पारंपरिक विस्फोटक या बंदूक की बजाय रासायनिक और जैविक हथियारों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आतंकवाद की शैली बदल रही है। आतंक का चेहरा साइबर, रासायनिक और वैचारिक रूप लेता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य बीते कुछ समय से आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। कारण है इन राज्यों की आबादी, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और रणनीतिक महत्व।

पिछले कुछ वर्षों में आतंकियों की साजिशों का ग्राफ बढ़ा है, जो गृह मंत्रालय और खुफिया तंत्र की सजगता की परीक्षा है। इस घटना को विभाग की "सतर्कता में कमी" कहना उचित नहीं होगा, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इस खुलासे को "एक आकस्मिक साजिश" नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा का अवसर मानना चाहिए। असल चुनौती तो आतंक की बदलती प्रकृति को समझने और उससे पहले कदम उठाने की है। जरूरत है कि हम विदेशी शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त संदिग्धों की व्यापक प्रोफाइलिंग करने के अलावा जैविक और रासायनिक हथियारों से जुड़ी निगरानी प्रणाली को मजबूत करें। इसके साथ धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच को आधुनिक बनाने और साइबर इंटेलिजेंस नेटवर्क को पुनर्गठित करने की भी आवश्यकता है। पारंपरिक आतंक से लड़ाई में हमने अब तक उल्लेखनीय सफलता पाई है, लेकिन यह नया खतरा तकनीकी और वैचारिक दोनों स्तरों पर जटिल है। इसलिए इसे केवल पुलिस या एटीएस का विषय नहीं माना जा सकता। यह राष्ट्र की सामूहिक सतर्कता और नीतिगत तत्परता की परीक्षा है। इस बार, लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं। आरएसएस या अन्य हिंदू संगठनों की वैचारिक एवं कार्य सक्रियता इस्लामिक आतंकियों को भड़काती हैं, यह तर्क अधूरा और खतरनाक है। किसी राजनीतिक या धार्मिक मतभेद के कारण कोई समूह आतंक की राह पकड़ता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट करने का प्रयास करता है। इसका कड़ा प्रतिकार होना ही चाहिए।

जातिवाद के जहर में डूबता हमारा समाज

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

"ना जी ना... मैं तो जाति-धर्म में विश्वास ही नहीं करता। जाति से ऊपर उठकर समाज का समुचित उत्थान ही मेरे जीवन का उद्देश्य। इंसानों की सेवा करते रहना ही मेरा मजहब। राष्ट्रप्रेम व समाज का चहुंमुखी विकास करना ही मेरा मूल चरित्र है। जात-पात की बात करना व उस पर अमल करना सिर्फ रूढ़िवादिता।" भारत में बहुतेरे ऐसे वाक्य बोलते मिल जाएंगे, लेकिन वास्तविकता यह है कि जातिवाद ने देश को पूरी तरह जकड़ लिया है।

कहने को हम 21 वीं सदी, डिजिटल व अर्वाचीन युग में हैं, लेकिन जातिवाद मुद्दे पर हम आज भी कदाचित प्राचीन युग में ही जी रहे हैं। समय के साथ हमारे देश ने तरक्की तो खूब कर ली है, लेकिन हमारा समाज आज भी जातिवाद के जहर में डूब रहा है, उतरा रहा है। गुणवत्तापरक शिक्षा जातिवाद को दूर करने में सहायक होगी। ऐसा बहुधा कहा व माना जाता है, किंतु सच्चाई यह है कि जो जितना शिक्षित वह अपने धर्म/जाति, समुदाय व समूह को लेकर उतना ही कट्टर दिख रहा है। चिंता यह है कि जातिवादी सोच हमें किस दिशा में ले जा रही है? समाज की दशा कैसी होती रही है? ऐसा नहीं कि जातिवादी जहर केवल सामान्य भारतीय में ही नफरत घोल रहा, बल्कि इसने अपने आगोश में विधायिका और सरकारी तंत्र को भी ले लिया है। गांव व कस्बे तो जातिवाद की जकड़ से छूटते नहीं दिख रहे। देश की राजनीति में तो जातिवाद विषबेल की तरह फैलती जा रही है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद- 15 में राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किए जाने की बात करता है। नागरिकों के अधिकार, कर्तव्य व शक्तियों को भी समभाव निरुपित और परिभाषित करता है, लेकिन क्या यह वास्तविकता से परे नहीं लगने लगा है? मानवता, भाईचारा, राष्ट्रीयता, सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द और सहिष्णुता की व्याख्या और प्रवचन केवल कहने व कागजों पर ही सिमटी नहीं दिख रही? "तंत्र" इसे बखूबी जानते हुए भी उदासीन बना हुआ है। राजनीतिक दल जातिवाद को अपने लाभ का "मुख्य निवेश" मान बैठे हैं। दलों को चिंता ही नहीं कि जातिवाद के कुरूप होते चेहरे को कैसे सुघर बनाया जाए?

समाज को व्यवस्थति रखने में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका अहम होती है। यही तीनों स्तंभ समाज के स्वरूप का निर्धारण करते हैं। इन्हीं तीनों में सामाजिक-आर्थिक और प्रशासनिक शक्तियां होती हैं, तो क्या कारण है कि लोकतंत्र के तीनों स्तंभ देश फल-फूल रहे जातिवाद को समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रयास नहीं कर पा रहे हैं? ऐसे में यही समझा जाए कि "कहीं मेड़ ही तो खेत" नहीं खा रही? जातिवाद का दीमक ग्राम पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनावों तक को खोखला कर रहा है।

अब प्रत्याशियों को टिकट मिलने का "मापक यंत्र" उसकी योग्यता नहीं वरन उसकी जाति हो गई है। जातिवाद के "हवन कुंड" में राजनीतिक दल घी, जौ, तिल, चावल, जड़ी-बूटियां, गुड़ जैसी सामग्री समर्पित कर अपना उल्लू सीधा करने में भी लगे हैं। कुछ क्षेत्रीय दल तो जातिवाद की "संजीवनी" से ही अपने को जीवित रखे हैं।

यूं तो जातिवाद पूरे भारत में नासूर बन चुका है, लेकिन यूपी और बिहार की राजनीति में यह "कैंसर" सरीखा स्वरूप ले चुका है। जातिवाद को बढ़ावा देने में बेलगाम इंटरनेट मीडिया भी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। लाख टके का सवाल यह कि अपने को सर्वश्रेष्ठ साबित करने, वर्चस्व स्थापित करने और येन-केन-प्रकारेण त्वरित लाभ हेतु हम समाज को अधोगति की ओर क्यों ले जा रहे हैं? इसका तार्किक उत्तर हमें खोजना ही होगा, दूरगामी परिणाम देना ही होगा। देश में पनपते जातिवाद की राह में सामाजिक भेदभाव, समान अवसरों की कमी, सामाजिक एकता में विघटन, राजनीतिक लाभ व विभाजन, सांस्कृतिक पृथक्करण और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं तो हैं, लेकिन उन्हें दूरकर सकारात्मक दिशा में बढ़ने के उपाय भी हैं।

बात करें भारत में जातिवाद पनपने के इतिहास पर, तो यहां इसकी जड़ें प्राचीन काल से ही जमी हैं। वैदिक समाज में दो वर्ण थे। पहला आर्य वर्ण और दूसरा दास वर्ण। वर्णों की व्याख्या उत्तर वैदिक काल अर्थात करीब 1000 से 500 ईसा पूर्व में हुई। पहले तीन समूह अर्थात ब्राह्मण, क्षत्रिय व वैश्य थे। शूद्रों का समावेश बाद में किया गया। भारत में सामाजिक श्रेणियों का विकास मौर्य काल (322 ईसा पूर्व से 185 ईसा पूर्व तक) में हुआ। मौर्योत्तर काल (200 ईसा पूर्व से 300 ईसवी तक) में सामंतवाद के उदय के साथ जाति व्यवस्था ने पांव फैलाए।

देश में जाति प्रारूप सामाजिक संरचना का एक भाग था। विभिन्न जातियों के लोग अलग-अलग कार्य करते थे। अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सचेत थे, सामाजिक नियमों का पालन करते थे। हालांकि समय के साथ समाज में व्यापक परिवर्तन तो हुआ, किंतु जातिवाद आज भी सामाजिक विभाजन और भेदभाव का कारण बना हुआ है। देश में सामाजिक वर्ग, श्रेणी और जातियों का होना हमें कहीं से प्रभावित नहीं करता, लेकिन इसका स्वरूप सकारात्मक होना चाहिए। डॉ. आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया तो जातिगत भेदभाव के सर्वथा खिलाफ रहे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी मानना है कि जातिवाद का जहर देश को बर्बाद कर रहा है, खास तौर पर गांवों को। यह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को भी अवरुद्ध कर रहा है। आज हमारे लोकतंत्र की मुख्य धुरी नागरिक नहीं, बल्कि जाति हो गई है। जातिवाद के चंगुल से हमें निकलना ही होगा। अन्यथा हम अपनी संतति के लिए स्वस्थ नहीं वरन बिखरा समाज ही छोड़ जाएंगे।

देश में जाति प्रारूप सामाजिक संरचना का एक भाग था। विभिन्न जातियों के लोग अलग-अलग कार्य करते थे। अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सचेत थे, सामाजिक नियमों का पालन करते थे।

सोशल फोरम

रैली से शुरू मेरी राजनीति में जिज्ञासा का सफर

वर्ष 1966 की बात है, जब मैं साइकिल से अपनी स्कूल की तरफ जा रहा था। रास्ते में मुझे एक रैली दिखाई दी, जिसमें ज्यादातर युवा व बच्चे पूरे जोश से नारे लगा रहे थे। "अंग्रेजी हटाओ, देश बचाओ"। मेरा बाल सुलभ मन मचलने लगा। मैं भी साइकिल से उतरकर, उनके साथ-साथ अपनी स्कूल की दिशा में बढ़ते हुए, नारे लगाने लगा। इसी दौरान किसी बच्चे ने अपने हाथ का बैनर मेरी साइकिल में फंसाकर, अपनी जिम्मेदारी मुझे सौंपते हुए, वहां से रुखसत हो गया। थोड़ी दूर रैली के साथ चलकर, मैं भी अपनी साइकिल पर सवार होकर, वहां से नौ दो ग्यारह हो गया। यह मेरा राजनीति से प्रेरित प्रदर्शन से पहला साक्षात्कार था। बाद में मेरी निगाह शहर के उन सारे दुकानों पर अंग्रेजी में लगे होर्डिंग आदि पर गई, जहां काले तारकोल फेर दिए गए थे। समय गुजरता गया, अब धीरे-धीरे राजनीति के इस प्रकार के हो-हुल्ला के मायने कुछ कुछ समझ में आने लगी। यद्यपि शहर के तीन-चार एमएलए और एमपी गण पिता जी मिलने घर पर आते थे, उनके बीच कुछ राजनीति की बातें भी होती थीं, परंतु इसके बावजूद भी राजनीति के प्रति लेशमात्र भी मेरी रुचि नहीं थी। कह सकता हूं कि 1973 में जब कानून की पढ़ाई करने लखनऊ यूनिवर्सिटी गया, वहां अचानक से छात्र राजनीति में रुचि लेने लगा। वो भी सिर्फ जिज्ञासा वश। इसके पीछे एकमात्र कारण, संघ से जुड़े मेरे एक रूम पार्टनर मित्र थे, जिन्हें बाद में विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय का चुनाव लड़ाकर, अध्यक्ष भी बना दिया था।

विजय सिंह

रुद्रपुर, उत्तराखंड

इसी दौरान वर्ष 1975 में इमरजेंसी घोषित हो गई। नेताओं की धर पकड़ के दौरान, सौभाग्यवश मित्र अध्यक्ष जी के चक्कर में, जेल की हवा खाने से मैं बाल-बाल बचा था। आधे घंटे की पूछताछ के बाद ही, पुलिस के अधिकारियों ने जान बख्शी थी। अन्यथा आज कहीं छोटा मोटा नेता बनकर जीवन गुजर बसर करता होता। लखनऊ से पास आउट के बाद गृह जनपद में प्रवास के दौरान, देश के कई बड़े-बड़े नेताओं के सानिध्य में आने का अवसर मिला, जिनमें राजनरायन, मधुलिमये और कर्पूरी ठाकुर जैसे समाजवादी नेता, जॉर्ज फर्नांडीज जैसे ट्रेड यूनियन के नेता और नारायण दत्त जैसे विकास पुरुष वगैरह थे। हो सकता है इस कारण ही मुझ पर समाजवादी विचारधारा का अधिक प्रभाव पड़ा हो। इस जिज्ञासा की सफर में, जहां बड़ी-बड़ी पार्टियों का उत्थान और पतन का गवाह बना, वहीं जनता की मनः स्थिति समझने और परखने की कला भी सीखने को मिली। **-फेसबुक वॉल से**

प्रसंगवश

सदैव प्रासंगिक रहेंगी मौलाना आजाद की शिक्षा नीतियां

शिक्षा का मानव जीवन में विशेष महत्व है, जिसके बल पर इंसान अपने पूरे जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2008 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था, तभी से यह दिन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन विशेषतौर पर लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में महत्व बताने के लिए समर्पित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 11 नवंबर 1888 को मक्का में जन्मे मौलाना आजाद न केवल एक बड़े विद्वान थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने विशेष योगदान दिया। मौलाना आजाद को भारत में शिक्षा के पुरोधा के रूप में स्मरण किया जाता है, जिन्होंने हमेशा शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख आधार माना। उनका असली नाम 'अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन' था, जिन्हें बाद में मौलाना आजाद के नाम से जाने जाना लगा। उन्होंने 'आजाद' को अपने उपनाम के तौर पर अपनाया।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और पत्रकारिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मक्का से भारत आने के बाद आजाद राष्ट्रीयता के विचार से प्रभावित हुए और उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने उस फैसले का कड़ा विरोध किया और राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका पत्रकारिता के प्रति भी विशेष रूझान था। उन्होंने कई पत्रिकाओं का संपादन किया और अपने क्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया। मौलाना आजाद ने न केवल स्वयं अंग्रेजी शासन के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई, बल्कि हजारों लोगों को भी स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौलाना आजाद एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने शिक्षा को ही राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनकी शिक्षा नीतियां न केवल भारत के शिक्षा क्षेत्र को नया आयाम देने वाली थीं, बल्कि उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जहां शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो। इसीलिए उन्होंने प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया और देश में अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। मौलाना आजाद धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक थे, जिनका मानना था कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए और सभी को समान अधिकार मिलने चाहिए। वह एक दूरगामी सोच वाले व्यक्ति थे, जिनका उद्देश्य भारतीय कला, साहित्य और संगीत को वैश्विक पटल पर ले जाना था, जिसके लिए उनके द्वारा साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी और संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की गई। मौलाना अबुल कलाम आजाद को वर्ष 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। मौलाना आजाद ने भारतीय संस्कृति और विरासत को शिक्षा का एक अभिन्न अंग माना। वह चाहते थे कि शिक्षा का लोकतंत्रीकरण हो और सभी वर्गों के लोगों तक शिक्षा पहुंच सके। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष रूप से जोर दिया ताकि छात्र रोजगार के लिए तैयार हो सकें। उनके नेतृत्व में देश में कई शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए, शिक्षा का दायरा बढ़ा और अधिक से अधिक लोगों तक शिक्षा पहुंची।

आमने

पहले चरण के मतदान के 4 दिन बाद भी आकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पहले मैन्युअली उसी दिन आंकड़े सामने आते थे और आज तकनीक का जमाना है फिर भी आंकड़े क्यों छिपाए जा रहे हैं? 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान है और 14 को परिणाम आएंगे, लेकिन पता ही नहीं चलेगा कि किस अनुपात में मतदान हुआ है।

– **तेजस्वी यादव**, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

सामने

तेजस्वी यादव के समर्थक जनता को परेशान कर रहे हैं, क्योंकि लोग उनके पक्ष में वोट नहीं दे रहे हैं। अगर वे वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, तो अदालत क्यों नहीं जाते? उनके बीच बिखराव इस बात से दिखाई देता है कि एसआईआर के मुद्दे पर पूरा महागठबंधन एक जीप पर नजर आता था, लेकिन जब से चुनाव प्रचार शुरू हुआ है, महागठबंधन एक मंच पर नहीं दिखा, तो अंदर क्या चल रहा है?

– **अरुण भारती**, एलजेपी नेता

स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट में योगी सबसे आगे

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बात को लेकर भी चर्चा है कि किस स्टार प्रचारक का स्ट्राइक रेट कैसा होगा? मतलब विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन हो या इंडिया गठबंधन, गठबंधन में शामिल अन्य दलों के स्ट्राइक रेट की चर्चा तो होती है, लेकिन स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट पर पहली बार चर्चा सुनी गई। इसका मतलब यह है कि किसी भी दल के स्टार प्रचारक ने कितने क्षेत्रों में सभाएं की और इनमें कितनी सीटें जिता पाया?

बता दें कि चुनाव में सभी दलों की स्टार प्रचारकों की लंबी सूची तय होती है। ये अपने-अपने दलों के उम्मीदवार के पक्ष में सभाएं करते हैं। सभाएं आयोजित करने में जो खर्च आता है वह पार्टी वहन करती है न कि प्रत्याशी। बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार देखा गया कि यूपी की समाजवादी पार्टी ने जिसका एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ रहा था, उसने भी इंडिया गठबंधन के लिए स्टार प्रचारकों को नामित किया और पूरे बिहार में जमकर प्रचार किया और सभाएं कीं। सपा के स्टार प्रचारकों में स्वयं अखिलेश यादव की सभाओं में खूब भीड़ उमड़ी। सांसद इकरा हसन ने भी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए सभाएं कीं। निस्संदेह उनकी सभाएं भी बहुत अच्छी रहीं। इस तरह सभी दलों के स्टार प्रचारकों ने अपने-अपने दलों के उम्मीदवारों के लिए खूब सभाएं की।

रविवार को जब शाम छह बजे आखिरी चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थमा तो स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट पर चर्चा शुरू हो गई। सभी के अपने-अपने दावे थे, लेकिन चर्चा के केंद्र बिंदु में मुख्य रूप से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ थे। लोग पूरे आत्मविश्वास से कह रहे थे कि योगी आदित्यनाथ ने जितनी सभाएं की हैं, उसमें दो तिहाई सीटों पर एनडीए उम्मीदवार की जीत पक्की है। कुछ लोग तो यहां तक कह रहें हैं कि योगी की करीब 28 सभाओं में से 25 पर एनडीए की जीत होगी।

योगी ने बिहार विधानसभा चुनाव में करीब 28 सभाएं की। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन यानी रविवार को भी योगी आदित्यनाथ ने सीतामढ़ी, समस्तीपुर और चंपारण में एनडीए के लिए सभाएं कीं। इसके पहले वे बिहार में 24 सभाएं कर चुके थे। योगी की सभी सभाओं में भीड़ अपरंपार थी। उनकी कई सभाओं में लोग बुलडोजर लेकर पहुंचे। भीड़ में से श्रोता जोर-जोर से नारा लगाते सुने गए, बुलडोजर बाबा बिहार आओ, हम आपके साथ हैं। योगी ने अपनी हर सभाओं की शुरुआत जय श्रीराम से की। उन्होंने समूचे इंडिया गठबंधन को रामद्रोही और अपराधियों का समर्थक बताकर खूब वाहवाही लूटी। स्वर्गीय सहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहब के बहाने आरजेडी पर खूब निशाना साधा।

एनडीए के सभी बड़े स्टार प्रचारकों ने लालू यादव के पूर्व शासन को जंगलराज बताया, लेकिन यही बात जब योगी अपनी सभाओं में कहते तो उनके अंदाज से लोग जोश से भर जाते। चारा घोटाले को लेकर भी योगी खूब मुखर रहे। कांग्रेस को उन्होंने अपनी सभी सभाओं में छठ माता का अपमान करने वाला बताया। योगी की सभाओं में उमड़ती भीड़ देख एनडीए उम्मीदवारों में योगी की सभाओं को लेकर होड़ लग गई। सभी उम्मीदवार अपने क्षेत्रों में योगी की सभा चाहते थे। योगी आदित्यनाथ ने दरभंगा की रैली में महागठबंधन के तीन बड़े नेताओं को पप्पू, टप्पू और गप्पू कहकर उनका जो मजाक उड़ाया वह पूरे बिहार में एनडीए समर्थकों में खूब लोकप्रिय हुआ।

योगी की भाषणशैली आक्रमक रहती ही है और उनके इसी अंदाज को लोग पसंद भी करते हैं। वे लाग-लपेट वाली भाषा और भाषण दोनों से दूर रहते हैं। बिहार में उन्होंने अपनी हर सभाओं में बुलडोजर की बात की। उन्होंने कहा यह बुलडोजर ही है, जिससे अपराधी और माफिया यूपी में थर-थर कांपते हैं। बड़े माफियाओं और अपराधियों ने या तो यूपी छोड़ दी है या राम नाम सत्य हो गया है। बिहार में भी इस बार बुलडोजर चलेगा। बिहार की धरती से राम, बुद्ध और नालंदा को रेखांकित करते हुए योगी ने राम के आचरण और बुद्ध के ज्ञान तथा नालंदा के शिक्षा को भी अपने भाषणों के केंद्र में प्रमुखता से रखा, उन्होंने महिला उत्थान और आत्मरक्षा की भी बात की। योगी ने बिहार में सीतामढ़ी, परिहार, पिपरा, सिवान, वैशाली, भोजपुर, राघोपुर, मोतिहारी, पिंपरी, अत्री, रक्सौल, मोहीउद्दीन नगर, सिकटी, नरपतगंज, छातापुर, समस्तीपुर, चंपारण सहित 28 सभाओं में श्रोताओं को न केवल रोमांचित किया, उन्हें बिहार और पूरे देश में भाजपा क्यों जरूरी है, यह अच्छे से बताया भी।

योगी ने जितनी भी सभाएं बिहार विधानसभा चुनाव में की उसमें कितनी सीटें एनडीए जीत पाएगी, यह 14 को ही पता चलेगा, लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी दिन जब चुनाव नतीजों पर चर्चा शुरू हुई, तो इसमें यह खास था कि एनडीए सबसे बेहतर प्रदर्शन उन क्षेत्रों में करने जा रही है, जहां यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की सभा हुई। इसे स्टार प्रचारकों की स्ट्राइक रेट में सबसे बेहतर होने का दावा किया गया।

एनडीए के सभी बड़े स्टार प्रचारकों ने लालू यादव के पूर्व शासन को जंगलराज बताया, लेकिन यही बात जब योगी अपनी सभाओं में कहते तो उनके अंदाज से लोग जोश से भर जाते। चारा घोटाले को लेकर भी योगी खूब मुखर रहे।

सामयिकी

उत्तराखंड: सपनों का सफर और हकीकत का सामना

उत्तराखंड 25 वर्ष का हो चुका है। उत्तराखंड युवा तो हो गया, लेकिन इसे स्वयं के पैरों पर खड़ा होने में अभी वक्त लगेगा। पलायन, कमजोर आर्थिकी, बेरोजगारी, राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां अब भी राज्य के समक्ष मुंह बाये खड़ी हैं। राज्य बनने के बाद जनता को उम्मीद थी कि पहाड़ का दर्द, पलायन की पीड़ा और उपेक्षा का इतिहास अब बदलेगा। मगर हुआ इसका उल्टा, विकास की गाड़ी नेताओं और अधिकारियों के महलों तक तो पहुंची, पर गांव की पगडंडियों तक नहीं। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, जिसके चलते पहाड़ों से पलायन बढ़ा है। इस वजह से गांव के गांव खाली हो चुके हैं, लेकिन नेताओं के पास इस सबसे निपटने का कोई स्पष्ट विजन नहीं है। राजनीतिक अस्थिरता ने विकास की रफ्तार को लगातार थामे रखा। जिस नेतृत्व से दूरदर्शिता और ईमानदारी की उम्मीद थी, वही सत्ता-सुख और पदलोलुपता की दौड़ में आगे निकल गया।

हरीश उप्रेती करन

लेखक, हल्द्वानी

सरकारी आंकड़े भले कुछ कहें, पर सच्चाई यह है कि हजारों गांव अब भी वीरान हैं। कभी जिन गांवों में शाम ढलते ही चौपालों पर हंसी गूंजती थी, वहां अब ताले और खंडहर हो चुके मकान बचे हैं। सड़कें गांवों तक अब पहुंचीं, जब कि लोग जा चुके थे। यह विडंबना नहीं तो और क्या है? राज्य में भ्रष्टाचार अब कोई छिपी हुई बात नहीं रही। मोटी तनख्वाह पाने वाले अधिकारी और कर्मचारी आए दिन विजिलेंस के जाल में फंस रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि भ्रष्ट पाए गए अफसरों को थोड़े समय बाद फिर से मलाईदार पदों पर बिठा दिया जाता है। वहीं, ईमानदार अधिकारी अक्सर छोटे संस्थानों में वनवास काटते दिखते हैं। राज्य में सड़कों का जाल जरूर बढ़ा है, पर इनकी हालत विकास का नहीं, भ्रष्टाचार का आईना है। अंग्रेजों के जमाने की सड़कें आज भी मजबूती से खड़ी हैं, जबकि नई सड़कें छह महीने भी नहीं टिक पा रहीं। ठेकेदारों, अधिकारियों और नेताओं के लिए सड़कें अब कमाई का जरिया बन चुकी हैं। नई सड़क बने तो पैसा, टूटे तो पैचवर्क या पुनर्निर्माण में फिर पैसा। इन सब निराशाओं के बावजूद उम्मीद की किरण अब भी बाकी है। आज के उत्तराखंड में जागरूकता बढ़ी है। जनता अब सवाल पूछने लगी है, सोशल मीडिया और स्थानीय आंदोलनों ने एक नई चेतना को जन्म दिया है। यह संकेत है कि अगर लोग ठान लें, तो व्यवस्था बदली जा सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं ने गांवों को देश से जोड़ा। अब जरूरत है, उसी सोच को आगे बढ़ाने की ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ। उत्तराखंड के 25 वर्ष जनता के लिए आत्ममंथन का समय है। यदि वास्तव में राज्य को खुशहाल बनाना है, तो अब बड़ी-बड़ी पार्टियों के झंडे छोड़कर अपने बीच के ईमानदार, कर्मशील और संवेदनशील लोगों को आगे लाना होगा। आज जिसे देखो वही अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। खुद को राज्य का हितैषी बताने वाले लोग राज्य की समस्याओं की अनदेखी कर खुद की स्वार्थ सिद्धि के लिए स्वतंत्रता सेनानियों की तर्ज पर सुविधाएं मांग रहे हैं। सुविधाएं और आरक्षण अगर किसी को मिलना चाहिए, तो केवल उन लोगों के परिवारों को जो राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए। ऐसे में उत्तराखंड का यह 25 वीं वर्षगांठ केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण चिंतन और मनन का अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि हम आगे भी केवल नेताओं और अफसरों का राज्य बनकर रहेंगे या जनता के राज्य की नींव रखेंगे। जहां हर गांव में रोशनी हो, हर घर में रोजगार हो और हर उत्तराखंडी को अपने पहाड़ पर गर्व से जीने का अवसर मिले।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कथा श्रवण

भक्ति-साधना का मुख्य साधन

साधना के अनेक मार्ग हैं, परंतु जो मार्ग सबसे सरल, सहज और हृदयस्पर्शी है- वह है श्रवण-भक्ति। भक्ति के दो प्रमुख स्तंभ माने गए हैं- भजन और श्रवण। भजन आत्मा का गीत है और श्रवण उस गीत की प्रतिध्वनि। भजन में हृदय बोलता है और श्रवण में हृदय सुनता है। भजन करने के भी कई विधान हैं। यदि आपने गुरु धारण किया है, तो हरेक गुरु अपने शिष्य को भजन करने का भिन्न-भिन्न तरीका बताता है। यह तो सर्वविदित है कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाता है। भगवत प्राप्ति अथवा मोक्ष, भजन का लक्ष्य होता है। भजन करने वाला जीव यह समझ ले कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाना है। भजन, केवल भक्त के हृदय में बैठे भगवान के लिए ही होना चाहिए। भजन की उच्चतम स्थिति है, भगवान का वियोग, जो भक्त प्रभु का वियोग एक पल भी न सह सके- वही सही भजन करने का उत्तराधिकारी है।

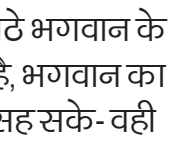

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

भक्ति अथवा साधना का मुख्य साधन है- कथा श्रवण। कथाओं में सर्वोत्तम कथा श्रीमद्भागवत बताई गई है। श्रीमद्भागवत परम संहिता है इसे पंचम वेद की संज्ञा दी जाती है। यह परमहंसो का धन है। प्रभु की कथा सुनने से भक्त की सूक्ष्म दृष्टि प्रभु में लग जाती है। सांसारिक दृष्टि से उसकी मृत्यु हो जाती है। भागवत-कथा अमृत है, जिसे पूर्णरूपेण पीना पड़ता है। कथा श्रवण भौतिक अमृत है, इसका भी लाभ मिलता है, परंतु कथा श्रवण का पूर्ण लाभ कथा को अपने हृदय में धारण करने से प्राप्त होता है। भोजन की तरह कथा को भी पचाना पड़ता है। जिस प्रकार भोजन पचने के उपरांत शरीर को लाभ देता है, उसी प्रकार जब कथा श्रवण के उपरांत हृदय में पच जाती है, तभी उसका प्रतिफल प्राप्त होता है।

भागवत कथा श्रवण करने से जीव के जन्म-जन्म के पाप का हरण होता है एवं मंगल को प्राप्त होता है। आजकल नगरों में और मंदिरों में भागवत कथा के आयोजन की प्रथा बहुतायत में हो रही है। इस आयोजन को हम आयोजक अथवा यजमान द्वारा किया गया कथा का दान भी कह सकते है। कथा का दान भी परम कल्याणकारी है। कथा का आयोजन यज्ञ के समान पुण्यदायक है। यद्यपि यह दान समर्थ और योग्य व्यक्ति ही कर सकते हैं। कथा आयोजन से हजारों भक्तों को कथा श्रवण का लाभ मिलता है, जिसका पुण्य लाभ कथा आयोजक के हिस्से में भी निश्चित रूप से आता है। निष्काम भाव से किया गया भागवत कथा आयोजन राजसूर्य यज्ञ के पुण्य लाभ के बराबर होता है। कथा के आयोजन से भक्त अपने साथ-साथ अपने पूर्वजों का भी उद्धार कर लेता है। कृति के द्वारा कर्ता तो रहता है, परंतु कर्म से व्यक्ति अमर हो जाता है।

रामकथा, भागवत, भक्तमाल आदि कथाओं में शास्त्रों में सब कुछ लिखा है, लेकिन हृदय में समाविष्ट नहीं होता है। अंदर बढ़ता है, श्रवण से। जब किसी महापुरुष अथवा संत द्वारा उसकी अनुभूति से युक्त शब्दों द्वारा कथा का वाचन एवं श्रोताओं द्वारा श्रवण होता है तभी कथासार अंदर बैठता है। जैसे हमें शिक्षा प्राप्ति के समय हमारे गुरुजन बोलकर पढ़ाते हैं और विद्यार्थी श्रवण करके ही विद्या प्राप्त करते हैं। बिना श्रवण किए विद्या प्राप्त नहीं हो सकती है और जैसे शृंगाली स्वयं पहले खाकर आती है और फिर चबाकर अपने बच्चों के मुख में डाल देती है, तो वह बच्चों को हजम हो जाता है। ठीक उसी प्रकार संत सद्गुरु पहले ग्रंथों को आत्मसात करते हैं और तदुपरांत औरों को श्रवण कराते है। परंतु केवल सुनने मात्र से ही कथा से आत्म साक्षात्कार नहीं होता अपितु कथा को मनन करने एवं हृदय में धारण करने से होता है, लेकिन प्रथम होता, तो श्रवण ही है। श्रवण भक्ति नवधाभक्ति की एक मुख्य विधा है। श्रोता को कथा प्राप्ति के लिए प्रथम अधिकारी बनना पड़ता है और यह होता है, सत्य और संत कृपा से।

बोध कथा

सफलता का रहस्य

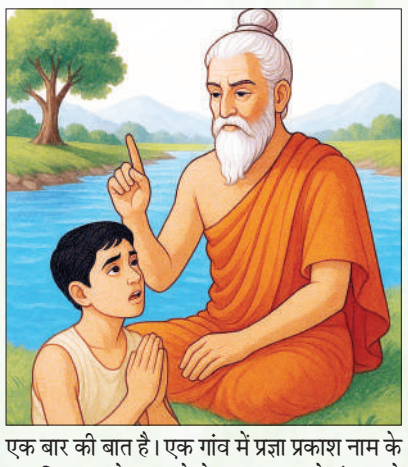

एक बार की बात है। एक गांव में प्रज्ञा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय रहते थे। धन-धान्य से संपन्न तो थे ही, लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर-दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे। अपने अनुभव और ज्ञान से प्रज्ञा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे। इसलिए सभी उनको गुरुजी कहकर संबोधित करते थे।

एक दिन की बात है। एक नवयुवक गुरुजी के पास आया और बोला- "गुरुजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूं कि मैं भी आपकी तरह विद्वान बनकर अपनी गरीबी दूर कर सकूं।" गुरुजी मुस्कुराएं और उन्होंने उसे दुसरे दिन प्रातःकाल नदी किनारे मिलने के लिए बुलाया। युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वस्त्र लेकर दुसरे दिन प्रातः काल नदी किनारे पहुंच गया। गुरुजी उस युवक को नदी के गहरे पानी में ले गए, जहां पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया। थोड़ी देर युवक छटपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया। युवक हांफता-हांफता नदी से बाहर भागा। जब उसे सुध आई तो बोला- "आप मुझे मारना क्यों चाहते है?" गुरुजी बोले- "नहीं भाई, मैं तो तुम्हे सफलता का रहस्य बता रहा था। अच्छा बताओ? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की हो रही थी?" युवक बोला- "सांस लेने की।" गुरुजी बोले- "बस यही सफलता का रहस्य है। जब तुम्हें सफलता के लिए ऐसी ही उत्कंठ इच्छा होगी, तब तुम्हें सफलता मिल जाएगी। इसके अलावा और कोई रहस्य नही है।" शिक्षा- दोस्तों! आप जीवन में किसी भी चीज को पाना चाहते हो, तो उसे आपका बेइंतहा चाहना जरूरी है। मतलब हर समय आपको उसे पाने के बारे में सोचना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो शायद आप उसे देर से पाओ या शायद न भी पाओ।

-ज्ञानेश तिवारी

पौराणिक कथा

सत्य का प्रकाश

राजा हरिश्चंद्र वे अपने सत्य, न्याय और वचनपालन के लिए पूरे आर्यावर्त में प्रसिद्ध थे। उनके राज्य में कोई दुखी नहीं था, सब सुख और शांति से जीवन व्यतीत करते थे। एक दिन महर्षि विश्वामित्र ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने राजा के पास जाकर कहा- "हे राजन, तुमने एक यज्ञ के समय मुझे दान देने का वचन दिया था। अब मैं वही दान लेने आया हूं।" राजा ने विनम्रता से कहा, "ऋषिवर, आप जो चाहें, मैं देने को तत्पर हूं।" विश्वामित्र ने कहा- "मुझे अपना सारा राज्य चाहिए।" हरिश्चंद्र ने बिना विलंब किए कहा- "ऋषिवर, राज्य आपका है।" उन्होंने अपना सिंहासन त्याग दिया और अपनी पत्नी तारामती तथा पुत्र रोहिताश्व के साथ वन की ओर चल पड़े। विश्वामित्र ने कहा- "राज्य तो मेरा हुआ, पर यज्ञ की दक्षिणा अभी बाकी है।" राजा ने कहा, "मेरे पास कुछ नहीं बचा, पर मैं वचन नहीं तोड़ूंगा। मैं श्रम करके दक्षिणा दूंगा।" उन्होंने बनारस जाकर एक शवदाह गृह में काम करना शुरू किया, जहां मृत शरीरों की चिता जलाने का कार्य करते थे। राजा हरिश्चंद्र की पत्नी तारामती वहीं कपड़े धोने का काम करती थीं और पुत्र रोहिताश्व लकड़ियां बटोरता था।

एक दिन भाग्य ने और भी कठोर परीक्षा ली, उनका पुत्र सर्पदंश से मर गया। तारामती उसका शव लेकर श्मशान पहुंची, पर हरिश्चंद्र अपने कर्तव्य से बंधे थे। उन्होंने कहा, "मुझे नियमों के अनुसार शवदाह शुल्क देना होगा।" तारामती रो पड़ी- "मैं तुम्हारी पत्नी हूं, यह तुम्हारा पुत्र है।" राजा ने गंभीर स्वर में कहा- "यहां मैं राजा नहीं, केवल दास हूं। मुझे अपना धर्म निभाना होगा।"

तभी आकाशवाणी हुई- "राजन, तुम्हारी परीक्षा पूरी हुई। तुमने सत्य और धर्म की रक्षा के लिए जो कष्ट सहे, वह संसार के लिए उदाहरण हैं।" देवता प्रकट हुए, पुत्र जीवित हो गया और हरिश्चंद्र को पुनः उनका राज्य मिला।

-फीचर डेस्क

सप्ताह के प्रमुख व्रत

कालभैरव जयंती- 12 नवंबर

भगवान कालभैरव को भगवान शिव का उग्र स्वरूप माना जाता है। धर्मग्रंथों में भगवान कालभैरव को समय एवं मृत्यु के स्वामी के रूप में वर्णित किया गया है। भैरव का शाब्दिक अर्थ 'भय को नष्ट करने वाला' होता है। तंत्र मार्ग में भैरव तंत्र उपासना का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। भूत, प्रेत, पिशाच आदि रक्षा तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्ति हेतु भगवान कालभैरव का पूजन किया जाता है, जो मनुष्य श्रद्धापूर्वक भगवान कालभैरव की उपासना करता है उसके वह निर्भीक हो जाता है तथा उसके मन में व्याप्त समस्त ज्ञात-अज्ञात भय नष्ट हो जाते हैं।

उत्पन्ना एकादशी- 16 नवंबर

उत्पन्ना एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। यह न केवल भगवान विष्णु की उपासना का दिन है, बल्कि देवी एकादशी के प्राकट्य का उत्सव भी है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को यह व्रत किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान विष्णु की योगमाया शक्ति से देवी एकादशी का जन्म हुआ था, जिन्होंने असुर मुर नामक राक्षस का संहार किया था। यही कारण है कि इसे देवी एकादशी जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि उत्पन्ना एकादशी से ही वर्षभर की सभी एकादशियों की परंपरा प्रारंभ हुई। इस व्रत के पालन से भक्तों को न केवल पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

एक ही मंदिर में सारे देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा क्यों

पहले के समय में आपने देखा होगा कि शहर में हनुमान जी का मंदिर, मां काली का, मां दुर्गा का मंदिर, भैरव का मंदिर, भगवान शिव का, भगवान विष्णु लक्ष्मी का आदि देवी-देवताओं के नाम पर मंदिरों की पहचान हुआ करती थी और आदमी अपनी श्रद्धा के अनुसार अपना ईष्ट, अपना देवता और अपनी देवी की पूजा करता था, एक मंदिर में एक ही देवता अधिक से अधिक दो देवताओं की स्थापना होती थी। वर्तमान समय में एक मंदिर में सारे देवी -देवताओं का निवास और प्राण प्रतिष्ठा की जाने लगी, जिसके कारण कई बार साधक भटक जाता है कि किसकी पूजा करें और किसकी न करें, किसका भोग लगाएं और किसका न लगाएं? क्या पता कौन सा देवता नाराज हो जाए, इस डर के कारण वह एक ही भोग सारे देवताओं को लगता फिरता है ताकि उसकी साधना उसकी आराधना से सभी देवी देवता प्रसन्न हो जाएं और उसको उसके परिवार को तरक्की उन्नति खुशहाली का आशीर्वाद दें। एक बार पूजा करने बैठता है, तो सारे देवी-देवताओं कि माला फेरता है और आरती गाता है, फिर भी इस दुविधा में रहता है कि पता नहीं कि उसकी प्रार्थना स्वीकार हुई या नहीं? अंत में इसका परिणाम यह निकलता है कि कई बार उसे अपनी पूजा में, अपनी साधना में, सफलता नहीं मिलती और धीरे-धीरे इस स्थिति में उसका अपने भगवान के ऊपर से, देवी-देवताओं के ऊपर से, विश्वास उठने लगता है।

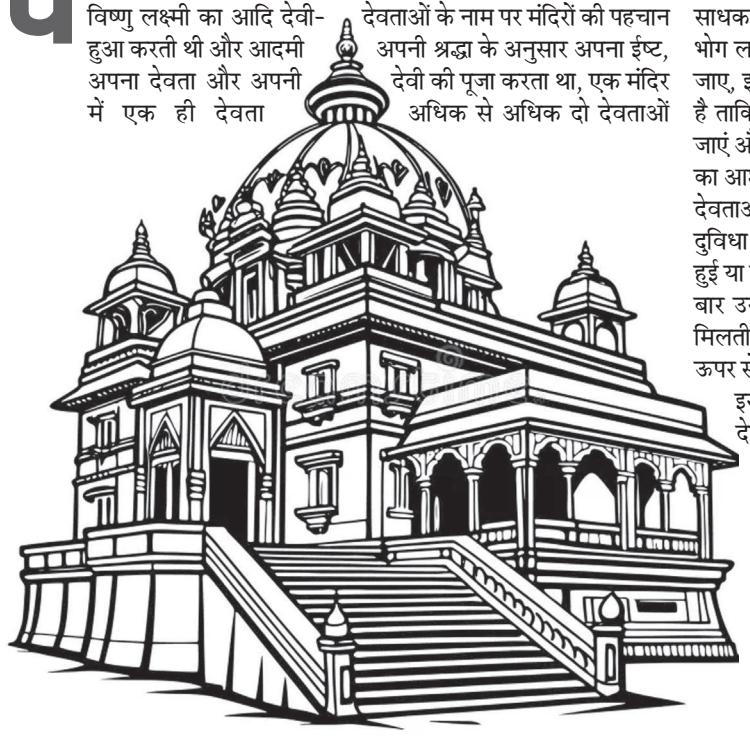

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

इसका मुख्य कारण यह है कि उसे किसी भी एक देवी-देवता पर विश्वास नहीं है, कभी इसको पूजता है, कभी उसको पूजता है, कभी इसको प्रसाद चढ़ाता है, कभी उसको प्रसाद चढ़ाता है, कभी किसी देवता को अपना ईष्ट बनाता है, कभी उसे अपना आराध्य बनाता है और कई बार इतना भ्रमित हो जाता है कि उसे न तो अपनी पूजा पर भरोसा रहता न ईश्वर की शक्ति पर? आपने हमेशा से देखा होगा, बड़े-बड़े साधकों को पढ़ा और सुना होगा, उन्होंने एक देवी या देवता की साधना करके पर ब्रह्म परमात्मा को प्राप्त कर लिया, उदाहरण के तौर पर महाकवि वाल्मीकि, जिन्होंने मरा-मरा जपकर पूर्ण ब्रह्म को प्राप्त कर लिया। हनुमान जी ने राम-राम जप कर साक्षात राम को पा लिया, नीम करोली बाबा ने हनुमान जी की साधना करके उनकी शक्ति प्राप्त कर ली, परमहंस जी महाराज ने महाकाली की सेवा करके साक्षात उनका साक्षात्कार किया।

सुदामा ने और मीरा ने कृष्णा-कृष्णा कृष्ण को पा लिया। ऐसे उदाहरणों से वेद और पुराण भरे पड़े हैं। इसलिए मेरा आप सभी भक्तों से अनुरोध है कि एक देवता, एक देवी या एक ईश्वर की आराधना करें, क्योंकि ईश्वर एक ही है, उसके रूप अनेक हैं, आपको जिसके प्रति श्रद्धा और विश्वास महसूस हो, उसी को अपना ईष्ट अपना आराध्य बना लीजिए और मन-क्रम-वचन और पूर्ण-श्रद्धा-विश्वास के साथ उनकी साधना कीजिए, निश्चित रूप से जीवन में सफलता के द्वार खुल जाएंगे, जीवन से सारे कष्ट-क्लेश खत्म हो जाएंगे, तरक्की और उन्नति के रास्ते खुल जाएंगे, संसार के सभी भौतिक सुखों और भोगों के साथ-साथ मोक्ष भी प्राप्त होगा। एक ईष्ट, एक गुरु, एक तंत्र, एक मंत्र, एक यंत्र की पद्धति पर चलिए, यदि आप ऐसा नहीं करते हैं और बार-बार उपरोक्त चीजों को बदलते हैं, तो जीवन में कभी भी आपको सफलता नहीं मिल सकती। आपकी तरक्की उन्नति नहीं होगी, दुर्भाग्य और असफलता, कभी आपका पीछा नहीं छोड़ेगी और आप भ्रम कि इस स्थिति में, यह नहीं जान पाएंगे कि क्या सही है और क्या गलत है? इसलिए अपनी श्रद्धा और विश्वास, एक देवी, एक देवता, एक ईश्वर, एक गुरु, एक तंत्र, एक मंत्र, एक यंत्र पर पूर्ण रूप से पूरी दृढ़ता के साथ विश्वास रखिए और मन में सोचिए कि एक ही की साधना आपको परमात्मा का एकाकर करा देगी, यही अध्यात्म का सच्चा मार्ग है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,535.35	25,574.35
बढ़त	319.07	82.05
प्रतिशत में	0.38	0.32

सोना 1,25,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,760 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4200, मसूरी- 1300, बासमती- 8900, परमल- 2800

दाल दलहन : काला चना- 6100, साबुत चना दाल- 5200, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11200-13400, दाल उड़द- 7700, साबुत मसूर दाल- 6200, मसूर दाल- 4400, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 5600

गिरावट थमी, सेंसेक्स ने लगाई छलांग

आईटी-वित्तीय शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 319 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,500 के पार

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 319 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। मुख्य रूप से आईटी और वित्तीय शेयरों में लिवाली और वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

बीएसई का सेंसेक्स 319.07 अंक चढ़कर 83,535.35 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक 538.21 अंक चढ़कर 83,754.49 अंक पर पहुंचा था। एनएसई का निफ्टी 82.05 अंक लाभ के साथ 25,574.35 अंक पर बंद हुआ। ये 161.15 अंक चढ़कर 25,653.45 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, टाइटन, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो को लाभ हुआ। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट लि., इटर्नल, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी शामिल हैं।

- वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर पड़ा सकारात्मक प्रभाव

डीआईआई ने 6,674 करोड़ के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ा

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में रहा। यूरोप के ज्यादातर बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार काफी हद तक बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,581.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,674.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ दिया। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 94.73 अंक गिरकर 83,216.28 अंक और एनएसई निफ्टी 17.40 अंक टूटकर 25,492.30 अंक पर बंद हुआ था।

सकारात्मक धारणा को खरीदारी ने दिया बल

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सरकार के कई विभागों में कामकाज ठप होने के संभावित समाधान और दूसरी तिमाही में कंपनियों की अनुकूल आय के साथ एफआईआई की नई खरीदारी ने बाजार में सकारात्मक धारणा को बल दिया। अमेरिका के 10-वर्षीय ट्रेजरी प्रतिफल में वृद्धि संघीय सरकार का कामकाज फिर से शुरू होने तथा इक्विटी के प्रति जोखिम की धारणा में सुधार को बताती है। घरेलू स्तर पर, मजबूत होते आर्थिक संकेतक 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए आय बेहतर रहने का संकेत देते हैं। यह मूल्यांकन की पुष्टि करता है और नकदी को आकर्षित कर सकता है।

इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा करेगा ट्राई, परिचर्चा पत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राई सभी नौ मौजूदा इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा कर रहा है। उसने उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए अन्य दूरसंचार नेटवर्कों के साथ इंटरकनेक्ट ढांचे सहित कई पहलुओं पर संबंधित पक्षों के सुझाव मांगे हैं।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि कुल मिलाकर, समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नियामकीय ढांचा प्रौद्योगिकी के विकास और दूरसंचार क्षेत्र में बदलावों को ध्यान में रखे। सेवा प्रदाताओं के बीच इंटरकनेक्शन के दौरान वर्तमान में लागू विभिन्न शुल्कों से संबंधित नियामक पहलुओं, जैसे इंटरकनेक्शन शुल्क, इंटरकनेक्शन उपयोग शुल्क (उत्पत्ति शुल्क, पारगमन शुल्क, कैरिज शुल्क, ट्रांजिट कैरिज शुल्क, समाप्ति शुल्क और अंतर्राष्ट्रीय समाप्ति शुल्क) और रेफरेंस इंटरकनेक्ट ऑफर (आरआईओ) ढांचे की भी परामर्श पत्र के माध्यम से पड़ताल की जा रही है। ट्राई ने कहा कि इसकी समीक्षा आईपी-आधारित इंटरकनेक्शन की जांच पर केंद्रित है। यह अधिक प्रासंगिक है क्योंकि 4जी/5जी के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए बेहतर सेवा गुणवत्ता, इंटरकनेक्शन के स्तर की आवश्यकता होती है। यह वर्तमान में मोबाइल नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए एलएसए (लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र) स्तर पर और फिक्स्ड लाइन टेलीफोन नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए जिला/तहसील स्तर पर हैं।

- उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए कई पहलुओं पर मांगे गए सुझाव

कई दूरसंचार नेटवर्क को जोड़ता है इंटरकनेक्शन

सरल शब्दों में कहें तो, इंटरकनेक्शन कई दूरसंचार नेटवर्क को जोड़ता है, जिससे उपयोगकर्ताओं के बीच निर्बाध संचार संभव होता है और यह वस्तुतः नेटवर्क की रीढ़ है। इसमें वाणिज्यिक और तकनीकी व्यवस्थाएं हैं, जिनके तहत नेटवर्क प्रदाता अपने नेटवर्क और सेवाओं को जोड़ते हैं ताकि उनके ग्राहक अन्य नेटवर्क प्रदाताओं के ग्राहकों और सेवाओं तक पहुंच बना सकें। नियामक ने परामर्श पत्र में कहा, इसमें प्रमुख पहलुओं में पॉइंट्स ऑफ इंटरकनेक्ट (पीसी) की प्रकृति और स्थान शामिल हैं, विशेष रूप से वे जो सैटेलाइट अर्थ स्टेशन गेटवे और अन्य सैटेलाइट, मोबाइल और फिक्स्ड-लाइन नेटवर्क के साथ उनके इंटरकनेक्शन से जुड़े हैं।

सोना ₹1,300 बढ़कर 1,25,900 प्रति 10 ग्राम, चांदी ₹2,460 चढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच सोमवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5% शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,24,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले बाजार सत्र में 99.9% वाला सोना 1,24,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मौजूदा मांग और कमजोर अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों के कारण सोने में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार फिर से शुरू हुआ, जिससे अगले महीने होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि कमजोर डॉलर ने सर्राफा को और समर्थन दिया है। एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को चांदी की कीमतें 2,460 रुपये बढ़कर 1,55,760 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। शुक्रवार को यह 1,53,300 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 83.12 डॉलर या 2.08 प्रतिशत बढ़कर 4,082.84 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि हाजिर चांदी 3.30 प्रतिशत बढ़कर 49.93 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के जिंस और मुद्रा के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा कि कमजोर डॉलर और अमेरिकी सरकार के कामकाज फिर से शुरू होने के बाद सकारात्मक धारणा से सोने की कीमतों में तेजी आई।

- मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच धातु बाजार ने फिर पकड़ी रफ्तार

डब्ल्यूटीओ में अमेरिका ने कहा- तांबे पर शुल्क रक्षोपाय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने भारत के इस दावे को खारिज किया है कि वाशिंगटन का तांबे पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत रक्षोपाय (सेफगार्ड) है। अमेरिका ने कहा कि उसकी वस्तुओं पर शुल्क रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है। ये शुल्क एक अगस्त को लगाए गए थे।

भारत अमेरिका को तांबे के उत्पादों का निर्यात करता है, इसलिए उसने सितंबर में डब्ल्यूटीओ के सुरक्षा समझौते के तहत इस मामले पर अमेरिका से परामर्श की मांग की है। भारत ने कहा कि ये शुल्क रक्षोपाय हैं। भारत की अधिसूचना के जवाब में अमेरिका की ओर से छह नवंबर को जारी एक पत्र के अनुसार, ये कदम रक्षोपाय नहीं हैं। इसलिए इन

तांबे पर 50% शुल्क लगाने के भारत के दावे को अमेरिका ने किया खारिज

- अमेरिका ने कहा- शुल्क रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का आधार नहीं

उपायों के संबंध में सुरक्षा समझौते के तहत रियायतों या अन्य दायित्वों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है।

डब्ल्यूटीओ का कोई भी सदस्य देश घरेलू उद्योग को किसी भी ऐसे उत्पाद के आयात में वृद्धि से बचाने के लिए, जो उद्योग को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा हो या पहुंचा सकता हो, डब्ल्यूटीओ के सुरक्षा समझौते के तहत रक्षोपाय कर सकता है। इसके तहत किसी उत्पाद के आयात को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित या सीमित किया जा सकता है। रक्षोपाय लागू करने से पहले किसी सदस्य देश को जांच करनी होती है और अन्य सदस्यों को इस बारे में बताना होता है। अमेरिका ने कहा कि तांबे के उत्पादों पर शुल्क धारा 232 के अनुसार लगाए गए हैं, जिसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान की आशंका के मद्देनजर ये कदम उठाए।

गोयल ने यूटा सीनेट अध्यक्ष से मुलाकात कर एआई, स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग पर चर्चा की

नयी दिल्ली, 10 नवंबर (भाषा) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यूटा राज्य सीनेट के अध्यक्ष जे स्टुअर्ट एडम्स के नेतृत्व में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यूटा पश्चिमी अमेरिका का एक राज्य है। इस दौरान उन्होंने एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। गोयल ने एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और अनुसंधान, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत और यूटा के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय

लोकतंत्र पर हमला करना विपक्षी नेताओं की आदत

भाजपा ने राजग की निर्णायक और ऐतिहासिक जीत का जताया भरोसा

- जंगल सफारी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर रविशंकर प्रसाद ने निशाना साधा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 'निर्णायक और ऐतिहासिक' जीत का भरोसा जताया। साथ ही भाजपा ने मध्यप्रदेश के सतपुड़ा बाघ अभयारण्य में जंगल सफारी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उन्हें राजनीतिक पर्यटन का आनंद लेने की सलाह दी।

भाजपा मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने राजद) नेता तेजस्वी यादव की भी आलोचना की और उनकी ओर से निर्वाचन आयोग पर लगाए गए आरोपों को झूठा बताया। प्रसाद ने दावा किया कि मनचाहा परिणाम नहीं मिलने पर लोकतंत्र के सभी मंचों पर हमला करना विपक्षी नेताओं की आदत है। भाजपा शासित राज्यों से सुरक्षाकर्मियों की 208 कंपनियां बिहार में तैनात करने संबंधी तेजस्वी के दावे पर प्रसाद ने कहा, क्या हमने पुलिस या निर्वाचन आयोग भेजा था? झूठे आरोप लगाते हुए, वह इस स्तर तक गिर गए हैं। पहले चरण में वोट डालने वालों का डेटा सार्वजनिक नहीं किए जाने पर तेजस्वी के आयोग की आलोचना करने पर प्रसाद ने कहा कि उन्हें इंतजार करना चाहिए।

नीतीश सरकार ने शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था नष्ट कर बिहार को बर्बाद किया : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार की नीतीश सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को नष्ट कर राज्य को बर्बाद कर दिया है। राहुल ने सोमवार को जेनरेशन जेड' के समूह के साथ अपनी हालिया बातचीत का वीडियो 'एक्स' पर जारी किया और कहा कि यह पीढ़ी सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, भारत की 'जेनरेशन जेड' की ऊर्जा मुझे आशा देती है। यह पीढ़ी सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है, करुणा और साहस रखती है तथा भारत को उज्ज्वल, अधिक न्यायपूर्ण भविष्य की ओर ले जाएगी। मैं उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं। राहुल गांधी ने युवाओं के साथ कई बिंदुओं पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि दलित, आदिवासी, अति पिछड़ा या मुसलमान कोई भी हो, सभी को समान अवसर मिलना चाहिए और सारी संपत्ति एक या दो हाथों में केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बिहार से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि 20 साल से वहां नीतीश की सरकार है और उन्होंने बिहार को बर्बाद कर दिया है।

बिहार पर 'बाहरी' नियंत्रण की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता ऐसा नहीं होने देगी : तेजस्वी

बिहार संग्राम

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभाव में काम कर रहा है और अब तक पहले चरण के मतदान में पुरुष एवं महिला मतदाताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। तेजस्वी ने कहा, पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग तुरंत आंकड़े जारी करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। आयोग ने काम करना बंद कर दिया है और मोदी-शाह के नियंत्रण में आ गया है। तेजस्वी ने दावा किया, चुनावी ड्यूटी के लिए कुल 208 कंपनियां उन राज्यों से भेजी गई हैं, जहां भाजपा की सरकारें हैं। राजद नेता ने कहा, बिहार को 'बाहरी' लोगों द्वारा नियंत्रित करने की साजिश चल रही है, लेकिन बिहार की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

नीतीश मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे, इसमें भ्रम नहीं : सम्राट

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने बिहार चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले सोमवार को कहा कि इसको लेकर कोई भ्रम नहीं चाहिए कि नीतीश मुख्यमंत्री हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि लालू का परिवार तथा राहुल गांधी भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। यदि राजग की सरकार बनी तो अदालत से आग्रह किया जाएगा कि चारा, नौकरी के बदले जमीन, बाढ़ और अलकतरा घोटाला में जब्त की गई जमीन पर स्कूल और कॉलेज स्थापित किए जाएं। चौधरी ने कहा, कानून के राज से कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

विस्फोट की हर नजरिये से हो रही जांच

लाल किला विस्फोट

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जांचकर्ता लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच करते समय सभी विकल्प खुले रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह विस्फोट शाम सात बजे लाल किले के पास यातायात सिग्नल पर एक हुंडई आई20 कार में हुआ। इससे तीन-चार अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और पैदल यात्री तथा ऑटोरिक्शा में सवार घायल हो गए।

घायलों से मिलने के बाद शाह ने कहा कि जांचकर्ता सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और किसी भी आशंका से इन्कार नहीं कर सकते। विस्फोट में हुई मौत को बयां नहीं किया जा सकता। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। आतंकी हमले की आशंका पर शाह ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि घटना का कारण क्या था। जब तक विस्फोट

घटना स्थल पर पहुंचे अमित शाह।

- गृह मंत्री शाह ने की विस्फोट में घायल हुए लोगों से मुलाकात

स्थल से बरामद नमूनों का फॉरेंसिक और एनएसजी द्वारा विश्लेषण नहीं किया जाता, हम कुछ नहीं कह सकते। लेकिन हम किसी भी आशंका से इन्कार नहीं कर रहे हैं और सभी कोणों से जांच कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली पुलिस, एनआईए, एनएसजी और फॉरेंसिक की टीमों ने जांच शुरू कर दी है और उम्मीद जताई कि विस्फोट का सही विवरण जल्द सामने आएगा।

प्रधानमंत्री ने लिया स्थिति का जायजा शाह से की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद की स्थिति की गृह मंत्री अमित शाह और अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा की है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों को अधिकारियों द्वारा सहायता मुहैया की जा रही है। उन्होंने एक्स कहा कि मेरी संवेदनाएं विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वालों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और स्थिति की जानकारी ली। चांदनी चौक व्यापार संघ द्वारा साझा किए गए वीडियो में विस्फोट की भयावहता दिखाई दे रही थी।

विस्फोट के बाद मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मी और क्षतिग्रस्त वाहन।

एलएनजेपी अस्पताल के बाहर अफरा-तफरी

नई दिल्ली। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। कुछ ही घंटों बाद एलएनजेपी अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ लग गई। लोग अपने प्रियजन की जानकारी का इंतजार कर रहे थे। अस्पताल के बाहर अफरा-तफरी का माहौल था, लोगों ने जानकारी का अभाव और कुप्रबंधन का आरोप लगाया। कई लोगों ने कहा कि उन्हें पीड़ितों का हालचाल जानने के लिए अंदर नहीं जाने दिया जा रहा था। शाहदरा के रोहतास नगर निवासी सुधीर शर्मा ने बताया कि उनका बेटा अंकुश विस्फोट में घायल हो गया है और आईसीयू में है। मेरा बेटा अपने दोस्त राहुल के साथ गौरी शंकर मंदिर गया था। विस्फोट में घायल हुए दाऊद के रिश्तेदार जीशान अंसारी ने कहा कि घटना के बाद उन्होंने मुझे फोन किया। हम तुरंत यहां पहुंचे, लेकिन हमें उनसे मिलने नहीं दिया गया। विस्फोट में घायल हुए ऑटो-रिक्शा चालक समीर खान के रिश्ते के भाई मोहम्मद दानिश ने बताया कि अजनबी ने उन्हें फोन कर घटना की जानकारी दी। दानिश ने कहा, समीर आईसीयू में है। हमें अभी नहीं पता कि उसकी हालत कितनी गंभीर है।

न्यायाधीशों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति से सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने वादियों और वकीलों में अदालती फैसले उनके पक्ष में न आने पर न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक तथा निंदनीय आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ने पर सोमवार को गहरी चिंता जताई। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वादी एन पेड्डी राजू और उसके दो वकीलों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने राजू और उसके वकीलों को चेतावनी दी कि इस तरह का आचरण न्यायिक प्रणाली की अखंडता को कमजोर करता है और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। पीठ ने मामला इसलिए बंद कर दिया, क्योंकि तेलंगाना हाईकोर्ट की न्यायाधीश ने वादी और उसके दो वकीलों की ओर से मांगी गई माफी स्वीकार कर ली थी।

सीजेआई ने एआई के खतरों का किया जिक्र

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों पर प्रकाश डालते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने सोमवार को कहा कि छेड़छाड़ कर तैयार किए वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में उन्हें पता है और उनके न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दर्शाया गया है। यह टिप्पणी तब की गई जब सीजेआई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायपालिका में एआई उपकरणों के उपयोग को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का अनुरोध करने वाली याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ता के एक वकील ने अदालती प्रक्रियाओं में एआई उपकरणों के बेलगाम उपयोग के खिलाफ चेताते हुए कहा कि यह न्यायालय भी एआई का उपयोग कर रहा है, लेकिन बुराइयां ऐसी हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि हाल के दिनों में, हमने देखा है कि जब कोई न्यायाधीश अनुकूल आदेश पारित नहीं करता है, तो उसके खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस तरह की प्रथा की कड़ी निंदा होनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वकीलों को न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक एवं निंदनीय आरोपों वाली याचिकाओं पर हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए। अदालत के अधिकारी होने के नाते वकीलों को इस अदालत या हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही, माफी स्वीकार की जाती है और अवमानना की कार्यवाही बंद की जाती है। कानून की गरिमा दंड देने में नहीं, माफ करने में है। चूंकि, उच्च न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश, जिनके खिलाफ आरोप लगाए गए थे, उन्होंने माफी स्वीकार कर ली है, इसलिए हम आगे नहीं बढ़ रहे हैं।

एनएचएआई, सड़क परिवहन मंत्रालय से जवाब मांगा

फलोदी दुर्घटना

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी में दो नवंबर को हुई दुर्घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जवाब मांगा। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ ने एनएचएआई और मंत्रालय को नोटिस जारी कर दुर्घटना के कारणों पर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। पीठ ने क्षेत्र का सर्वेक्षण करने और फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग पर ढाबों की संख्या पर रिपोर्ट दाखिल देने को कहा है।

अमृतपाल सिंह की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने कट्टरपंथी उपदेशक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने सिंह से कहा कि वह अपनी याचिका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में दायर करें।

वर्ल्ड ब्रीफ

बिहार चुनाव के दूसरे चरण से पहले नेपाल ने अपनी सीमा सील की

काठमांडू। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले नेपाल ने भारत के साथ अपनी सीमा सील कर दी और शनिवार से वीरगंज-रक्सौल सीमा पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी देश में चुनाव के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत दक्षिणी नेपाल में भारत-नेपाल सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। महोत्तरी जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक हेरंब शर्मा ने को बताया, भारत के बिहार राज्य में 11 नवंबर को चुनाव होने हैं। इसलिए, सुरक्षा कारणों से हमने सीमा पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। उन्होंने कहा, महोत्तरी जिले में सभी सीमा चौकियों को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान समाप्त होने के बाद इन्हें फिर से खोल दिया जाएगा।

टेक्सास में युवक ने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

सैन एंटोनियो। अमेरिका में टेक्सास राज्य के सैन एंटोनियो में एक कंपनी में 21 वर्षीय व्यक्ति ने अपने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। सैन एंटोनियो पुलिस विभाग के अनुसार, शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित कंपनी में शनिवार को गोलीबारी में दो पुरुषों और एक महिला की मौत हो गयी। 'केएसएटी-टीवी' की खबर के मुताबिक, जब सुबह करीब आठ बजे गोलीबारी हुई तो अन्य कर्मचारी घटनास्थल से भाग गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को घेर लिया और कुछ घंटों बाद उन्हें हमलावर मृत अवस्था में मिला, जिसके शरीर पर गोली का घाव था। पुलिस ने हमलावर की पहचान जोस हर्नांदेज गालो के रूप में की है। गोलीबारी के मकसद का पता नहीं चल सका है।

प्रमुख अधिकारियों के इस्तीफे के बाद बीबीसी में नेतृत्व संकट

लंदन। बीबीसी नेतृत्व संकट और बढ़ते राजनीतिक दबाव का सामना कर रहा है, उसके शीर्ष कार्यकारी और समाचार प्रमुख दोनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के संपादन को लेकर इस्तीफा दे दिया है। बीबीसी के महानिदेशक टिम डेवी और समाचार प्रमुख डेबोरा टर्नेस के इस्तीफे का ट्रंप ने स्वागत किया। ट्रंप ने कहा कि जिस तरह उनके भाषण को संपादित किया गया वह राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास था। बीबीसी के अध्यक्ष समीर शाह के भी सार्वजनिक माफी मांगने की संभावना है। बीबीसी को छह जनवरी 2021 को वाशिंगटन में कैपिटल हिल पर प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने से पहले ट्रंप द्वारा दिए गए भाषण को संपादित करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

सलमान रुश्दी को अमेरिका में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

डेटन (अमेरिका)। प्रसिद्ध लेखक सलमान रुश्दी को रविवार को ओहायो में आयोजित 'डेटन लिटरेरी पीस प्राइज' कार्यक्रम में 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रुश्दी को यह पुरस्कार तीन साल पहले हुए हमले के बाद उनकी पहली काल्पनिक कथा के प्रकाशन के बाद दिया गया है।

यह पुरस्कार उन लेखकों को दिया जाता है जो साहित्यिक उत्कृष्टता के साथ अपने लेखन से शांति को बढ़ावा देते हैं। इसमें हर साल काल्पनिक, गैरकाल्पनिक कहानियां और लाइफटाइम अचीवमेंट की अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते हैं। ओहायो का डेटन शहर 1995 में हुए डेटन शांति समझौतों के लिए प्रसिद्ध है, जिसके परिणामस्वरूप बाल्कन क्षेत्र में युद्ध का अंत हुआ था। यह युद्ध 3,00,000 से अधिक लोगों की मौत और 10 लाख से अधिक लोगों के विस्थापन का कारण बना था।

सलमान रुश्दी (78) का 1988 में प्रकाशित उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' काफी चर्चा में रहा है। इस उपन्यास के बाद उन पर ईशनिंदा के आरोप लगे थे और 1989 में ईरान के अयातुल्लाह रुहोल्ला खोमैनी ने उनकी हत्या का फतवा जारी किया था, जिसके बाद रुश्दी को छिपकर रहना पड़ा था।

पूरा होने को है नए सफर का ख्वाब

उड़ने वाली कार कुछ वर्षों पहले तक सपना थी लेकिन अब हकीकत बनने जा रही है। कई देशों में इन्हें बाजार में उतारने के लिए शुरुआत कर दी गई है। ट्रायल और परीक्षणों के लंबे दौर के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अगले साल कुछ कंपनियां इन कारों का सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए उत्पादन शुरू कर देंगी। चीन, अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों की कई कंपनियों के बीच होड़ भी शुरू हो गई है कि कौन अपनी कार पहले बाजार में लॉन्च करेगा। यह भी उम्मीद की जा रही है कि उड़ने वाली कारें बाजार में आने के बाद यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव होंगे। भारत में भी उड़ने वाली कार चर्चा में है। कई कंपनियां इसके उत्पादन की योजना बना रही हैं, हालांकि माना जा रहा है कि भारतीय बाजार में उड़ान भरने में यह कार अभी कुछ वर्षों का समय लेगी।

उड़ने वाली कार

क्या बदलेगा

दावा है कि ट्रैफिक जाम में काफी कमी आएगी, ट्रांसपोर्टेशन समय-लागत कम होगी। शहरी और ग्रामीण दोनों पहुंच में नई क्रांति आएगी। हवाई टैक्सी जैसी सेवा भी संभव।

कब तक आएगी बाजार में

- कैलिफोर्निया की कंपनी एलेफ एअरोनॉटिक्स का मॉडल- ए अगले कुछ महीनों में बाजार में आ सकता है, इसका अप्रूवल भी मिल चुका है।
- चीन की एक्सपेंग एयरोहट कंपनी ने भी फ्लाइंग कार का उत्पादन शुरू कर दिया है जिसके जल्द ही बाजार में आने का दावा किया जा रहा है।
- स्लोवाकिया की क्लेन विजन कंपनी ने दावा किया है कि उसकी एयरकार 2026 की शुरुआत में बाजार में बिक्री के लिए तैयार हो जाएगी।
- भारत में 'शून्य' नामक उड़ने वाली टैक्सी का प्रोटोटाइप 2025 के ऑटो एक्सपो में दिखाया गया था, मगर अभी उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

तकनीक व कार्यप्रणाली

- उड़ने वाली कारों के कुछ मॉडल ड्रोन जैसी वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग तकनीक पर आधारित होंगे।
- ज्यादातर कारें इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड मोटर से चलेंगी। हालांकि पारंपरिक ईंधन का भी इस्तेमाल होगा।
- कई मॉडल सड़कों पर सामान्य कार की तरह चल सकते हैं और जरूरत होने पर उड़ान भर सकते हैं।

सुरक्षा नियम निर्धारण, उच्च लागत और हवाई यातायात प्रबंधन होंगी बड़ी चुनौती।

10,000
से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं फ्लाइंग कार का उत्पादन करने वाली कंपनियों को

कीमत, कितनी लंबी उड़ान

- एलेफ एअरोनॉटिक्स के मॉडल ए की कीमत करीब तीन लाख डॉलर यानी ढाई करोड़ रुपये हो सकती है।
- क्लेन विजन की एअर कार की कीमत आठ से 10 लाख डॉलर यानी छह से आठ करोड़ रुपये तक होगी।
- ये कारें एक बार में 250 से 1000 किमी तक की उड़ान भर सकेंगी। इनकी गति 250 किमी घंटा तक होगी।

सरकारों की तैयारी

- अमेरिका में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने उड़ने वाली कारों को कानूनन वैध बनाने के लिए एअरवर्दी सर्टिफिकेट जारी किया है।
- अमेरिका में मिनेसोटा और न्यू हैम्पशायर समेत दो राज्यों ने अब तक उड़ने वाली कारों को कानूनी वाहन के रूप में मान्यता दी है।
- यूनाइटेड किंगडम की सरकार ने आदेश जारी किया है कि इन वाहनों के उड़ने के लिए अलग रेगुलेशन और सर्टिफिकेशन अनिवार्य होंगे।

डेमोक्रेट नेताओं में दो फाड़, जल्द ही शटडाउन खत्म होने की उम्मीद बढ़ी

आठ सांसद हेल्थ केयर सब्सिडी की गारंटी के बिना सीनेट में चर्चा करने पर सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी

सीनेटर जीन शाहीन, मैगी हसन और एंगस किंग ने बनाया समाधान का रास्ता।

अमेरिका में संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी शटडाउन को समाप्त करने की दिशा में रविवार को पहला कदम उठाया। दरअसल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके 'कॉकस' के कई सदस्य नाराज हो गए। इस 'कॉकस' का कहना है कि अमेरिकी लोग चाहते हैं कि सब्सिडी को लेकर लड़ाई जारी रखी जाए।

आवश्यक प्रक्रिया की श्रृंखला के तहत पहला कदम उठाते हुए सीनेट में मत विभाजन में सरकार के कामकाज को वित्तपोषित करने के मकसद से समझौता विधेयक पारित करने के लिए 60-40 मतों से मतदान हुआ। इसने बाद में 'अफोर्डेबल केयर एक्ट टैक्स क्रेडिट' पर मतदान किया गया जो एक जनवरी को समाप्त होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य यदि आपत्ति करते हैं और प्रक्रिया में देरी करते हैं तो इस समझौते को अंतिम रूप से पारित होने में कई दिन लग सकते हैं। यह समझौता इस बात की गारंटी नहीं देता कि 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत सब्सिडी जारी रहेगी।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य लगभग छह सप्ताह से 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत सब्सिडी जारी रखने की मांग कर रहे हैं। आठ डेमोक्रेट सांसदों को छोड़कर चक शूमर समेत सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी नेताओं ने इस समझौते को आगे बढ़ाने के खिलाफ मतदान किया। तीन पूर्व गवर्नर न्यू हैम्पशायर की सीनेटर जीन शाहीन, न्यू हैम्पशायर की सीनेटर मैगी हसन और मेन के स्वतंत्र सीनेटर एंगस किंग के एक समूह ने छह सप्ताह से जारी गतिरोध को रविवार को तोड़ दिया। उन्होंने तीन द्विदलीय वार्षिक व्यय विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए मतदान करने और स्वास्थ्य देखभाल कर क्रेडिट को बढ़ाने पर दिसंबर के मध्य में मतदान के बदले में शेष सरकारी निधि को जनवरी के अंत तक बढ़ाने पर सहमति जताई। शाहीन, हसन और किंग के अलावा पांच अन्य डेमोक्रेटिक नेताओं ने समझौते के पक्ष में मतदान किया।

समझौता: रद्द होगी बर्खास्तगी, बकाया वेतन भी देंगे

इस समझौते में एक अक्टूबर को शटडाउन शुरू होने के बाद से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर की गई बर्खास्तगी को वापस लेना भी शामिल है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि संघीय कर्मचारियों को उनका बकाया वेतन मिल सके। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थुने ने इस समझौते का तुरंत समर्थन किया और इसे मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तत्काल मतदान का आह्वान किया। शटडाउन के कारण देशभर में उड़ानें बाधित हो रही हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए खाद्य सहायता पर खतरा मंडरा रहा है और संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार शाम एक फुटबॉल मैच देखने के बाद 'व्हाइट हाउस' लौटते समय यह तो नहीं बताया कि वे इस समझौते का समर्थन करते हैं या नहीं, लेकिन कहा, ऐसा लग रहा है कि हम शटडाउन खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।

पहली बार 2,100 से ज्यादा उड़ानें रद्द, 8000 से ज्यादा लेट

वाशिंगटन। अमेरिकी विमानन कंपनियों ने रविवार को 2,100 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। परिवहन मंत्री सीन डफी ने चेतावनी दी कि यदि संघीय सरकार का शटडाउन 'थैंक्सगिविंग' अवकाश तक जारी रहा है तो पूरे देश में हवाई यातायात बहुत धीमा होकर लगभग ठप पड़ सकता है। देश के 40 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर उड़ानों में व्यवधान तीसरे दिन भी जारी रहा जिससे स्थिति और बिगड़ने लगी है। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने शटडाउन के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश दिया है। कई हवाई यातायात नियंत्रकों ने वेतन न मिलने के कारण काम पर आना बंद कर दिया है जिसके कारण यह आदेश जारी किया गया। हवाई यात्रा में व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, अकेले रविवार को लगभग 8,000 उड़ानों में देरी की सूचना मिली और 2,100 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं। शुक्रवार को 1,000 से अधिक और शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। एफएए की कटौती शुक्रवार को 4 प्रतिशत से शुरू हुई थी और 14 नवंबर तक यह 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह कटौती स्थानीय समयानुसार सुबह छह से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी।

चीनी राजनयिक ने कहा- धड़ से अलग कर देनी चाहिए जापान की प्रधानमंत्री की गर्दन

बीजिंग, एजेंसी

- चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बड़ा कूटनीतिक विवाद

ताइवान में चीन की संभावित कार्रवाई को लेकर जापान की प्रधानमंत्री सनाई तकाइची के बयान और उस पर चीनी राजनयिक की तीखी प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। जापान ने ओसाका में चीनी काउंसल जनरल शुए जियान की सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि तकाइची की गर्दन धड़ से अलग कर दी जानी चाहिए।

जापान के सरकारी प्रवक्ता मिनोरु किहारा ने कहा, चीनी राजनयिक मिशन प्रमुख के लिए यह टिप्पणी करना कतई उचित नहीं था। उन्होंने बताया कि यह पोस्ट अब हटा ली गई है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब शुक्रवार को तकाइची ने एक संसदीय समिति से कहा कि ताइवान पर चीनी सैनिकों का हमला जापान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित हो सकता है और जापान सामूहिक आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियाओ ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि तकाइची की टिप्पणी चीन के आंतरिक मामलों में गंभीर हस्तक्षेप है।

इस मामले में चीन ने टोक्यो के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। लिन ने चीनी राजनयिक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने से इन्कार करते हुए कहा कि यह तकाइची की ताइवान पर की टिप्पणियों का जवाब था। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि जापान भ्रम पैदा करना और दोषारोपण करना बंद करेगा। जापान में सत्ता संभालने के बाद से तकाइची कई बार ताइवान के मुद्दे पर चीन को असहज कर चुकी हैं। तकाइची ने संसद में कहा, ताइवान के संबंध में स्थिति गंभीर हो गई है। हमें सबसे खराब स्थिति की आशंका को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने जापान के निकट स्थित ताइवान के आसपास रक्षा अभ्यास के दौरान युद्धपोत और लड़ाकू विमान तैनात करने समेत चीन की ताजा आक्रामक कार्रवाइयों का जिक्र किया।

मालदीव में भारत की सहायता से बने हवाई अड्डे का उद्घाटन

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की ऋण सहायता से वित्त पोषित हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और इसे देश के उत्तरी भाग के लिए समृद्धि का प्रवेश द्वार बताया। मुइज्जू ने कहा कि नया हवाई अड्डा पर्यटन, कृषि, मत्स्य पालन और अर्थव्यवस्था के साथ सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। समारोह में भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

फिलीपींस में तूफान फंग वोंग से 8 की मौत, 14 लाख बेघर

तूफान फंग वोंग ने फिलीपींस के रिहायशी इलाकों में भारी तबाही की है।

मनीला, एजेंसी

- 132 गांवों में बाढ़, एक हजार से ज्यादा मकान हुए क्षतिग्रस्त

फिलीपींस में तूफान फंग-वोंग के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 14 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए।

मौसम विभाग ने बताया कि अब यह तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर ताइवान की दिशा में बढ़ रहा है। फंग-वोंग का असर सबसे ज्यादा उत्तरी फिलीपींस पर पड़ा। इससे पहले फिलीपींस ने तूफान कालमेगी का सामना किया था, जिसके कारण कम से कम 224 लोगों की मौत हो गई थी और बाद में वियतनाम में भी पांच लोगों की मौत हुई थी।

फंग-वोंग रविवार रात को औरोरा प्रांत में 185 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तट पर पहुंचा। तूफान के कारण लगभग 14 लाख लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका था, जबकि सोमवार तक तीन लाख 18 हजार लोग राहत शिविरों में रहे। तेज हवाओं और बारिश के कारण 132 गांवों में बाढ़ आ गई और लगभग 1,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने फंग-वोंग और कालमेगी से हुई तबाही को देखते हुए राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है। इसी के साथ देश की आपात सेवाओं को युद्धस्तर पर सक्रिय किया गया है। तूफान से प्रभावित लोगों के लिए बड़ी संख्या में राहत शिविर बनाए गए हैं।

पाकिस्तान: पंजाब में 16वीं सदी की शेरशाह सूरी कालीन सराय मिली

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान में पंजाब सरकार के पुरातत्व विभाग ने लाहौर से लगभग 220 किमी दूर हड़प्पा के खंडहरों के पास शेरशाह सूरी के युग की, 16वीं सदी की सराय (विश्राम स्थल) को खोजा है। यह सराय मुख्य शेर शाह सूरी मार्ग के दक्षिणी हिस्से पर स्थित है।

यह शेर शाह सूरी (1540-1545) के समय डाक काफिलों के लिए विश्राम स्थल था। शेर शाह सूरी एक अफगान शासक थे जिन्होंने मुगल साम्राज्य को कुछ समय के लिए हटाकर सूर साम्राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने 1540 में मुगल बादशाह हुमायूं को हराकर अपने वंश का साम्राज्य स्थापित किया था, लेकिन सूर साम्राज्य बहुत समय तक नहीं चला, और 1545 में सूरी की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य ने नियंत्रण हासिल कर लिया। पंजाब के पर्यटन सचिव डॉ. एहसान भुट्टा के अनुसार, स्थल पर मिलीं ईंट हड़प्पा काल की हैं, लेकिन इसमें शेर शाह सूरी के युग की विशेषताएं भी मौजूद हैं, जैसे बरामदा, जलाशय आदि।

भारत-श्रीलंका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के सैनिक करीब दो सप्ताह तक चलने वाले सैन्य अभ्यास में ड्रोन रोधी और आतंकवाद रोधी अभियानों में परस्पर रण कौशल के गुर तथा अनुभव साझा करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यासअभ्यास मित्र शक्ति-2025 का 11वां संस्करण कर्नाटक के बेलगावी में 'फॉरेन ट्रेनिंग नोड' में शुरू हुआ जो 23 नवंबर तक चलेगा। अभ्यास में भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट के 170 जवान और श्रीलंकाई दल में 135 जवान हैं।

बांग्लादेश: अंतरिम प्रमुख यूनुस के ग्रामीण बैंक के बाहर बम धमाका, ढाका में और बढ़ा तनाव

ढाका, एजेंसी

- उपद्रवियों ने दो बसों में आग भी लगाई, पुलिस ने शुरू की जांच

बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में बढ़ते तनाव के बीच अज्ञात हमलावरों ने सोमवार रात बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के ग्रामीण बैंक के मुख्यालय के बाहर देसी बम का इस्तेमाल करके विस्फोट किया। ढाका में तनाव बढ़ने के साथ हिंसा की लगातार घटनाएं हो रही हैं।

सोमवार तड़के उपद्रवियों ने यूनुस के एक सलाहकार के व्यापारिक प्रतिष्ठान के सामने देसी बम के जरिए विस्फोट किए और राजधानी में दो बसों को आग लगा दी। पुलिस ने कहा कि ग्रामीण बैंक और मत्स्य पालन एवं पशुधन सलाहकार फरीदा अख्तर के स्वामित्व वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठान 'प्रबर्ताना' के सामने हुए हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीरपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी ने कहा, मीरपुर इलाके में ग्रामीण बैंक के सामने सुबह करीब 3.45 बजे बम विस्फोट हुआ। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन हमने उपद्रवियों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की और गरीबी उन्मूलन और गरीब महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए गए। पुलिस के अनुसार, मोहम्मदपुर इलाके के प्रबर्ताना के सामने जोरदार विस्फोट सुबह लगभग 7:10 बजे तब हुए, जब मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने इस प्रतिष्ठान के सामने दो देसी बम फेंके।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 11 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 23.08 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

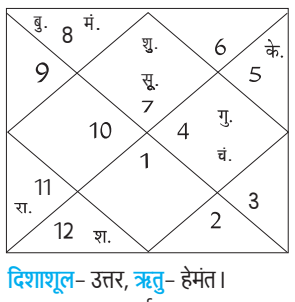

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 18.17 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

सिंह — आज जहां तक संभव हो यात्रा से बचें। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाए रखें। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है। सोशल मीडिया में अत्यंत सक्रिय रहने वाले हैं।

सुडोकू-157

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1	2						
				4				5
			6	7				
	3		8		7			
	7	5						
			2		4			
9				3	1			
6		8						
		1				4		

सुडोकू - 156 का हल

1	4	2	9	3	5	7	8	6
6	9	7	2	1	8	3	4	5
5	3	8	4	6	7	2	1	9
9	2	1	3	4	6	8	5	7
3	8	5	7	2	9	4	6	1
7	6	4	8	5	1	9	2	3
8	1	3	5	9	2	6	7	4
4	7	6	1	8	3	5	9	2
2	5	9	6	7	4	1	3	8

25 खेलों में 320 सहायक कोच की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। जल क्रीड़ा, साइकिलिंग और टेनिस जैसे खेल सहित उन खेलों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनमें भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन उनमें पदक जीतने की अपार संभावनाएं हैं।

-मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार 11 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लेवाडोव्स्की की हैट्रिक से बार्सिलोना जीता

मैड्रिड। रॉबर्ट लेवाडोव्स्की की हैट्रिक की मदद से बार्सिलोना शानदार जीत हासिल करके स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में शीर्ष पर काबिज रियाल मैड्रिड के करीब पहुंच गया है। रियाल मैड्रिड की अपनी बढ़त मजबूत करने की उम्मीद को तब करारा झटका लगा जब रायो वेलेकानो ने उसे गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। इसके बाद लेवांडोव्स्की और लेमिन यामल ने बार्सिलोना को सेल्टा विगो पर 4-2 से जीत दिलाई। इससे बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच केवल तीन अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना से हार झेलने के कारण सेल्टा की सभी टूर्नामेंटों में लगातार पांच मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया। विलारियल ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर लीग में लगातार तीसरी जीत हासिल की।

मनु भाकर व ईशा सिंह पदक से चूकीं

काहिरा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गईं। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज के बीच मैच रद्द

नेल्सन (न्यूजीलैंड) : न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम पांच मैच की सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। सीरीज का पांचवा और आखिरी मैच गुरुवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने पहला मैच सात रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच तीन रन से और रविवार को तीसरा मैच नौ रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने सोमवार को सैक्सटन ओवल में टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फ़ैसला किया। लेकिन केवल 6.3 ओवर का खेल ही संभव हो पाया जिसमें वेस्टइंडीज ने एक विकेट खोकर 38 रन बनाए।

नागालैंड के विनो झिमोमी का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते उप्र के खिलाड़ी। अमृत विचार

उप्र ने नागालैंड को तीसरे ही दिन निबटा दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर के ग्रीनपार्क में मेजबानों की पारी और 265 रनों से बड़ी जीत
- शतकीय पारी खेलने के साथ पांच विकेट लेने वाले शिवम मावी बने प्लेयर ऑफ द मैच

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे ही दिन नागालैंड को पारी और 265 रनों से हरा दिया। बल्लेबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों के कहर बरपाती गेंदों के दम पर नागालैंड को दोनों पारियों में सस्ते में निपटाकर सीजन की पहली जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश ने 6 विकेट पर 535 रनों पर पहली पारी घोषित करने के बाद नागालैंड की पहली पारी 117 और दूसरी 153 रनों पर सिमट गई। इस मैच में नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी व पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले शिवम मावी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत से उत्तर प्रदेश एक बोनस अंक सहित कुल सात अंक लेकर एलीट ग्रुप-ए में 14 अंक बना चुका है। उत्तर प्रदेश का अब का पांचवां मुकाबला तमिलनाडु के खिलाफ कोयम्बटूर में 16 नवंबर से खेला जाएगा।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले गये इस मुकाबले के तीसरे दिन चार विकेट पर 77 रनों से आगे खेलने उतरी नागालैंड की पहली पारी 45.3 ओवर में मात्र 117 रनों पर ढ़ेर हो गयी। टीम से सर्वाधिक 47 रन निश्चल ने बनाए वहीं सेदेज्हेली ने 15 और सौरभ ने नाबाद दस रन बनाए शेष बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी न छू सके।

उत्तर प्रदेश से शिवम मावी ने 18 रन देकर पांच, शिवम शर्मा और आकिब खान ने दो-दो और एक विकेट कुणाल त्यागी ने लिया। इससे पहले पहली पारी में 418 रनों की लीड लेने के बाद उत्तर प्रदेश ने फॉलोऑन देते हुए नागालैंड को दोबारा खेलने को बुलाया और उसकी दूसरी पारी भी 51.1 ओवर में 153 रनों पर समेटकर एक पारी व 165 रनों की शानदार जीत हासिल की।

दूसरी पारी में नागालैंड से चेतन बिष्ट ने सर्वाधिक 53 रन बनाए वहीं निश्चल ने 23, सेदेज्हेली ने 15, युग्धंर ने 15, इम्लीवति ने 18 और रोनित मोरे ने नाबाद 12 रन बनाए। उप्र से शिवम शर्मा ने 25 रन देकर पांच, करन शर्मा ने तीन, आकिब खान ने दो विकेट लेकर टीम को तीसरे ही दिन जीत दिलाने में अहम भूमिका निभायी।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम बनेगा स्पोर्ट्स सिटी

सरकार ने शुरू की तैयारी, सभी प्रमुख खेलों के अलावा खिलाड़ियों के लिए आवासीय की सुविधा भी होगी

नयी दिल्ली, एजेंसी

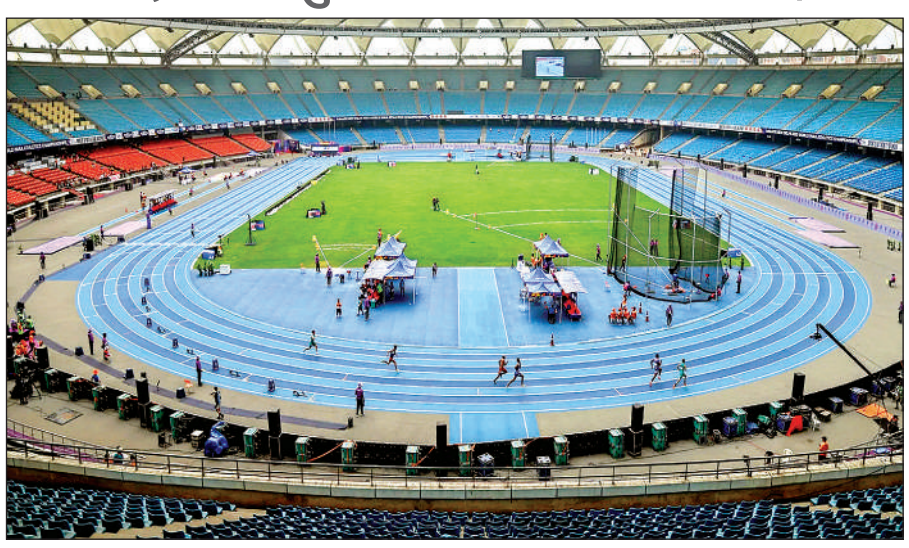

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम। फाइल फोटो

गौरवशाली रहा है जेएलएन का इतिहास जर्जर ढांचे का किया जाएगा पुनर्निर्माण

सूत्र ने बताया जेएलएन परियोजना भी बड़े पैमाने पर होगी। इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि जेएलएन के अंदर जो मौजूदा बुनियादी ढांचा जर्जर हो रहा है, उसका पुनर्निर्माण हो सके। जेएलएन स्टेडियम का निर्माण 1982 में आयोजित एशियाई खेलों के लिए किया गया था। इसने बाद में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की, जिसके लिए इसे 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्निर्मित किया गया था। इस स्टेडियम ने हाल ही में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की। इसके लिए इसमें मोंडो ट्रैक बिछा कर एक और नवीनीकरण किया गया। मोंडो ट्रैक एथलेटिक्स के लिए तेज सतह माना जाता है जो चोट के जोखिम को कम करता है। इस स्टेडियम में एथलेटिक्स की सुविधाओं के साथ एक फुटबॉल पिच भी है जहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच आयोजित किए गए हैं। इसने 1984 और 1991 में कुछ क्रिकेट एकदिवसीय मैचों की भी मेजबानी की है, लेकिन तकनीकी कारणों से आईसीसी ने इसे खेल के लिए अनुपयुक्त करार दिया था। इस स्टेडियम का उपयोग गैर-खेल व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी किया जाता है और यहां नियमित रूप से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय गायकों के संगीत कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

नयी दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम को ध्वस्त करके एक स्पोर्ट्स सिटी बनाई जाएगी। इसमें सभी प्रमुख खेलों के अलावा खिलाड़ियों के लिए आवास की सुविधा भी होगी।

स्पोर्ट्स सिटी में मुख्य रूप से एक बहु-खेल सुविधा के साथ प्रशिक्षण, प्रमुख आयोजनों के संचालन के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध होता है। स्टेडियम के 102 एकड़ क्षेत्र का पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया जाएगा, लेकिन अभी तक यह योजना केवल एक प्रस्ताव है और इसलिए परियोजना की समय-सीमा और इसमें आने वाली लागत को लेकर कुछ भी तय नहीं है।

मंत्रालय के सूत्र ने कहा स्टेडियम को ध्वस्त कर दिया जाएगा। स्टेडियम के अंदर स्थित सभी कार्यालय, जिनमें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं, स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा वर्तमान में इसके अंतर्गत आने वाली 100 एकड़ से अधिक भूमि का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं हो पा रहा है। स्पोर्ट्स सिटी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे पास प्रमुख खेलों के लिए मेजबानी की सुविधाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं, प्रतिस्पर्धा करते समय एथलीटों के लिए आवास की व्यवस्था हो और यहां तक कि मनोरंजन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हों। इस स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का मुख्यालय भी है, जो इस स्थल का संचालक भी है। यहां सरकार की प्रमुख खेलो इंडिया परियोजना का कार्यालय भी है। स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के लिए शहरी विकास मंत्रालय सहित कई मंत्रालयों और विभागों के बीच तालमेल की आवश्यकता होगी। प्रक्रिया लंबी होने के कारण, इसकी तत्काल शुरुआत की संभावना कम है। सूत्र ने कहा यह अभी एक विचार है, लेकिन देखते हैं कि व्यवहार्यता अध्ययन कैसे काम करता है। मंत्रालय हालांकि इसे आगे बढ़ाने को लेकर बहुत गंभीर है। इसके तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए कतर और ऑस्ट्रेलिया स्थिति स्पोर्ट्स सिटी का मूल्यांकन किया जा रहा है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया हाल ही में दोहा में थे और विश्वसनीय जानकारी के अनुसार उन्होंने वहां स्पोर्ट्स सिटी का दौरा किया था। दोहा स्पोर्ट्स सिटी 617 एकड़ में फैली हुई है। इसमें एक अकादमी के अलावा फुटबॉल, जलक्रीडा और 13 विभिन्न इंडोर खेलों की सुविधाएं हैं। इसमें एक विशेष ऑर्थोपेडिक और स्पोर्ट्स मेडिसिन अस्पताल भी है। ऑस्ट्रेलिया की बहुउद्देशीय सुविधाओं में मेलबर्न स्थित डॉकलैंड्स स्टेडियम शामिल है, जो क्रिकेट, ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल, रग्बी और फुटबॉल की मेजबानी कर सकता है। अहमदाबाद का सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स इसका एक उदाहरण है, जहां क्रिकेट, जलक्रीड़ा, टेनिस और एथलेटिक्स आदि के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह लगभग 250 एकड़ में फैला हुआ है और इसके निर्माण में लगभग 4600 करोड़ रुपये की लागत आयी थी। यह शहर वर्तमान में 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर रहा है और इसी महीने के अंत में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी इसी शहर को मिलने वाली है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने हाल ही में ऐसे आयोजनों के लिए बुकिंग शुल्क में वृद्धि की है और ऐसे कार्यक्रमों के समापन पर स्टेडियम को अच्छी स्थिति में वापस न करने पर जुर्माने का प्रावधान भी रखा है।

महिला टीम को जल्द मिलेगा विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निकट भविष्य में अपना पहला विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने की पूरी संभावना है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भर्तियां की हैं। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नाथन कीली भारतीय बोर्ड के साथ बातचीत कर रहे हैं और संभावना है कि वह सीओई में शामिल हो सकते हैं। भारतीय महिला टीम की वर्तमान स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एआई हर्षा ने विश्व कप में खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी लेकिन पता चला है कि बीसीसीआई उनको कोई और कार्य देना चाहता है। बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने के अलावा कीली ने न्यू साउथ वेल्स की प्रथम श्रेणी टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। अब तक सीओई से जुड़े व्यक्ति को ही महिला क्रिकेट टीम का स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नियुक्त किया जाता रहा है, लेकिन अगर कीली इसमें शामिल होते हैं तो वह पहले विदेशी कोच हो सकते हैं। भारतीय पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ हैं।

टेस्ट सीरीज : दक्षिण अफ्रीकी टीम कोलकाता पहुंची, बावुमा भी जुड़े

कोलकाता, एजेंसी

ईडन गार्डन्स की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा कोलकाता पहुंचे। एजेंसी

विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत के खिलाफ शुक्रवार से ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए यहां पहुंच गई है। बेंगलुरु में भारत ए के खिलाफ मैच खेलने के बाद कप्तान तेम्बा बावुमा भी टीम से जुड़ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला बैच रविवार को यहां पहुंच गया था जिसमें मुख्य कोच शुकरी कोनराड, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और मार्को यानसन तथा पाकिस्तान में सीमित ओवरों की श्रृंखला में खेलने वाले खिलाड़ी शामिल थे।

दक्षिण अफ्रीका टीम के स्थानीय मैनेजर ने पीटीआई को बताया बावुमा एक अन्य खिलाड़ी और कुछ अधिकारियों के साथ आज सुबह बेंगलुरु से यहां पहुंचे। मुख्य कोच सहित टीम के अधिकतर सदस्य रविवार को ही पहुंच गए थे। संभावना है कि दोनों टीम मंगलवार से अभ्यास शुरू करेंगी। बावुमा पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पाकिस्तान में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने मैच अभ्यास के लिए भारत ए के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा पहली पारी में शून्य पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 101 गेंदों में 59 रन की पारी खेली, जिससे उनकी टीम रविवार को समाप्त हुए इस मैच में जीत हासिल करने में सफल रही थी। मध्यक्रम के बल्लेबाज जुबैर हमजा भी बेंगलुरु में दोनों मैच खेलने के बाद यहां मुख्य टीम में शामिल हो गए।

राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से

बेंगलुरु। भारत की पहली राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के द स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन (केपीए) इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिसमें भाग लेने के लिए 20 से अधिक राज्यों से 1,200 से अधिक आवेदन मिले हैं।

यह प्रतियोगिता पुरुष, महिला और मिश्रित प्रारूपों में अंडर-12 से लेकर 70 साल की उम्र से अधिक के विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी।

महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में भारत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप का अगले साल थाइलैंड में होगा आयोजन
- ग्रुप सी में भारत के साथ जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमें खेलेंगी

ग्रुप ए : थाईलैंड, चीन, वियतनाम, बांग्लादेश।

ग्रुप बी : उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान, जोर्डन।

ग्रुप सी : जापान, ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, भारत।

भारत को अगले साल थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप फाइनल के कड़े ग्रुप सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है। ड्रॉ बैंकॉक में आयोजित किया गया। बीस साल बाद महाद्वीपीय महिला अंडर-20 टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ करेगी, उसके बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर चीनी ताइपे से भिड़ेगी।

गत उपविजेता जापान इस टूर्नामेंट का रिकॉर्ड छह बार का चैंपियन है और 2018 में फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप चैंपियन और 2024 का उप विजेता भी है। ऑस्ट्रेलिया 2024 में तीसरे स्थान पर रहा जबकि चीनी ताइपे ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। तीनों ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चार टीम पोलैंड में होने वाले 2026 फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप ए में मेजबान थाईलैंड को चीन, वियतनाम और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में वर्तमान अंडर-20 विश्व चैंपियन उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान और जोर्डन शामिल हैं।

इंग्लैंड में खेलने से इन्कार करने पर शमी की वापसी की संभावना हुई क्षीण

नई दिल्ली : मोहम्मद शमी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में 93 ओवर गेंदबाजी कर ली है, लेकिन भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक का दोबारा टेस्ट क्रिकेट में खेलना मुश्किल लग रहा है और उनकी वनडे टीम में भी नीली जर्सी पहनने की संभावना कम ही दिख रही है। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था लेकिन उसके बाद से उन्हें किसी भी प्रारूप की टीम में नहीं चुना गया। वह 2023 में वनडे विश्व कप के बाद एड़ी की चोट के कारण लंबे समय तक खेल से बाहर रहे थे। उन्हें इस चोट से निजात पाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। वर्तमान समय में भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए ऐसी संभावना नहीं लगती है कि शमी तीनों प्रारूपों में अब तक खेले गए 197 अंतरराष्ट्रीय मैचों में और मैच जोड़ पाएंगे। वह टेस्ट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में पिछड़ गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं। ऐसा लगता है कि उनके लिए अब केवल एक दिवसीय क्रिकेट ही बचा है। अगला वनडे विश्व कप 2027 में होगा और तब तक शमी 37 साल के हो जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम एक उम्र दराज तेज गेंदबाज को की टीम में रखने का जोखिम नहीं उठाएगी क्योंकि शमी का करियर चोटों से जुड़ा रहा है, जिसमें घुटने की समस्या भी शामिल है। शमी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं और उन्होंने खुलकर कहा है कि चयनकर्ताओं ने उनसे कोई बातचीत नहीं की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र हालांकि ऐसा नहीं मानते हैं।

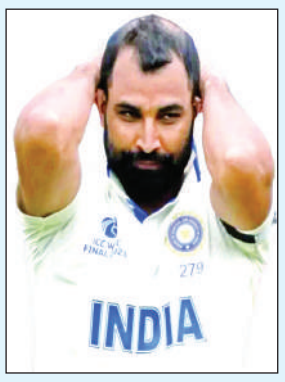

गांगुली ने फिट हुए शमी का किया समर्थन

कोलकाता : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली चाहते हैं कि मोहम्मद शमी सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में वापसी करें क्योंकि उनका मानना है कि यह कुशल तेज गेंदबाज 'फिट है और बेहतरीन गेंदबाजी कर रहा है'। हालांकि ऐसा लगता है कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इस 35 वर्षीय तेज गेंदबाज को नजरअंदाज कर चुकी है जिनकी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अनदेखी की गई है। गांगुली एक कार्यक्रम के इतर कहा शमी असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह फिट हैं और हमने तीन रणजी ट्रॉफी मैच में देखा, जहां उन्होंने अपने दम पर बंगाल को जीत दिलाई। शमी ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। बंगाल को शुरुआती दो मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई पर त्रिपुरा के खिलाफ एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। उन्होंने इस सत्र में तीन मैच में 91 ओवर फेंके हैं।

जताई चिंता — मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा-फिटनेस के लिहाज से हम हैं काफी पीछे

टी-20 विश्व कप के लिए अभी टीम तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

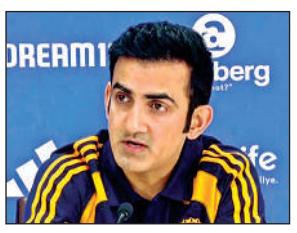

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के मामले में अभी उस स्थिति में नहीं है, जहां वह पहुंचना चाहती है। हालांकि उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए टीम के पास अभी पर्याप्त समय है।

गंभीर ने बीसीसीआई डॉट टीवी से बातचीत में फिटनेस के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस को अगले स्तर पर ले जाने की जरूरत है क्योंकि खिताब बचाने की तैयारी भारत घरेलू मैदान पर कर रहा है।

उन्होंने कहा यह एक ऐसा ड्रेसिंग रूम है जहां बहुत अधिक पारदर्शिता और ईमानदारी है। हम चाहते हैं कि यह ड्रेसिंग रूम आगे भी ऐसा ही बना रहे। उन्होंने कहा फिटनेस के नजरिए से मुझे लगता है कि टी-20 विश्व कप से पहले हम अभी उस मुकाम पर नहीं पहुंचे हैं जहां पहुंचना चाहते हैं। यही बात हमने खिलाड़ियों से भी की है। हम पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहना चाहते हैं। हम फिट रहना चाहते हैं। हम तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं।

भारतीय कोच ने कहा हम जितने ज्यादा फिट होंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। क्योंकि दबाव वाले मैच और दबाव वाली स्थिति में आप जितने ज्यादा शारीरिक रूप से मजबूत होंगे, मानसिक रूप से भी उतने ही मजबूत होंगे। हमारे पास अभी भी तीन महीने हैं। टी-20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन है। गंभीर ने हाल ही में भारत के एशिया कप के विजयी अभियान के दौरान पावरप्ले में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर कराने के पीछे के तर्क पर भी बात की। उन्होंने कहा बहुत से लोग इस टी20 टीम को एक बेहद आक्रामक बल्लेबाजी क्रम के रूप में देखते हैं। मेरे हिसाब से, पहले छह ओवरों में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर गेंदबाजी कराना और भी आक्रामक विकल्प था। हम ऐसी टीम नहीं बनना चाहते जिसकी पहचान सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी क्रम हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो कुल मिलाकर एक आक्रामक टीम के रूप में जानी जाए।

शृंखला हारने का जश्न नहीं मनाया जा सकता

नई दिल्ली। गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में एकदिवसीय श्रृंखला में टीम की हार की आलोचना करते हुए कहा कि हार के बाद सराहनीय प्रदर्शन का कभी जश्न नहीं मनाया जाना चाहिए। वे सफल खिलाड़ियों के लिए खुश हो सकते हैं, पर किसी को भी बड़ी तस्वीर से ध्यान नहीं हटाना चाहिए और इस मामले में यह श्रृंखला में हार है। ऑस्ट्रेलिया में हुई एकदिवसीय श्रृंखला से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी। रोहित को तीसरे एकदिवसीय मैच में शतक लगाने के बाद मैन ऑफ द मैच व श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रोहित ने इससे पहले दूसरे वनडे में 73 रन रन बनाए थे पर मैच में भारत को हार गया था।